मंगलवार, 28 जनवरी 2025

मौसम

तापमान 27 – 17
आर्द्रता 57%
सूर्योदयः 6:17 सूर्यास्तः 17:22

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

कोलकाता, माघ कृष्णपक्ष चतुर्दशी, वि.स. 2081, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

आईसीसी पुरस्कार: बुमराह सर्वश्रेष्ठ पुरुष टेस्ट क्रिकेटर, मंधाना सर्वश्रेष्ठ महिला एकदिवसीय खिलाड़ी -पृष्ठ 8

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

सुविचार : झगड़ा करके भी जो रिश्ता ना टूटे बस वही अपना होता है।

JAISWAL INDUSTRIAL PARK PHASE I & II

COMPLETE COMMERCIAL PLOTS AVAILABLE WITH FILLING AND BOUNDARY

JUST 3 MINS FROM DANKUNI HOUSING

CALL: 7003982830 email: udgeethdevelopers@gmail.com

DIVYANSH JAISWAL

RED-X
B.W.P. PLY, BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

वक्फ समिति ने सत्तारूढ़ गठबंधन के संशोधनों को स्वीकार किया

विपक्ष के सारे संशोधन खारिज

- संशोधनों पर मतदान 29 जनवरी की तारीख तय की गई है
- विपक्ष ने अध्यक्ष जगदंबिका पाल पर पक्षपात का आरोप लगाया

नयी दिल्ली : वक्फ संशोधन बिल पर चर्चा कर रही ज्वाइंट पार्लियामेंट कमेटी यानी जेपीसी ने सोमवार को बीजेपी और एनडीए के सभी संशोधनों को स्वीकार कर लिया। इस दौरान विपक्ष द्वारा पेश किए गए हर बदलाव को ठुकरा दिया गया। समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि समिति द्वारा अपनाए गए संशोधन कानून को बेहतर और अधिक प्रभावी बनाएंगे। वक्फ बोर्ड संशोधन बिल 2024 पर संसदीय पैनल के सदस्यों ने मसौदा कानून में 572 संशोधनों का सुझाव दिया।

जेपीसी बैठक के बाद विपक्षी सांसदों ने कार्यवाही की निंदा करते हुए जगदंबिका पाल पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को नष्ट करने का आरोप लगाया। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि यह एक हास्यास्पद प्रैक्टिस थी। हमारी बात नहीं सुनी गई। जेपीसी की अध्यक्षता कर रहे जगदंबिका पाल ने तानाशाही तरीके से काम किया है। उधर, जगदंबिका पाल का कहना है कि पूरी प्रक्रिया लोकतांत्रिक थी और बहुमत से फैसला आया है। बैठक से पहले केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने एनडीए सांसदों के साथ बैठक की थी और सबको एकजुट रहने की सलाह दी थी।

बिल में क्या है बदलाव?

वक्फ बोर्ड बिल के तहत कोई संपत्ति वक्फ है या नहीं इसका निर्णय लेने का अधिकार जिला कलेक्टर को दिया गया था। जेपीसी ने इस नियम को संशोधित कर दिया है। अब ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी ने यह अधिकार संशोधन के तहत कलेक्टर की बजाय राज्य सरकार की ओर से नामित किसी अधिकारी को दे दिया है।

विपक्ष के संशोधन खारिज

जेपीसी अध्यक्ष ने कहा कि विधेयक के 14 खंडों में एनडीए सदस्यों द्वारा पेश किए गए संशोधनों को स्वीकार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी सदस्यों ने सभी 44 खंडों में सैकड़ों संशोधन पेश किए और उनमें से सभी को वोट से खारिज कर दिया गया। वक्फ विधेयक पर जेपीसी ने सोमवार को सुबह 11 बजे बैठी, जिसमें प्रस्तावित विधेयक पर हर क्लॉज पर चर्चा हुई। जेपीसी के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने सोमवार को बैठक से पहले न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा था, आज वक्फ बोर्ड की बैठक है, जिसमें सरकार द्वारा किए गए क्लॉज-बाय-क्लॉज संशोधनों पर चर्चा होगी। जेपीसी के गठन का प्रस्ताव शामिल किया गया था और पिछले छह महीनों में जेपीसी ने सभी हितधारकों और राज्यों के साथ बातचीत की है। अब सांसदों द्वारा प्रस्तावित संशोधनों पर चर्चा होगी, चाहे वे पक्ष में हों या विपक्ष में, चर्चा होगी। सहमति बनेगी तो क्लॉज क्लियर होगा, नहीं तो वोटिंग होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से की फोन पर बातचीत

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को फोन पर बातचीत की और इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका संबंधों को और आगे ले जाने के बारे में चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने फोन पर बातचीत के बाद कहा कि दोनों पक्ष परस्पर लाभकारी और विश्वसनीय साझेदारी के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा,'' अपने प्रिय मित्र राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात करके बहुत खुशी हुई। उनके ऐतिहासिक दूसरे कार्यकाल के लिए उन्हें बधाई दी।'' उन्होंने कहा,'' हम परस्पर लाभकारी और विश्वसनीय साझेदारी के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम अपने लोगों के कल्याण तथा वैश्विक शांति, समृद्धि एवं सुरक्षा के लिए मिलकर काम करेंगे।''

आरजी कर मामला : निचली अदालत के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती

हाईकोर्ट ने बंगाल सरकार व सीबीआई की याचिकाओं पर आदेश सुरक्षित रखा

- दोनों याचिकाओं में दोषी को मृत्युदंड दिए जाने का किया गया है अनुरोध

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता हाईकोर्ट ने बंगाल सरकार और सीबीआई की उन दो अलग-अलग याचिकाओं को सुनवाई के लिए स्वीकार करने के संबंध में सोमवार को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया है। इन याचिकाओं में आरजीकर अस्पताल की महिला डॉक्टर से दुष्कर्म व हत्या मामले के दोषी संजय राय को आजीवन कारावास की सजा सुनाने संबंधी अधीनस्थ अदालत के आदेश को चुनौती दी गई है। इस दिन, न्यायमूर्ति देबांग्शु बसाक की अगुवाई वाली अदालत की खंडपीठ ने राज्य सरकार और सीबीआई दोनों का पक्ष सुना। दोनों ने दलील दी कि अपराध के एकमात्र दोषी राय को जीवन की अंतिम सांस तक आजीवन कारावास की सियालदह सत्र न्यायालय द्वारा सुनाई गई सजा पर्याप्त नहीं है। दोनों याचिकाओं में दोषी को मृत्युदंड दिए जाने का अनुरोध किया गया है। सीबीआई ने दावा किया है कि केवल उसे अधीनस्थ अदालत के आदेश को सजा के अपर्याप्त होने के आधार पर हाईकोर्ट में चुनौती देने का अधिकार है क्योंकि उसने मामले की जांच की और वह अभियोजन एजेंसी थी। राज्य सरकार ने तर्क दिया कि केंद्रीय एजेंसी के अलावा वह भी अधीनस्थ अदालत द्वारा दी गई सजा को अपर्याप्त बताते हुए अपील दायर कर सकती है। बंगाल सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे महाधिवक्ता किशोर दत्ता ने राज्य की याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार करने के पक्ष में तर्क देते हुए खंडपीठ के समक्ष बहस की शुरुआत की। खंडपीठ के पूर्व निर्देशानुसार, पीड़िता के माता-पिता और दोषी का अदालत में प्रतिनिधित्व उनके संबंधित वकीलों ने किया।

संजय रॉय के लिए मौत की सजा के पक्ष में नहीं पीड़िता के माता-पिता

आरजीकर मामले में पीड़ित परिवार अभी दोषी संजय रॉय के मृत्युदंड के पक्ष में नहीं है। पीड़िता के पिता ने सोमवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि वह फिलहाल दोषी के आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखना चाहते हैं, लेकिन इसके साथ मामले में संजय के अलावा बाकी गुनहगारों को भी सामने लाना होगा। सभी को कठोर सजा मिलनी चाहिए, क्योंकि अभी अगर संजय रॉय को मृत्युदंड दे दिया जाता है तो अन्य आरोपित बच निकलेंगे। पीड़ित परिवार के वकील शमीम अहमद ने भी अदालत में कहा कि पीड़िता के माता-पिता अभी दोषी के मृत्युदंड के पक्ष में नहीं हैं। वे चाहते हैं कि जल्द पूरक आरोप पत्र दाखिल किया जाए और अन्य आरोपित पकड़े जाएं।

अब बोसपुकुर में झुकी इमारत, नगर निगम के भवन विभाग पर बढ़ा दबाव

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के अलग-अलग वार्डों में झुकी इमारतों के मामलों से चिंता बढ़ती जा रही है। बाघाजतिन, टेंगरा और तपसिया के बाद अब बोसपुकुर में भी ऐसी ही समस्या सामने आई है। सोमवार की सुबह बोसपुकुर के बेदियाडांगा मस्जिद घर लेन में दो बहुमंजिली इमारतों के एक-दूसरे की ओर झुकने की खबर ने इलाके में दहशत फैला दी। कोलकाता नगर निगम के सूत्रों के मुताबिक, ये इमारतें वार्ड 67 में स्थित हैं। रविवार 26 जनवरी को छुट्टी होने के कारण कोई कदम नहीं उठाया जा सका, लेकिन सोमवार को नगर निगम का प्रतिनिधि दल इन इमारतों का निरीक्षण किया। भवन विभाग के इंजीनियरों की टीम को इन बहुमंजिला इमारतों की स्थिति का जायजा लेने के लिए भेजा गया। वार्ड 67 के पार्षद बिजन मुखर्जी ने इस समस्या की जानकारी मिलने के बाद इसे नगर निगम के मुख्यालय तक पहुंचाया। स्थानीय लोगों के अनुसार, ये दोनों बहुमंजिली इमारतें काफी पुरानी हैं और पिछले चार सालों से एक-दूसरे की ओर झुकी हुई हैं। इस दौरान दीवारों में दरारें लगातार बढ़ती रहीं, जो हाल ही में और गंभीर हो गई हैं। हालांकि, अब तक इस मामले में नगर निगम को कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई थी। बोसपुकुर के स्थानीय निवासियों का कहना है कि वे पहले से इस समस्या से अवगत थे लेकिन उन्होंने प्रशासन से शिकायत दर्ज कराने की आवश्यकता महसूस नहीं की। उनका मानना था कि नगर निगम खुद इस पर ध्यान देगा। हालांकि, अब दरारें बढ़ने के कारण उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

कोलकाता नगर निगम क्षेत्र में 30 संपत्तियों पर म्यूटेशन पर लगी रोक

कोलकाता नगर निगम क्षेत्र में कई ऐसी संपत्तियां पाई गई हैं, जिन पर वर्षों से संपत्ति कर का भुगतान नहीं किया गया है। इन संपत्तियों का मालिकाना हक कभी भी बदल सकता था, लेकिन अब नगर निगम ने इन संपत्तियों की म्यूटेशन (स्वामित्व हस्तांतरण) पर रोक लगा दी है। इस कदम से इन संपत्तियों पर बिना अनुमति के नए फ्लैट बनाने का काम रोका जा सकेगा। नगर निगम के मूल्यांकन और निर्माण विभाग की संयुक्त जांच में कम से कम 30 संपत्तियों की म्यूटेशन लॉक कर दी गई है। इनमें अधिकांश संपत्तियां उत्तर कोलकाता में हैं, जबकि कुछ मेटियाब्रूज के पुराने घरों में भी यह स्थिति पाई गई है। इन घरों में अधिकतर लोग रहते नहीं हैं, और मालिक संभवतः दूसरे राज्यों या विदेशों में रह रहे हैं। अब इन संपत्तियों का लेन-देन नहीं हो सकेगा, क्योंकि म्यूटेशन कराना अब संभव नहीं होगा।

कोलकाता पुलिस बैंड को राजभवन में मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप के बाद मिली अनुमति

- गणतंत्र दिवस समारोह के लिए कोलकाता पुलिस बैंड को राजभवन में प्रवेश नहीं देने पर ममता हुईं नाराज

कोलकाता, समाज्ञा : गणतंत्र दिवस के मौके पर कोलकाता में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस के बीच एक विवाद खड़ा हो गया। राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में कोलकाता पुलिस बैंड को पहले एंट्री नहीं मिली। ममता बनर्जी के हस्तक्षेप के बाद बैंड को परफॉर्म करने की अनुमति मिली। यह घटना रविवार की शाम को हुई। इस घटना ने राजभवन और राज्य सरकार के बीच तनाव की स्थिति पैदा कर दी। दरअसल, रविवार शाम को कोलकाता के राजभवन में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया था। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी इस कार्यक्रम में शामिल हुईं। लेकिन, वहां पहुंचने पर उन्हें पता चला कि कोलकाता पुलिस बैंड को गेट पर ही रोक दिया गया है। उन्हें अंदर आने की इजाजत नहीं दी जा रही है। यह जानकर ममता बनर्जी नाराज हो गईं। वह गेट पर गईं और राजभवन के अधिकारियों से इस बारे में कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने जोर देकर कहा कि कोलकाता पुलिस बैंड को अंदर आने दिया जाए। ममता बनर्जी ने कहा कि हर साल हमारा कोलकाता पुलिस बैंड इस कार्यक्रम में परफॉर्म करता है। लेकिन इस साल राजभवन ने कोलकाता पुलिस बैंड को आमंत्रित तो किया, पर कोलकाता के राजभवन में कोलकाता पुलिस बैंड की एंट्री नहीं होने दी। इस पर ममता बनर्जी को राजभवन के कर्मचारियों से बहस करते और बाद में राज्यपाल सीवी आनंद बोस से बात करते हुए देखा जा गया। मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप के बाद, बैंड को अंदर आने और राज्यपाल के आवास पर परफॉर्म करने की अनुमति मिली।

राज्यपाल के ओएसडी ने स्थिति पर सफाई दी

राज्यपाल के ओएसडी संदीप कुमार सिंह ने बताया कि आमंत्रण कार्यक्रम में कोलकाता पुलिस बैंड को सामान्य जगह से अलग जगह दी गई थी। जब इस ओर ध्यान दिलाया गया, तो मैंने हस्तक्षेप किया और पुलिस बैंड को बुलाकर उन्हें एक उपयुक्त जगह दी। जहां उन्होंने अपना प्रदर्शन जारी रखा। जब मैंने राज्यपाल को इस बारे में बताया, तो उन्होंने आदेश दिया कि औपचारिक अवसरों पर किसी भी पूर्व परंपरा से हटकर काम केवल चीफ ऑफ स्टाफ की पूर्व स्वीकृति से ही किया जाना चाहिए।

भारत, चीन ने कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर शुरू करने का फैसला किया

नयी दिल्ली : भारत और चीन ने सोमवार को कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर शुरू करने का फैसला किया और दोनों पक्ष संबंधों को स्थिर और बहाल करने के लिए कुछ जन-केंद्रित कदम उठाने पर सहमत हुए। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी विदेश सचिव विक्रम मिस्री की बीजिंग में अपने चीनी समकक्ष सुन वेइदोंग के साथ वार्ता के बाद दी। इसने कहा कि दोनों पक्ष दोनों देशों के बीच सीधी हवाई सेवाएं पुनः शुरू करने पर भी सैद्धांतिक रूप से सहमत हुए। विदेश मंत्रालय ने कहा, जैसा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच अक्टूबर में कज़ान में हुई बैठक में सहमति बनी थी, दोनों पक्षों ने भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों की स्थिति की व्यापक समीक्षा की और संबंधों को स्थिर और बहाल करने के लिए कुछ जन-केंद्रित कदम उठाने पर सहमति व्यक्त की। इसने कहा, ''इस संदर्भ में दोनों पक्षों ने 2025 की गर्मियों में कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर शुरू करने का फैसला किया।'' विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने सीमापार नदियों से संबंधित आंकड़ों और अन्य सहयोग का प्रावधान पुनः शुरू करने को लेकर चर्चा के लिए भारत-चीन विशेषज्ञ स्तरीय तंत्र की बैठक शीघ्र बुलाने पर भी सहमति व्यक्त की। इसने कहा कि दोनों पक्ष मीडिया और 'थिंक टैंक' के बीच संपर्क सहित लोगों के बीच आदान-प्रदान को और बढ़ावा देने तथा सुविधाजनक बनाने के लिए उचित कदम उठाने पर सहमत हुए। विदेश मंत्रालय ने कहा, वे दोनों देशों के बीच सीधी हवाई सेवाएं फिर शुरू करने के लिए सैद्धांतिक रूप से सहमत हुए।

बंगाल विधानसभा में 12 फरवरी को पेश होगा राज्य बजट

- विधानसभा का बजट सत्र 10 फरवरी से होगा शुरू, कैबिनेट बैठक में 60 नई नियुक्तियों को हरी झंडी
- सरस्वती पूजा के दिन मंत्रियों को क्षेत्र में नजर रखने का निर्देश

कोलकाता, समाज्ञा : बंगाल विधानसभा का बजट सत्र 10 फरवरी से शुरू होने जा रहा है। ममता सरकार की ओर से वित्त वर्ष 2025-26 के लिए के आम बजट 12 फरवरी को पेश किया जाएगा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को राज्य कैबिनेट की बैठक में इसकी घोषणा की। बता दें कि बंगाल में आगामी वर्ष 2026 के अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव होने हैं। इससे पहले, मुख्यमंत्री के रूप में ममता के तीसरे कार्यकाल का यह आखिरी पूर्ण बजट होगा। चूंकि, अगले साल चुनाव होंगे, इसलिए सरकार को 'लेखानुदान' पेश करना होगा। सूत्रों ने बताया कि सोमवार को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में गृह, समाज कल्याण और विधि मामलों के विभागों में 60 लोगों की नियुक्ति को मंजूरी दी गई। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को सरस्वती पूजा के दिन क्षेत्र की स्थिति पर नजर रखने का निर्देश दिया। किसी भी संभावित अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के लिए मंत्रियों को उनका संदेश दिया गया है। मुख्यमंत्री ने अपने मंत्रियों से कहा है कि सभी लोग क्षेत्र पर नजर रखें, सतर्क रहें। कोई समस्या हो तो प्रशासन को बताएं। इसके अलावा, नवान्न सूत्रों के अनुसार, रूपोश्री, कन्याश्री और लक्ष्मी भंडार जैसी योजनाओं में भी रकम बढ़ाने की घोषणा हो सकती है।

मौनी अमावस्या पर प्रयागराज के लिए हवाई किराये में भारी बढ़ोतरी, लगाम लगाने की तैयारी में डीजीसीए

नयी दिल्ली : लाखों श्रद्धालु मौनी अमावस्या के अवसर पर संगम नगरी प्रयागराज की ओर रुख कर हैं। लेकिन इस बार महाकुंभ के कारण उड़ानों के किराए में भारी बढ़ोतरी देखी जा रही है। दिल्ली से लेकर मुंबई तक, सभी प्रमुख शहरों से प्रयागराज जाने वाली उड़ानों का किराया आसमान छूने लगा है। इस बढ़े हुए किराये से यात्रियों की जेब पर भारी असर पड़ रहा है। वहीं, विमानन मंत्रालय ने कहा कि प्रयागराज के लिए उड़ानों के किराए पर लगाम लगाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। महाकुंभ के चलते बढ़ी हुई यात्री मांग को देखते हुए उड़ानों की संख्या बढ़ाई गई है। इस समय प्रयागराज के लिए 132 उड़ानें संचालित हो रही हैं और करीब 80 हजार सीटें हर महीनें उपलब्ध हैं। दिसंबर 2024 में प्रयागराज से आठ शहरों के लिए सीधी उड़ानें थीं, जबकि अब 17 शहरों के लिए सीधी उड़ाने उपलब्ध हैं। मंत्रालय के मुताबिक, इन नई उड़ानों का मकसद क्षेत्रीय संपर्क को मजबूत करना और महाकुंभ के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या को संभालना है। विमानन मंत्रालय ने बताया कि इन उड़ानों की संख्या बढ़ाने से हवाई किराए पर दबाव कम होगा और श्रद्धालुओं व पर्यटकों के लिए बेहतर

सुलभता सुनिश्चित की जाएगी। महाकुंभ 26 फरवरी तक जारी रहेगा। ऐसे में प्रयागराज के लिए उड़ानों के किराए में बढ़ोतरी पर चिंता जताई जा रही थी। पिछले हफ्ते डीजीसीए के अधिकारियों ने एयरलाइन प्रतिनिधियों के साथ बैठक की और उन्हें ज्यादा उड़ानें संचालित करने और किराए को नियंत्रित करने की सलाह दी।

विमानन मंत्री राम मोहन नायडू के निर्देशों के अनुसार डीजीसीए ने एयरलाइनों से कहा है कि शाही स्नान जैसे महत्वपूर्ण दिनों पर पर्याप्त उड़ान क्षमता सुनिश्चित करें। खासतौर पर 29 जनवरी, 3 फरवरी, 4 फरवरी, 12 फरवरी और 26 फरवरी 2025 को विशेष ध्यान दिया जाएगा। मौनी अमावस्या 29 जनवरी को है और इस दिन विभिन्न शहरों से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जाने वाली उड़ानों के किराए में भारी अंतर देखा जा सकता है। 29 जनवरी को प्रयागराज जाने वाली उड़ानों के किराए-

* दिल्ली से प्रयागराज- किराया लगभग 20,339 रुपये से 51,207 रुपये तक।
* मुंबई से प्रयागराज- किराया लगभग 31,081 रुपये से 56,059 रुपये तक।
* अहमदाबाद से प्रयागराज- किराया लगभग 42,572 रुपये से 56,235 रुपये तक।
* लखनऊ से प्रयागराज- किराया लगभग 25,110 रुपये से 47,332 रुपये तक।

यह आंकड़े 27 जनवरी के हैं और इनमें कुछ बदलाव हो सकता है, क्योंकि किराया समय के साथ बढ़ या घट सकता है।

अकाशा एयर 28 और 29 जनवरी को अहमदाबाद से प्रयागराज के लिए उड़ान शुरू करेगा। इसके बाद, फरवरी में यह एयरलाइन अहमदाबाद से 9 और बंगलूरू से 12 उड़ानें संचालित करेगी, जिससे करीब चार हजार सीटें बढ़ेंगी। वहीं, स्पाइसजेट दिल्ली, चेन्नई, गुवाहाटी, बंगलूरू, अहमदाबाद, मुंबई, जयपुर और हैदराबाद से प्रयागराज के लिए उड़ान शुरू करेगा, जिससे फरवरी में करीब 43, हजार सीटों की बढ़ोतरी होगी।

मेरा डीएनए भारतीय, कई इंडोनेशियाई लोगों के नाम संस्कृत में हैं : राष्ट्रपति सुबियांतो

नयी दिल्ली : इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने कहा है कि उनके देश के भारत के साथ गहरे सभ्यतागत संबंध हैं और कई इंडोनेशियाई लोगों के नाम संस्कृत में हैं। इसके साथ ही उन्होंने जोर दिया कि उनका 'डीएनए' भारतीय है। सुबियांतो रविवार को कर्तव्य पथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि थे। सुबियांतो ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आयोजित रात्रिभोज में यह बात कही। इंडोनेशियाई राष्ट्रपति ने भारत के साथ अपने देश के सांस्कृतिक संबंधों का भी उल्लेख किया और कहा कि जब भी वह भारतीय संगीत सुनते हैं तो उनके पैर थिरकने लगते हैं। सुबियांतो ने कहा कि वह कुछ दिनों के लिए भारत आए थे, लेकिन उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व, कार्यक्रमों और गरीबी उन्मूलन की प्रतिबद्धता से बहुत कुछ सीखा। सुबियांतो ने प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा, ''हाशिए पर पड़े लोगों की मदद करने और समाज के सबसे कमजोर तबके की सहायता करने की आपकी (प्रधानमंत्री मोदी की) प्रतिबद्धता हमारे लिए प्रेरणा है...क्यों न एक अच्छे उदाहरण का अनुसरण किया जाए। खासकर तब जब आपके सामने कई अच्छे उदाहरण हों।''

उत्तराखंड में यूसीसी लागू, पोर्टल पर सबसे पहले मुख्यमंत्री धामी ने अपने विवाह का पंजीकरण कराया

देहरादून : उत्तराखंड में सोमवार को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू कर दी गयी जिसके साथ ही यह स्वतंत्र भारत में ऐसा करने वाला पहला राज्य बन गया है। यहां मुख्यमंत्री आवास में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिसूचना जारी कर यूसीसी को लागू किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने इसके क्रियान्वयन के लिए नियमावली तथा विवाह, तलाक, सहवासी संबंध के अनिवार्य आनलाइन पंजीकरण हेतु एक पोर्टल की शुरुआत की। पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने यूसीसी लाने का वादा किया और इसकी शुरुआत के मौके पर राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य, विधायक और अनेक नेता मौजूद थे। यूसीसी पोर्टल पर सबसे पहले मुख्यमंत्री ने अपने विवाह का पंजीकरण कराया। कार्यक्रम में मौजूद प्रदेश की मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने उनके विवाह पंजीकरण का प्रमाणपत्र उन्हें सौंपा। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने यूसीसी के तहत पंजीकरण कराने वाले पांच व्यक्तियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह केवल उत्तराखंड के लिए नहीं बल्कि पूरे देश के लिए ऐतिहासिक दिन है।

अभिव्यक्ति व धर्म की स्वतंत्रता से नहीं संबंध

गाहे-बगाहे कोर्ट की सख्ती के बावजूद विभिन्न धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकरों का इस्तेमाल बंद नहीं हुआ। दिनभर के थके-हरे लोग जब घर में आराम करते हैं तो लाउडस्पीकरों की तीव्र ध्वनि उनकी शांति में खलल डालती है। डॉक्टर भी कहते हैं कि नींद में किसी भी तरह का व्यवधान व्यक्ति के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालता है। फिर जो लोग पहले से बीमार होते हैं,उनके लिये तो तेज शोर असहनीय होता है। लेकिन वर्तमान ध्रुवीकृत समाज में लाउडस्पीकरों का बेलगाम शोर प्रतिष्ठा का मुद्दा बन जाता है। लोग परेशान होने पर भी शिकायत नहीं करते। उन्हें डर होता है कि धार्मिक समूह उन्हें निशाना बना सकते हैं। विडंबना यह है कि नियामक एजेंसियां भी स्वत: संज्ञान लेते हुए कार्रवाई नहीं करती। इस बाबत दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार शोर-शराबे पर काबू करे। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि लाउडस्पीकरों का इस्तेमाल किसी भी धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। इसलिए ध्वनि प्रदूषण के नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाए। कोर्ट ने पुलिस से कहा कि धार्मिक स्थलों पर लगाए गए लाउडस्पीकरों के शोर को मापने के लिए ऐप का प्रयोग करे ताकि नियम का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जा सके। उन पर जुर्माना लगे। फिर भी उल्लंघन होने पर प्रबंधकों व संचालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। यहां तक कि कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिए कि शिकायतकर्ता की सुरक्षा के मद्देनजर उसकी पहचान गोपनीय रखी जाए। साथ ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों के भीतर ऐसा सिस्टम लगे, जो उसकी ध्वनि के स्तर को स्वत: नियंत्रित करे। न्यायाधीशों की दो सदस्यीय बेंच ने माना कि निर्धारित मानक से अधिक शोर सेहत पर प्रतिकूल असर डालता है। अत: कोई व्यक्ति इसके इस्तेमाल को अपना अधिकार नहीं बता सकता। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार धार्मिक स्थलों से होने वाले शोर पर नियंत्रण के लिये ठोस प्रयास करे।

कोर्ट ने राज्य सरकार से यह भी कहा कि ध्वनि विस्तारक यंत्रों तथा जनसमूह को संबोधित करने वाले सिस्टम की शोर सीमा को नियंत्रित करे। नियामक एजेंसियां निगरानी व शोर नापने के लिये ऐप प्रयोग करे। नियमानुसार दिन में ध्वनि का स्तर 55 तथा रात में 45 डेसिबल से अधिक नहीं हो। दरअसल, मुंबई में कुर्ला क्षेत्र में एक धार्मिक स्थल से निर्धारित मानकों से अधिक स्तर का ध्वनि प्रदूषण रोकने में पुलिस की निष्क्रियता के खिलाफ यह याचिका दायर की गई थी। वास्तव में लोग तभी शिकायत करते हैं जब ध्वनि का स्तर सहने की सीमा पार कर जाता है। अदालत ने शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रख कर कार्रवाई करने को कहा ताकि उसे सांप्रदायिक आधार पर निशाना न बनाया जा सके। यदि जुर्माना लगाने के बावजूद स्थिति नहीं सुधरती तो पुलिस धार्मिक स्थल पर लगे लाउडस्पीकर को जब्त करे। फिर उसके लाइसेंस को रद्द करने की कार्रवाई करे। साथ ही ध्वनि प्रदूषण नियंत्रक नियमों तथा पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत भी कार्रवाई हो। कोर्ट माना कि कठोर कानून के अभाव में लाउडस्पीकरों के उपयोगकर्ता नियम-कानून को नजरअंदाज करने लगते हैं। नियामक एजेंसियों की निष्क्रियता पर चिंता जताते हुए अदालत का कहना था कि लोग ध्वनि प्रदूषण को लेकर संविधान में वर्णित अभिव्यक्ति व धार्मिक आजादी का तर्क देते हैं, लेकिन इस पर रोक लगाना किसी भी स्थिति मे मौलिक अधिकारों का अतिक्रमण नहीं है। अत: ध्वनि की कर्कशता पर अंकुश लगाकर लोगों को राहत दी जानी चाहिए। दरअसल, पुलिस ऐसे मामलों में इसलिए भी उदासीन रहती है कि कहीं उन पर धार्मिक भावनाएं आहत होने का आक्षेप न लगा दिया जाए। कमोबेश यह स्थिति पूरे देश में और विगत में आए अदालत के फैसले की भी अनदेखी की जाती रही है। कई बार तो प्रशासन की अनुमति के बिना सार्वजनिक कार्यक्रमों का लाउडस्पीकरों से संबोधन बदस्तूर जारी रहता है। लोग इसलिये भी शिकायत नहीं करते हैं ताकि कोई टकराव न हो। धर्म विशेष के लोग उनके घरों के आसपास ही रहते हैं। ऐसे में उन्हें हिंसा की आशंका रहती है। निस्संदेह, नियंत्रण के लिए ढाई दशक पहले बनाये गए ध्वनि प्रदूषण विनियमन व नियंत्रण नियमों को बदलते वक्त के साथ प्रभावी बनाने की जरूरत है।

प्राकृतिक चिकित्सा और महात्मा गांधी

नारायण भाई भट्टाचार्य

महात्मा गांधी ने आधुनिक भारतीय इतिहास में राजनीति, दर्शन और सामाजिक सुधार में महत्व-पूर्ण और अद्भुत योगदान दिया। इन सबके साथ गाँधी जी को प्राकृतिक चिकित्सा का भी बहुत गहरा ज्ञान था। उन्होंने बड़े पैमाने पर मानव स्वास्थ्य, मानव रोगों और उनके इलाज पर लिखा है और अपने प्राकृतिक चिकित्सा के ज्ञान का प्रयोग भी किया है। गाँधी जी का विचार था कि जिस व्यक्ति के पास स्वस्थ शरीर, स्वस्थ दिमाग और स्वस्थ भावनाएं होती हैं, वही स्वस्थ व्यक्ति होता है। उनका विचार था कि स्वस्थ रहने के लिए केवल शारीरिक शक्ति आवश्यक नहीं है। एक स्वस्थ व्यक्ति को अपने शरीर के बारे में पर्याप्त जानकारी होनी चाहिए। गाँधी जी ने मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के बीच के संबंधों को समझाया। गाँधी जी का विचार था कि स्वस्थ शरीर के लिए स्वस्थ पाचन आवश्यक है। इस प्रकार, महात्मा गाँधी राजनैतिक, सामाजिक, धार्मिक और आर्थिक विचारों के साथ अपने स्वास्थ्य सम्बन्धी विचारों एवं प्रयोगों के कारण भी अपना एक विशेष महत्व रखते हैं।

आधुनिक भारत में प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देने में महात्मा गांधी का बहुत बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने प्राकृतिक चिकित्सा को प्रचलित करने के लिए उरली काँचन में एक केंद्र की स्थापना की। उन्होंने स्वयं और अपने परिवार के सदस्यों का भी निसर्ग उपचार करके उदाहरण पेश किया। गांधी जी के मन में रोगियों की सेवा सुश्रुषा करने और गरीबों की सेवा करने की उत्कंठा हमेशा बनी रहती थी। कुदरत के निकट रहकर बिताए जाने वाले सादे और सरल जीवन की बहुत कद्र करते थे। ऐसा सादा सरल जीवन जी कर ही उन्होंने स्वास्थ्य के सादे नियम बनाए थे और उन पर अमल भी किया था। शाकाहार और जलाहार में उनकी आस्था थी। इसी कारण से उन्होंने आहार संबंधी अनेक सुधार किए, जिनका आधार व्यक्तिगत प्रयोगों से प्राप्त परिणामों पर था। डॉक्टर लुई कुनै ने प्राकृतिक उपचार पर जो कुछ लिखा है, उससे महात्मा गांधी बहुत अधिक प्रभावित हुए थे। गांधी जी ने दक्षिण अफ्रीका में जबसे लुई कुनै की पुस्तक न्यू साइंस ऑफ हीलिंग और एडॉल्फ जस्ट की पुस्तक रिटर्न टू नेचर का अध्ययन किया तो वे प्राकृतिक चिकित्सा के लिए पूर्ण समर्पित हो गए।

पूर्व प्रधानमंत्री और निसर्ग उपचार की वकालत करने वाले मोरारजी देसाई के मुताबिक मनुष्य का शरीर एक अद्भुत और संपूर्ण यंत्र है जब यह बिगड़ जाता है तो बिना किसी दवा के अपने को सुधार लेता है। बस, उसे ऐसा करने का मौका दिया जाए। अगर हम अपनी खाने पीने की आदतों में संयम का पालन नहीं करते या अगर हमारा मन आवेश भावना या चिंता से क्षुब्ध हो जाता है तो हमारा शरीर अंदर की सारी गंदगी को बाहर नहीं निकाल सकता और शरीर के जिस भाग में गंदगी बनी रहती है, उसमें अनेक प्रकार के जहर पैदा होते हैं यह जहर ही उन लक्षणों को जन्म देते हैं जिन्हें हम रोग कहते हैं। वास्तव में रोग शरीर का अपने भीतर के जहरों से मुक्त होने का प्रयत्न ही है। अगर उपवास करके एनिमा द्वारा आंतें साफ करके कटि स्नान, घर्षण स्नान आदि विविध स्नान करके और शरीर के विभिन्न अंगों की मालिश करके भीतर के जहरों से मुक्त होने की इस प्रक्रिया में हम अपने शरीर की सहायता करें तो वह फिर से पूर्ण स्वस्थ हो सकता है।

गांधी जी की नजर में वास्तव में यही प्राकृतिक उपचार है जिसे उन्होंने जीवन भर प्रयोग किया और प्रचार किया। कुदरती उपचार पुस्तक के संपादक भारतन कुमारप्पा के मुताबिक गांधी जी चाहते थे कि आहार के संबंध में मनुष्य प्रकृति के नियमों का पालन करे, शुद्ध और ताजी हवा का सेवन करे, नियमित कसरत करे, स्वच्छ वातावरण में रहे और अपना हृदय शुद्ध रखे। लेकिन आज ऐसा करने की बजाय मनुष्य को आधुनिक चिकित्सा पद्धति के कारण जी भरकर विषय भोग में लीन रहने का, स्वास्थ्य और सदाचार का हर नियम तोड़ने का और उसके बाद केवल व्यापार के लिए तैयार की जाने वाली दवाइयों के जरिए शरीर का इलाज करने का प्रलोभन मिलता है। इन सबके प्रति मन में विद्रोह की भावना होने के कारण गांधी जी ने अपने लिए दवाइयों के उपयोग के बिना रोगों पर विजय पाने का मार्ग खोजने का प्रयत्न किया। आज की चिकित्सा पद्धति रोग को केवल शरीर से संबंध रखने वाली चीज मानकर उसका उपचार करना चाहती है लेकिन गांधी जी तो मनुष्य को उसके संपूर्ण और समग्र रूप में देखते थे इसलिए वे अनुभव से ऐसा मानते थे कि शरीर की बीमारी खासतौर से मानसिक या आध्यात्मिक कारणों से होती है और इसका स्थाई उपचार केवल तभी हो सकता है जब जीवन के प्रति मनुष्य का संपूर्ण दृष्टिकोण ही बदल जाए इसलिए उनकी राय में शरीर के रोगों का उपचार खासतौर से आत्मा के क्षेत्र में, ब्रह्मचर्य द्वारा सिद्ध होने वाले आत्म संयम और स्वास्थ्य के विषय में प्रकृति के नियमों के ज्ञान पूर्ण पालन में और स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन के लिए अनुकूल भौतिक और सामाजिक वातावरण निर्माण करने में खोजा जाना चाहिए। इसलिए प्राकृतिक चिकित्सा की गांधी जी की कल्पना उस अर्थ से कहीं अधिक व्यापक है, जो आज उस शब्द से आमतौर पर समझा जाता है। प्राकृतिक चिकित्सा रोग के हो जाने के बाद केवल उसे मिटाने की पद्धति नहीं है बल्कि प्रकृति के नियमों के अनुसार जीवन बिता कर रोग को पूरी तरह रोकने की कोशिश है। गांधी जी मानते थे कि प्रकृति के नियम वही हैं, जो ईश्वर के नियम हैं।

इस दृष्टि से रोग के प्राकृतिक उपचार में केवल मिट्टी, पानी, हवा, धूप, उपवास और ऐसी दूसरी वस्तुओं के उपयोग का ही समावेश नहीं होता बल्कि इससे भी अधिक उसमें **राम** नाम या ईश्वर के कानून के द्वारा हमारे शारीरिक , मानसिक, नैतिक और सामाजिक संपूर्ण जीवन को बदल डालने की बात आती है। इसलिए राम नाम गांधीजी की दृष्टि में केवल ऐसा जादू नहीं है, जो मुंह से बोलने भर से कोई चमत्कार कर दिखाएगा। **राम** नाम जपने का अर्थ है मनुष्य के हृदय का और उसकी जीवन पद्धति का संपूर्ण परिवर्तन, जिससे ईश्वर के साथ उसका मेल सधता है और संपूर्ण जीवन के मूल स्रोत के रूप में ईश्वर से वह ऐसी शक्ति और ऐसा जीवन प्राप्त करता है जो रोगों पर सदा ही विजयी सिद्ध होते हैं।

प्राकृतिक चिकित्सा करने वाला चिकित्सक रोगी को कोई जड़ी बूटी नहीं बेचता। वह तो अपने रोगी को जीवन जीने का ऐसा तरीका सिखाता है जिससे रोगी अपने घर में रहकर अच्छी तरह जीवन बिता सके और कभी बीमार ही नहीं पड़े। प्राकृतिक चिकित्सक रोगी की खास तरह की बीमारी को खत्म करके ही संतुष्ट नहीं हो जाता।आम डॉक्टरों में ज्यादातर की इतनी ही दिलचस्पी रहती है कि वह रोगियों के रोग को और उसके लक्षणों को समझ ले और उसका इलाज खोज निकाले और इस तरह सिर्फ रोग संबंधी बातों का ही अभ्यास करें। दूसरी तरफ प्राकृतिक चिकित्सा करने वाले को तंदुरुस्ती के नियमों का अभ्यास करने में ज्यादा दिल-चस्पी होती है। जहां आम डॉक्टरों की दिल-चस्पी खत्म हो जाती है वहीं प्राकृतिक चिकित्सकों की सच्ची दिलचस्पी शुरू होती है। प्राकृतिक चिकित्सा की पद्धति से रोगी की बीमारी को बिल्कुल मिटा देने के साथ ही उसके लिए एक ऐसी जीवन पद्धति की शुरुआत होती है जिसमें बीमारी के लिए कोई गुंजाइश ही नहीं रह जाती है। इस तरह प्राकृतिक चिकित्सा बेहतर जीवन जीने की एक पद्धति है, रोग मिटाने की पद्धति नहीं।

गांधी स्मारक प्राकृतिक चिकित्सा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष और वर्षों से प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक बनाने में निरंतर सक्रिय लक्ष्मी दास जी कहते हैं कि महात्मा गांधी के पहले भी प्राकृतिक चिकित्सा का कार्य होता था। इस पद्धति के उपयोग का इतिहास बहुत पुराना है लेकिन यह हकीकत है कि गांधी जी ने इस पद्धति को सरल और सर्वग्राही बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान दिया। प्राकृतिक चिकित्सा की इसी खासियत को देखते हुए गांधी जी को लगा कि प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति का हर एक व्यक्ति सहज इस्तेमाल कर सकता है इसलिए उन्होंने माना भी और कहा भी कि अपने डॉक्टर आप बनो। अन्य किसी भी चिकित्सा पद्धति में विश्वास रखने वाला व्यक्ति यह कदापि नहीं कह सकता कि आप खुद अपने डॉक्टर बनो। लेकिन गांधी जी यह कह सके क्योंकि उन्हें प्राकृतिक चिकित्सा पर इतना भरोसा था कि प्राकृतिक जीवन पद्धति से जीवन जीने वाला व्यक्ति या तो कभी बीमार नहीं होगा , अगर किसी कारण से बीमार हो भी गया तो पांच तत्व मिट्टी, पानी, हवा, अग्नि और आकाश के सही इस्तेमाल से वह फिर से अवश्य ठीक हो जाएगा। गांधी जी का प्राकृतिक चिकित्सा में यह विश्वास किन्हीं दूसरों पर किए गए प्रयोगों से या किसी बड़ी अनुसंधानशाला में किए गए प्रयोगों से नहीं बल्कि स्वयं द्वारा अपने ऊपर, अपनी पत्नी के ऊपर और अपने बच्चों पर किए गए सफल उपचार के कारण हुआ था, जिसे जन जन में फैलाने के लिए उन्होंने आजीवन प्रयास किया। महात्मा गांधी ने महा रोग से पीड़ित परचुरे शास्त्री की सेवा सुश्रुषा स्वयं अपने हाथों से की। सरहदी गांधी अब्दुल गफ्फार खान के मलेरिया रोग का इलाज किया। विनोबा भावे के छोटे भाई बालकोवा भावे के पुराने क्षय रोग को भी ठीक किया। बौद्ध धर्म के पंडित धर्मचंद कौशांबी जब अपने जीर्ण और जर्जर शरीर को उपवासों द्वारा छोड़ने पर उतारू हो गए तब गांधी जी ने उनको रोका और उनकी सेवा सुश्रुषा की। इसी तरह उन्होंने घनश्याम दास बिरला, जमनालाल बजाज, कमलनयन बजाज, दमा के रोगी आचार्य नरेंद्र देव और सरदार पटेल आदि के बीमार पड़ने पर प्राकृतिक चिकित्सा की।

गांधी जी ने महाराष्ट्र में पुणे के पास उरली काँचन में यह सोच कर प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र खोला कि गरीब लोग महंगी दवाई नहीं ले सकते और महंगे इलाज नहीं करवा सकते। इस केंद्र की स्थापना के पीछे एक कारण यह भी था कि गांधी जी ऐसा मानते थे कि स्वास्थ्य और आरोग्य विज्ञान के बारे में उन्होंने जीवन भर जो प्रयोग किए हैं, उनका लाभ देश के गरीब लोगों को उठाने का मौका मिले। इसके लिए उन्होंने 23 मार्च 1946 में उरली काँचन में प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र की शुरुआत की। महात्मा गांधी 23 मार्च 1946 को उरली काँचन आए और 30 मार्च 1946 तक रहे। उन्होंने डॉक्टर मेहता, बालकोवा भावे, मणि भाई देसाई, डॉक्टर सुशीला नायर और अन्य शिष्यों की मदद से सैकड़ों रोगियों का उपचार किया। 30 मार्च 1946 को महात्मा गांधी स्वतंत्र भारत के संबंध में ब्रिटिश सरकार के साथ अंतिम वार्ता के लिए दिल्ली के लिए रवाना हुए। महात्मा गांधी ने 1 अप्रैल 1940 को महादेव तात्याबा कांचन जैसे स्थानीय लोगों द्वारा भूमि के रूप में दिए गए दान की मदद से निसर्ग उपचार ग्राम सुधार ट्रस्ट की स्थापना की। मणि भाई के प्रबंधन के तहत टीम ने अच्छे स्वास्थ्य और स्वच्छ तरीकों का प्रचार किया और ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न समस्याओं का अध्ययन किया और ग्रामीण गरीबों के उत्थान के लिए उपयुक्त समाधानों की पहचान की। आश्रम में प्राकृतिक उपचार में गांधी जी द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन किया गया। पिछले 75 सालों में इस आश्रम ने उल्लेखनीय प्रगति की है। जीवन जीने के तरीके के क्षेत्र में अनूठा उदाहरण स्थापित किया है। देश-विदेश के हर एक कोने से लोग यहां आते हैं और पुरानी बीमारियों के प्रबंधन के लिए बगैर दवा के स्वस्थ होने के समग्र दृष्टिकोण से अवगत होते हैं। (विनायक फीचर्स)

(लेखक महात्मा गांधी जीवन प्राकृतिक जीवन विद्यापीठ, सेवाग्राम के अध्यक्ष हैं)

काश माल-ए-मुफ्त, दिल-ए-बेरहम से इतर दिल्ली की भी बात होती..!

ऋतुपर्ण दवे

दरअसल दिल्ली विधानसभा चुनाव, गठन के बाद से ही बेहद अलग, दिलचस्प और इतर राजनीतिक पहचान को लेकर चर्चित रहे हैं। यह सही है कि मौजूदा सरकार के सुप्रीमो केजरीवाल जैसी मुफ्त की रेवड़ियों का वादा सभी पार्टियां और राज्य न केवल करने लगे हैं बल्कि पूरा भी करते हैं। ऐसे में इस बार के चुनाव वाकई दिल्ली वालों के लिए हर हाथ में लड्डू जैसे होंगे। इतना है कि इस बार मुकाबला न केवल कांटे का बल्कि त्रिकोणीय सा बनता जा रहा है। लेकिन यह भी सच है कि सरकार किसी की बने लुभावनी योजनाओं का अंबार होगा। इससे दिल्ली की कितनी तकदीर बदलेगी यही देखने लायक होगा।

दिल्ली का चुनावी सफर भी दिलचस्प है। 1952 में पहली बार राज्य विधानसभा का गठन हुआ तब 48 सीटें थीं। कांग्रेस ने 36 सीटों पर जबरदस्त जीत दर्ज की। 34 वर्ष के चौधरी ब्रम्ह प्रकाश मुख्यमंत्री बने जो नेहरू जी की पसंद थे। दरअसल कांग्रेस देशबंधु गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाना चाह रही थी लेकिन एक हादसे में उनकी मृत्यु के चलते ब्रम्ह प्रकाश एक्सीडेण्टल मुख्यमंत्री बने। बेहद साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले रेवाड़ी के निवासी ब्रम्ह प्रकाश कभी भी मुख्यमंत्री आवास में नहीं रहे। बिना तामझाम काम करते और जनसाधारण के बीच रहते। 1955 में कांग्रेस ने गुरमुख निहाल सिंह को मुख्यमंत्री बनाया जो 1956 तक रहे। राज्य पुनर्गठन आयोग की सिफारिशों के चलते साल भर बाद दिल्ली विधानसभा भंग हुई। 1966 में इसकी जगह मेट्रोपोलिटन काउंसिल बनी। इसमें 56 निर्वाचित और पांच मनोनीत सदस्यों का प्रावधान था। लेकिन 1991 में 69वें संविधान संशोधन के जरिए दिल्ली विधानसभा की व्यवस्था हुई और 1992 में परिसीमन और 1993 में चुनाव हुए।

1993 में भाजपा बहुमत में आई। मदन लाल खुराना मुख्यमंत्री बने और 1956 के बाद दिल्ली को कोई मुख्यमंत्री मिला। लेकिन 5 साल में 3 मुख्यमंत्री बदले गए। खुराना को घोटाले के आरोपों के चलते कुर्सी छोड़नी पड़ी फिर साहिब सिंह वर्मा आए और महंगाई के मुद्दे पर ऐसे घिरे कि उन्हें भी इस्तीफा देना पड़ा। इनके बाद सुषमा स्वराज को कमान मिली जो महज 52 दिन मुख्यमंत्री रहीं।

1998 के चुनाव में भाजपा ने सुषमा स्वराज को तो कांग्रेस ने शीला दीक्षित को आगे किया। कांग्रेस की जीत हुई और शीला दीक्षित मुख्यमंत्री बनीं। दिल्ली में फ्लाई ओवरों का जाल, मेट्रो रेल का विस्तार, डीजल की जगह सीएनजी के उपयोग को बढ़ावा और हरियाली पर खास ध्यान सहित दूसरे काम उनकी पहचान बने। 1998 से 2013 तक तीन बार लगातार दिल्ली की सत्ता पर कांग्रेस और शीला दीक्षित काबिज रहीं। इस बीच 2011 में जन लोकपाल विधेयक की मांग पर दिल्ली में अन्ना आंदोलन हुआ। अप्रेल में 5 दिन का आमरण अनशन और दोबारा 16 अगस्त से फिर अनशन बैठते ही देश भर में आन्दोलनों की दस्तक हुई। आखिर संसद में बिल पास हुआ और देखते-देखते अरविन्द केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, आतिशी और कई चेहरे भारतीय राजनीति के नए हीरो बन गए। आम आदमी पार्टी ने 2013 का दिल्ली चुनाव लड़ा और 15 वर्षों से काबिज कांग्रेस सरकार गिरा दी। 70 सीटों में भाजपा ने 32 जीती फिर भी बहुमत से दूर रही। आम आदमी पार्टी 28 सीटें जीतने के बाद कांग्रेस की 7 सीटों के समर्थन से सरकार बनाने में कामियाब रही और अन्ना आन्दोलन से उपजे केजरीवाल पहली बार मुख्यमंत्री बने।

कहते हैं राजनीति शह-मात का खेल है। आप और कांग्रेस की नहीं निभी। आखिर 49 दिन में सरकार गिर गई और राष्ट्रपति शासन लग गया। 2015 में फिर चुनाव हुए। इसमें दिल वालों की दिल्ली ने केजरीवाल पर अपनी उम्मीदों की बख्शीस खूब लुटाई। 70 में से 67 रिकॉर्ड सीटें जीतकर केजरीवाल भारतीय राजनीति के नए सितारे बन गए। भाजपा केवल 3 सीटें तो कांग्रेस खाता भी नहीं खोल पाई। केजरीवाल भी अपनी तमाम घोषणाओं पर अमल करते रहे। नतीजन 2020 में एक बार आम फिर आदमी पार्टी ने 62 सीटें तो भाजपा 8 से आगे नहीं बढ़ पाई। कांग्रेस शून्य पर ही रही। लुभावनी योजनाओं का असर दिखा। आप को फिर बहुमत मिला और केजरीवाल मुख्यमंत्री बने। इसके बाद विवादों में घिरे, जेल गए और मुख्यमंत्री पद छोड़ा। अब दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी भले हैं लेकिन पार्टी सुप्रीमो केजरीवाल ही हैं।

बेहतरीन सरकारी स्कूल, मोहल्ला क्लीनिक, महिलाओं को मुफ्त बस सुविधा, 200 यूनिट बिजली फ्री, 20 हजार लीटर मुफ्त पानी, बुजुर्गों का मुफ्त तीर्थ दर्शन जैसी अन्य योजनाओं के साथ नई-नई घोषणाएं करते केजरीवाल तो 1998 से 2013 तक के कार्यकाल को दिल्ली का स्वर्णिम काल बता कांग्रेस असली विकास और उपलब्धियां गिनाते नहीं थकती, आगे तमाम मुफ्त योजनाओं से भी परहेज करते नहीं दिखती। वहीं भाजपा मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की तर्ज पर महिलाओं को हर महीने धनराशि देने, मौजूदा योजनाओं को न केवल जारी रखने बल्कि उसमें बढ़ोत्तरी करने जैसा संकल्प यानी एक से एक लुभावनी घोषणाओं का पिटारा खोल आम आदमी पार्टी को चुनौती देने में कोई कसर छोड़ते नहीं दिखती।

मुफ्त की रेवड़ियों, लोक-लुभावन घोषणाओं के बीच दिल्ली का प्रदूषण, यमुना की गंदगी, बदहाल सड़कें, बरसात में डूबते पुल-पुलिया, पीने के पानी की किल्लत, बढ़ते अपराध और इन सबसे ऊपर दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा जैसे अहम मुद्दे काफी पीछे छूट गए हैं। काश! एक करोड़ की आबादी खातिर मौजूदा संसाधनों वाली दिल्ली में तीन करोड़ लोग कैसे रहते हैं को देखने, सुनने वाले जैसे आम आदमी के मुद्दों की भी बात होती! लेकिन फिलाहाल माल-ए-मुफ्त, दिल-ए-बेरहम की तर्ज पर मतदाताओं को लुभाने में कोई पीछे नहीं दिखता। अब दिल्ली की बात कौन करे? देखने लायक होगा कि त्रिकोणीय मुकाबले में कौन किसको कितना नुकसान पहुंचाता है और बाजी जीतता है।

विदेश की खबरें

भारतीय दूतावास ने लाओस में तस्करी कर लाए गए 67 भारतीयों को बचाया

विएंतियाने : लाओस में तस्करी करके लाए गए और साइबर घोटाला केंद्रों में काम करने के लिए मजबूर किए गए 67 भारतीयों को विएंतियाने स्थित भारतीय दूतावास ने बचा लिया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। यहां स्थित भारतीय दूतावास ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इन युवाओं को लाओस के बोकेओ प्रांत में 'गोल्डन ट्राइंगल विशेष आर्थिक क्षेत्र' (जीटीएसईजेड) में सक्रिय आपराधिक गिरोहों ने वहां काम करने के लिए धमकाया था और मजबूर किया था। विज्ञप्ति में कहा गया, 'भारतीय दूतावास ने 67 भारतीय युवकों को सफलतापूर्वक बचाया है, जिन्हें लाओ पीडीआर के बोकेओ प्रांत में गोल्डन ट्राइंगल विशेष आर्थिक क्षेत्र (जीटीएसईजेड) में संचालित साइबर घोटाला केंद्रों में धोखे से और तस्करी कर लाया गया था।' दूतावास ने मदद के अनुरोध पर तुरंत कार्रवाई करते हुए अधिकारियों की एक टीम को जीटीएसईजेड भेजा, जिसने अधिकारियों के साथ मिलकर उनकी रिहाई सुनिश्चित कराई। बयान में कहा गया कि लाओस में भारत के राजदूत प्रशांत अग्रवाल ने बचाए गए युवाओं से मुलाकात की और उनसे पूरा घटनाक्रम जाना। विज्ञप्ति में कहा गया है कि उन्होंने भारत में उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए दूतावास की प्रतिबद्धता की पुन: पुष्टि की।

आज का पंचांग

कोलकाता : 28 जनवरी, मंगलवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2081, माघ कृष्णपक्ष चतुर्दशी, 19:32 तक, नक्षत्र : पूर्वाषाढ़ा, 08:49 तक, योग : वज्र, 23:43 तक, सूर्योदय: 6:18, सूर्यास्त: 17:22 चन्द्रोदय : 05:20, चन्द्रास्त: 16:09, शक सम्वतः 1945 सुभाकृतु, सूर्य राशि : मकर, चन्द्र राशि : धनु, राहू काल : 14:33 से 15:56

राशिफल

मेष : मेष राशि के जातकों के लिए आज दिन कुछ नया करने के लिए रहेगा। आप आनंदमय दिन व्यतीत करेंगे। आप मौज मस्ती के मूड में रहेंगे, लेकिन आपको किसी की कोई बात बुरी लग सकती है।

वृष : आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। आपकी कोई डील यदि लंबे समय से अटकी हुई थी, तो वह फाइनल हो सकती हैं। आप किसी सरकारी योजना में हिस्सा ले सकते हैं।

मिथुन : आज का दिन आपके लिए अकस्मात लाभ दिलाने वाला रहेगा। जीवनसाथी की आपको कोई बात बुरी लग सकती है। आप परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर कुछ पुरानी यादों को ताजा करेंगे।

कर्क : आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपको किसी विरोधी के सामने कोई जरूरी जानकारी शेयर नहीं करनी है। विद्यार्थियों को पढ़ाई में एकाग्र होकर जुटना होगा।

सिंह : आज का दिन आपके लिए इनकम को बढ़ाने वाला रहेगा। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। खान-पान पर ज्यादा ध्यान देंगे, जिससे कोई शारीरिक समस्या खत्म हो सकती है।

कन्या : आज का दिन आपके लिए मन मुताबिक लाभ दिलाने वाला रहेगा, लेकिन आपको अच्छा लाभ मिलने से विरोधी भी सतर्क रहेंगे। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है।

तुला : आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपका कोई लेनदेन से संबंधित मामला यदि लंबे समय से विवादित था, तो उसमें आपको जीत मिलेगी।

वृश्चिक : आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए काम को पूरा करने के लिए रहेगा। भाई व बहनों का आपको पूरा साथ मिलेगा। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा।

धनु : आज का दिन आपके लिए मौज मस्ती भरा रहने वाला है। आपको बड़े लाभ के लिए योजनाओं पर भी ध्यान देना होगा। आपकी इनकम के सोर्स बढ़ेंगे, जो आपको खुशी देंगे।

मकर : आज का दिन आपके लिए किसी नए वाहन की खरीदारी के लिए अच्छा रहेगा, लेकिन आप किसी को धन उधार देने से बचें। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा।

कुम्भ : आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको कामों के साथ-साथ अपनी सेहत पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है।

मीन : आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। परिवार के सदस्यों को आप यदि कोई सलाह देंगे, तो उसपर अमल अवश्य करेंगे। बिजनेस में आपको अच्छा लाभ मिलेगा।

वर्ग पहेली नं. 2988

1			2	■	3	4		5	■
	■	■	6				■	7	8
9		10	■	■		■	11	■	
	■	12		13	■	14		15	
16	17		■	18	19		■		■
■	20		21	■		■	22		23
24		■	25	26		27	■	28	
29		30	■		■	31	32	■	
	■	33				■	34		

बायें से दायें:- 1) कुछ पास जाना या पहुँचना, 3) बहानेबाज़ी; टालमटोल, 6) निराधार; अधरस्थित, 7) एक तिलहन धान्य, 9) निराश, 12) दया, 14) भव्य; महल जैसा; राजसी; वैभवशाली, 16) सौ वस्तुओं का समूह, 18) होशमंद, 20) शामियाना की दीवार, 22) सूर्योदय का देश, 24) सरिता, 25) हरामकारी; दुराचारिता; खलाचार, 28) आधा, 29) कमीज़; जुब्बा, 31) क्रांतिसूचक रंग, 33) दुर्यश; दुष्कीर्ति, 34) घड़ा.

ऊपर से नीचे:- 1) आग्रही निवेदन, 2) पौधे का डंठल, 3) बेक़द्री; थुक्का फ़ज़ीहत; अपमान, 4) रिश्तेदारी, 5) कार्यदिशा; *पालिसी*, 8) अफ़वाहबाज़, 10) खिसकना, 11) चुपकी, 13) नई मूँछ, 14) एक मांसाहारी समुद्री प्राणी जिसका बड़ा शरीर बहुत लंबा होता है, 15) गुज़रबसर, 17) भाग्य, 19) व्यग्र, 21) बस; इस बीच, 23) सिखों के संदर्भ में *सत श्री अकाल*, 24) नेवला; एक पांडव, 26) मूँदना, 27) तरबतर; आर्द्र; भीगा, 30) साहस, 32) बंद *(ताला)*; कार्यरत; संलग्न.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

प	च	प	न	■	गु	ला	म	■	ब
रि	■	ह	ट	क	ना	■	तां	त्रि	क
चा	व	ल	■	द	ह	श	त	■	वा
रि	■	वा	चा	ली	■	ह	र	चं	द
का	न	न	■	■	बं	द	■	प	■
■	म	■	त	म	गा	■	प	त	ला
ब	ना	व	ट	■	ली	ल	ना	■	ल
ख़ाँ	■	सू	■	ता	■	प	ला	य	न
स्त	■	ली	च	ड़	■	ट	■	दि	■

शब्दवेधी

सुडोकू-पहेली-2948

				5	9		8	
		1				2		
5	3						7	
			4					1
			2					
			1	7		4		
9	5							
6								

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 2947 का उत्तर

3	2	7	4	1	8	9	5	6
1	8	4	5	9	6	2	3	7
6	9	5	2	7	3	8	1	4
2	6	3	8	4	7	5	9	1
5	1	9	6	3	2	7	4	8
4	7	8	1	5	9	6	2	3
7	4	6	9	2	1	3	8	5
9	3	1	7	8	5	4	6	2
8	5	2	3	6	4	1	7	9

राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए प्रोग्रेसिव हेल्थ एसोसिएशन का गठन

❑ **सरकार का उद्देश्य ग्रामीण इलाकों में भी उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना : शशि पांजा**

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सोमवार को प्रोग्रेसिव हेल्थ एसोसिएशन का गठन किया गया। इस संगठन की जिम्मेदारी राज्य की महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री डॉ. शशि पांजा को दी गई है। सोमवार को कोलकाता प्रेस क्लब में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मंत्री डॉ. शशि पांजा ने स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की दिशा में उठाए गए कदमों की जानकारी दी। डॉ. पांजा ने कहा कि राज्य की मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र में जो विकास किए गए हैं, उसे ध्यान में रखते हुए यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि स्वास्थ्य सेवाएं हर गांव तक पहुंचे और जहां कहीं भी कमी हो, उसे पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य ग्रामीण इलाकों में भी उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन के लिए जो कदम उठाए हैं, वे बहुत सराहनीय हैं। इसी तरह के काम से हम स्वास्थ्य क्षेत्र में कई सुधार ला सकते हैं।

❑ **'आरजीकर घटना को लेकर असत्य बातें और गलत जानकारी फैलाई गई'**

इस दौरान, उन्होंने आरजीकर आंदोलन के मुद्दे पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं से वे भी दुखी हैं, लेकिन यह भी देखा गया कि कुछ असत्य बातें और गलत जानकारी फैलाई गई, जिससे लोगों को गुमराह करने की कोशिश की गई। ऐसे मामलों में राजनीतिक लाभ की कोशिशें भी की गईं, लेकिन हमें यह समझने की जरूरत है कि किसी भी तरह के आंदोलन में, खासकर जब बात लोगों के दर्द और संघर्ष की हो, उसमें सच्चाई और निष्पक्षता सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास यह होना चाहिए कि हम प्रोग्रेसिव हेल्थ एसोसिएशन जैसे संगठनों का समर्थन करें ताकि स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार की दिशा में कदम उठाए जा सकें। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने साफ कहा है कि अगर उनका इस्तीफा न्याय दिलाने में मदद कर सकता है, तो वह इसके लिए भी तैयार हैं। लेकिन, दुर्भाग्य की बात है कि विपक्षी राजनीतिक दल इस संवेदनशील मुद्दे का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि यह एक गंभीर और दुखद घटना है। यह स्थिति निश्चित रूप से दुखद और अस्वीकार्य है, क्योंकि इस तरह के मुद्दों को राजनीतिक मंच पर उठाना केवल स्थिति को बिगाड़ता है।

सीमा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए बीएसएफ को जमीन दे रहा है राज्य

❑ **कैबिनेट बैठक में बीएसएफ को नदिया के करीमपुर में 0.9 एकड़ जमीन देने का फैसला**

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य सरकार ने सीमा सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए बीएसएफ को जमीन देने का निर्णय लिया है। सोमवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया कि नदिया जिले के करीमपुर में 0.9 एकड़ जमीन सीमा सुरक्षा बल को दी जाएगी। बीएसएफ ने सीमा सुरक्षा के लिए जमीन की मांग की थी, क्योंकि इसके बिना उनका कार्य प्रभावित हो रहा था।

इस जमीन का इस्तेमाल आउट पोस्ट बनाने और सीमा पर बाड़ लगाने जैसे कार्यों के लिए किया जाएगा, जिससे सीमा की सुरक्षा में सुधार होगा। इस कदम से सुरक्षा बलों की कार्य क्षमता बढ़ेगी और सीमा पर निगरानी और सुरक्षा मजबूत होगी।

❑ **बंगाल में और एक जोड़ी एसटीएफ थाना, मंत्रिमंडल से स्वीकृति**

राज्य पुलिस के लिए अलग टास्क फोर्स थाने बनाने के प्रस्ताव को नबान्न में मंजूरी मिल गई है। सोमवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह प्रस्ताव रखा गया, जिसमें एक जोड़ी अलग टास्क फोर्स बनाने का निर्णय लिया गया। एक थाना सिलिगुड़ी और दूसरा कोलकाता के नवनिर्मित भवन में स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा, गृह विभाग के विभिन्न विभागों में 40 रिक्त पदों के सृजन का प्रस्ताव भी रखा गया। यह कदम पुलिस की कार्यक्षमता को बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में उठाया गया है।

❑ **60 स्थायी पद, 900 चालक-कंडक्टर, मंत्रिमंडल की बैठक में नियुक्ति को मंजूरी**

राज्य सरकार ने 60 स्थायी पदों और लगभग 900 चालक-परिचालकों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। यह निर्णय सोमवार को हुई मंत्रिमंडल बैठक में लिया गया। इसके तहत गृह, महिला एवं बाल कल्याण और कानून विभागों में 60 स्थायी पदों का सृजन किया जाएगा और नियुक्ति प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाएगी।

इसके अलावा, राज्य परिवहन सेवा में बसों की संख्या बढ़ाने के लिए, चालक और परिचालक की नियुक्ति की जाएगी। 10 फरवरी से राज्य का बजट सत्र शुरू होने जा रहा है, जिसके मद्देनजर यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की उपस्थिति में यह कदम उठाया गया।

राज्य मेडिकल काउंसिल ने सरकारी 4 डॉक्टरों के खिलाफ पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य मेडिकल काउंसिल ने सरकारी चार वरिष्ठ डॉक्टरों के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि इन डॉक्टरों ने राज्य मेडिकल काउंसिल के सामान्य कामकाज में बाधा डाला है। विधाननगर इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स थाने में शिकायत दर्ज करायी गयी है। इन डॉक्टरों में सुबर्ण गोस्वामी, उत्पल बंदोपाध्याय, रंजन भट्टाचार्य और मानस गुमटा का नाम शामिल हैं। इन चारों डॉक्टरों का नाम आरजी कर आंदोलन से जुड़ा हुआ है। राज्य मेडिकल काउंसिल का आरोप है कि इन डॉक्टरों ने उनके कामकाज में हस्तक्षेप किया। हालांकि, उत्पल बंदोपाध्याय ने इन आरोपों का विरोध किया है और कहा है कि आरजी कर आंदोलन से जुड़ने के कारण ही उन पर यह आरोप लगाए जा रहे हैं। इस मामले को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा भी तेज हो गई है।

नदिया में दो रोहिंग्या गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : नदिया जिले के कृष्णगंज थाना अंतर्गत माजदिया से दो रोहिंग्याओं को गिरफ्तार किया गया है। कथित तौर पर, दोनों को बंकर क्षेत्र के 2 किलोमीटर के दायरे में संदिग्ध रूप से घूमते देखा गया था। अभियुक्तों के नाम मो. यादव और मोहम्मद नूर हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, वे करीब एक साल पहले अवैध रूप से भारत में घुसे थे। इसके बाद, वह काम के लिए हैदराबाद चले गए। इस बीच, दोनों युवक पुनः बांग्लादेश भागने की योजना बना रहे थे। गत रविवार की रात भाजनघाट क्षेत्र में दोनों युवकों को घूमते देख स्थानीय लोगों को उन पर संदेह हुआ। उन्होंने कृष्णगंज पुलिस थाने को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों ने दो रोहिंग्याओं को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, उनके पास से कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले। गिरफ्तार लोगों को सोमवार को अदालत में पेश किया गया।

बारासात में लोकल ट्रेन की महिला बोगी में लगी आग, यात्रियों में दहशत

कोलकाता, समाज्ञा : सप्ताह के पहले दिन बारासात में एक लोकल ट्रेन के महिला कोच में आग लग गई, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। यह घटना सोमवार की सुबह उत्तर 24 परगना जिले के हसनाबाद से माजेरहाट जा रही ट्रेन में हुई। रेलवे सूत्रों के अनुसार, घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। हालांकि, कुछ देर के लिए यात्रियों में डर का माहौल बन गया था। मिली जानकारी के अनुसार, इस दिन, सुबह करीब 6.40 बजे सियालदह से हसनाबाद जाते समय सोंडालिया स्टेशन पर यात्रियों ने महिला डिब्बे में आग देखी। ये खबर फैलते ही यात्रियों में दहशत का माहौल बन गया। सोंडालिया स्टेशन पर पहुंचते ही ड्राइवर ने ट्रेन रोक दी। इस घटना की वजह से रेल सेवाएं एक घंटे तक बाधित रहीं।

हावड़ा में तिरुपति एक्सप्रेस को पार्सल ट्रेन ने मारी टक्कर, 3 डिब्बे पटरी से उतरे

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा जिले के पद्मपुकुर रेलवे स्टेशन के पास रविवार की दोपहर पार्सल वैन से टकराने के बाद तिरुपति एक्सप्रेस के दो खाली डिब्बे पटरी से उतर गए। दक्षिण पूर्व रेलवे के अधिकारी ने बताया कि हावड़ा स्टेशन से कुछ ही दूरी पर हुई इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि ट्रेन के खाली डिब्बे पद्मपुकुर से शालीमार यार्ड की ओर जा रहे थे, तभी पार्सल वैन ने डिब्बों को टक्कर मार दी, जिससे डिब्बे पटरी से उतर गए। अधिकारी ने बताया कि जब एक्सप्रेस ट्रेन के दो खाली डिब्बों को रेलवे साइडिंग में ले जाया जा रहा था, तभी पार्सल वैन ने पद्मपुकुर स्टेशन पर टक्कर मार दी। अधिकारी ने कहा कि इस बात की जांच की जा रही है कि पार्सल वैन कैसे बीच रास्ते में डिब्बों के रास्ते में आ गई और पटरी बदलते समय खाली डिब्बों से टकरा गई। ये भी देखा जाएगा कि क्या उक्त पार्सल वैन के चालक ने सिग्नल की अनदेखी की थी। अधिकारी ने कहा कि यह कोई बड़ी घटना नहीं थी और शालीमार-संतरागाछी मार्ग पर रेल यातायात केवल 20 मिनट के लिए आंशिक रूप से बाधित हुआ।

नेताजी को लेकर विवादित पोस्ट पर राहुल गांधी के खिलाफ भवानीपुर थाने में एफआईआर दर्ज

कोलकाता, समाज्ञा : नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर 23 जनवरी को उन्हें श्रद्धांजलि देने के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा एक विवादित पोस्ट किए जाने के कारण उनके खिलाफ थाने में शिकायत की गई है। यह शिकायत दक्षिण कोलकाता के भवानीपुर थाने में लिखित रूप से की गई है। इसमें राहुल गांधी के पोस्ट में नेताजी की मृत्यु की तारीख का उल्लेख करने को लेकर शिकायत की गई है। राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत स्वयंभू हिंदुत्व समूह अखिल भारतीय हिंदू महासभा द्वारा की गई है। समूह के कार्यकर्ताओं ने दक्षिण कोलकाता में एल्गिन रोड पर नेताजी के पैतृक घर के पास प्रदर्शन भी किया। प्रदर्शनकारियों ने राहुल गांधी द्वारा की गई विवादित पोस्ट की सामग्री के खिलाफ अपना विरोध दर्ज किया। उल्लेखनीय है कि यह विवाद इस सप्ताह के आरंभ में शुरू हुआ, जब राहुल गांधी ने एक्स पर किए एक पोस्ट में पोस्टर के जरिए नेताजी की मृत्यु की तारीख 18 अगस्त 1945 बताई। यह वही तारीख थी, जब नेताजी का विमान ताइहोकू (जो अब ताइपे में है) में दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। हालांकि, नेताजी की मृत्यु की सही तारीख की कभी भी पुष्टि नहीं हो पाई और उनके गायब होने के बाद बने आयोगों ने भी इसकी पुष्टि नहीं की। राहुल गांधी के इस पोस्ट की ऑल इंडिया फारवर्ड ब्लॉक ने भी आलोचना की। साथ ही,तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी भाजपा ने भी राहुल गांधी के इस पोस्ट पर आलोचना की।

मुंबई पुलिस ने सैफ पर हमला मामले में नदिया से महिला को किया गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : मुंबई पुलिस ने नदिया जिले में तलाशी अभियान चलाया और अभिनेता सैफ अली खान पर हमला मामले में एक महिला को गिरफ्तार किया। पुलिस जांच में पता चला है कि हमले के लिए मुंबई में पूर्व में गिरफ्तार किए गए बांग्लादेशी नागरिक द्वारा इस्तेमाल किया गया सिम महिला के नाम पर पंजीकृत था। बताया गया है कि मुंबई पुलिस की दो सदस्यीय टीम रविवार को बंगाल पहुंची और सैफ अली पर हमला मामले में जिले के चापड़ा से एक महिला को गिरफ्तार किया है। महिला का नाम खुखुमोनी जहांगीर शेख है और वह गिरफ्तार बांग्लादेशी शरीफुल फकीर की परिचित है। फकीर सिलीगुड़ी के पास भारत-बांग्लादेश सीमा के जरिए अवैध रूप से भारत में घुसा था और इस महिला के संपर्क में आया। महिला मुर्शिदाबाद जिले के अंदुलिया की रहने वाली है। सोमवार को पुलिस उसे ट्रांजिट रिमांड पर मुंबई ले गई है।

एक्सपायर सेलाइन से मौत मामले में हाईकोर्ट ने मांगी केस डायरी

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा कि एक्सपायर सेलाइन से हुई मौतों के मामले में अभी तक एफआईआर की प्रति अपलोड क्यों नहीं की गई है? हाईकोर्ट ने सोमवार को मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज में नवप्रसूताओं को कथित तौर पर एक्सपायर हो चुकी सेलाइन दिए जाने के मामले में केस डायरी तलब की। निलंबित एनेस्थेटिस्ट पल्लवी बनर्जी का प्रतिनिधित्व करने वाली वकील जयंती नारायण ने न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष की एकल पीठ को बताया कि मेरी मुवक्किल एक एनेस्थेटिस्ट है जो निलंबित 12 डॉक्टरों में से एक है, लेकिन अब तक कोई एफआईआर कॉपी अपलोड नहीं की गई है। फिर भी, उसे बुलाया गया है। अदालत ने राज्य सरकार से पूछा कि एफआईआर की प्रति अभी तक अपलोड क्यों नहीं की गई है और कहा कि एफआईआर की प्रति सोमवार तक याचिकाकर्ता को उपलब्ध कराई जानी चाहिए। अदालत ने आगे कहा कि मंगलवार को सुनवाई के दौरान केस डायरी भी अदालत में पेश की जाए।

❑ **सीआईडी ने मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज के आरएमओ से की पूछताछ**

सेलाइन मामले में सीआईडी ने सोमवार को मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज के आरएमओ सौमेन दास से भवानी भवन में पूछताछ की। बता दें कि गत शुक्रवार को सीआईडी ने मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज के दो वरिष्ठ डॉक्टरों हिमाद्री नाइक और दिलीप पाल से पूछताछ की थी। उल्लेखनीय है कि सीआईडी की टीम जांच का जिम्मा संभालने के लिए कई बार मेदिनीपुर मेडिकल सेंटर का दौरा कर चुकी है। सीआईडी अधिकारी घटना के दिन ड्यूटी पर मौजूद जूनियर डॉक्टरों से कई बार पूछताछ कर चुके हैं। उन्होंने न केवल जूनियर डॉक्टरों से बात की, बल्कि वरिष्ठ डॉक्टरों, नर्सों, अस्प-ताल अधीक्षकों, प्राचार्यों और विभागाध्यक्षों से भी बात की। जांच अधिकारियों ने सेलाइन के नमूने एकत्र किये।

देवचा-पचामी ब्लॉक में कोयला गैसीकरण की संभावना तलाश रही है बंगाल सरकार

कोलकाता, समाज्ञा : बंगाल सरकार देवचा-पचामी ब्लॉक के 30 प्रतिशत हिस्से में भूमिगत कोयला गैसीकरण की संभावना तलाश रही है। इन खानों में पारंपरिक खुली तथा भूमिगत खनन पद्धतियां व्यावहारिक नहीं हैं। एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि शेष ब्लॉक का परिचालन खुले और भूमिगत खनन के जरिये किया जाएगा। अधिकारी ने कहा कि ब्लॉक के कुछ हिस्सों में खुले में खनन का काम फरवरी के पहले सप्ताह में शुरू होगा। खनन विकास एवं परिचालक (एमडीओ) शुरुआती चरण में अतिरिक्त भार (ओवरबर्डन) हटाने की कवायद शुरू करेगा। पश्चिम बंगाल पावर डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड (डब्ल्यूबीपीडीसीएल) राज्य के बीरभूम जिले में देवचा-पचामी कोयला ब्लॉक में खनन के लिए कार्यान्वयन एजेंसी है। डब्ल्यूबीपीडीसीएल के प्रबंध निदेशक पीबी सलीम ने कहा कि हम भूमिगत कोयला गैसीकरण की संभावनाओं पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं और इसके लिए भारतीय व विदेशी विशेषज्ञों के साथ कई बैठकें भी कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि हमारी योजना के अनुसार, कोयला भंडार का 30 प्रतिशत हिस्सा खुले खनन के माध्यम से, 40 प्रतिशत भूमिगत खनन के माध्यम से तथा शेष 30 प्रतिशत गैसीकरण के जरिये निकाला जाएगा।

कटिहार पर ट्रैक रख-रखाव का कार्य एवं अन्य अनुषंगिक कार्य

ई-निविदा सूचना संख्या. KIR/Engg/06 of 2025 तारीखः 23-01-2025। नीचे उल्लेखित कार्यों के लिए अधोहस्ताक्षरी द्वारा ई-निविदा आमंत्रित किया गया हैं। **निविदा संख्या. 1। कार्य का संक्षिप्त विवरणः** एडीईएन/I/न्यू जलपाईगुड़ी अधिक्षेत्र के अधीन 2 सालों की एक अवधि हेतु ट्रैक रख-रखाव का कार्य एवं अन्य अनुषंगिक कार्य। **निविदा राशिः** ₹4,59,52,599.82/-। **धरोहर राशिः** ₹3,79,800/-। **निविदा संख्या. 2। कार्य का संक्षिप्त विवरणः** एडीईएन/किशनगंज अधिक्षेत्र के अधीन 2 सालों की एक अवधि हेतु ट्रैक रख-रखाव का कार्य एवं अन्य अनुषंगी कार्य। **निविदा राशिः** ₹4,51,95,936.23/-। **धरोहर राशिः** ₹3,76,000/-। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः** 17-02-2025 तारीख के 15.00 बजे में **एवं खुलेगीः** 17-02-2025 तारीख के 15.30 बजे में। उपरोक्त ई-निविदा के निविदा प्र-पत्र के साथ संपूर्ण विवरण आगामी 17-02-2025 तारीख के 15.00 बजे तक www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगा।

डीआरएम (डब्ल्यू), कटिहार
पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
मुस्कान के साथ ग्राहकों की सेवा में

OFFICE OF THE BLOCK DEV. OFFICER
Joypur Dev. Block, Joypur, Purulia
NOTICE INVITING TENDER NO: NIeT-14/EO/J.P.S/2024-25
NOTICE INVITING TENDER NO: NIeT-15/BDO/J.D.B/2024-25

E-tenders are invited by the undersigned from eligible bonafied contractors having requisite credentials and other valid documents **upto 03.00 PM of 04.02.2025** for 01 no. of work (Tender Amt. Rs. 3,00,000.00) under 5th SFC fund and **upto 03.00 PM of 10.02.2025** for 01 no. of work (Tender Amt. Rs. 20,16,319.00) under RIDF XXX fund. For details intending participants may contact to the office of the undersigned or visit website www.wbtenders.gov.in in any working day before the Last date for submission of bid documents.

Sd/-
Block Development officer
Joypur Development Block

आरएसएस प्रधान मोहन भागवत के बंगाल दौरे के कार्यक्रम में बदलाव

कोलकाता, समाज्ञा : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रधान मोहन भागवत के अगले महीने पश्चिम बंगाल में होने वाले दौरे के कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। उनके कोलकाता आगमन की तारीख को आगे बढ़ा दिया गया है और राज्य में उनके प्रवास के दिनों की संख्या भी घटा दी गई है। सूत्रों के अनुसार, मोहन भागवत पहले सात फरवरी को कोलकाता पहुंचने वाले थे, लेकिन अब यह तारीख बदलकर 11 फरवरी कर दी गई है। साथ ही, उनका दस दिनों का निर्धारित दौरा अब केवल चार दिनों का रहेगा। नए कार्यक्रम के अनुसार, भागवत 11 फरवरी को कोलकाता पहुंचेंगे और उसी दिन पूर्व बर्दवान जिले के बर्दवान जाएंगे। बर्दवान में उनके दौरे का मुख्य फोकस मध्य बंगाल के जिलों में आदिवासी बहुल इलाकों में आरएसएस की गतिविधियों पर होगा। सूत्रों के मुताबिक, बर्दवान में कार्यक्रम समाप्त करने के बाद भागवत उसी रात कोलकाता लौट आएंगे। अगले तीन दिनों तक वे राज्य में आरएसएस के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ विभिन्न बैठकों में भाग लेंगे। इन बैठकों में पश्चिम बंगाल के दक्षिणी जिलों में संघ की गतिविधियों पर चर्चा होगी। 13 फरवरी को भागवत और पश्चिम बंगाल के नागरिक समाज के प्रतिनिधियों के बीच एक बैठक निर्धारित है।

मालदह में फिर मिला बम, सुरक्षा बलों ने किया नाकाम

मालदह : मालदह से एक बार फिर बम बरामद किया गया है। पता चला है कि ये बम वैष्णवनगर थाना अंतर्गत लक्ष्मीपुर टाउनशिप चौराहे से सटे बामनपारा से बरामद हुआ है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इलाके में बीएसएफ कैंप से सटे मैदान में फूलों का मेला लगा था। रविवार की रात जब कुछ लोग मेले से निकलकर मैदान की तरफ गए तो उन्हें आस-पास दो गेंदें पड़ी हुई दिखाई दीं। इस दौरान लोगों को शक हुआ और उन्होंने मेला कमेटी को संदिग्ध गेंदें पड़े होने की जानकारी दी। मेला समिति के आयोजकों ने बिना देर किए वैष्णवनगर पुलिस स्टेशन को इसके बारे में सूचित किया, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंचे। पुलिस ने सीआईडी के बम निरोधक दस्ते को सूचना दी। सोमवार की सुबह सीआईडी का बम दस्ता और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और बमों को निष्क्रिय कर दिया।

दिनहाटा में भाजपा नेता की हत्या के मामले में पांच आरोपितों को सशर्त जमानत

श्रीधर दास की हत्या के मामले में कुल 11 आरोपितों को किया गया था गिरफ्तार

जलपाईगुड़ी/कोलकाता : कलकत्ता हाईकोर्ट की जलपाईगुड़ी सर्किट बेंच ने दिनहाटा में भाजपा नेता की हत्या के मामले में पांच आरोपितों को जमानत दे दी है। बता दें कि 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद दिनहाटा भाजपा नेता श्रीधर दास की हत्या के मामले में कुल 11 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया था। ये सभी सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस से संबद्ध हैं। सोमवार को न्यायमूर्ति जयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति गौरांग कांत की खंडपीठ ने 11 में से पांच आरोपितों को सशर्त जमानत दे दी। अदालत ने फैसला सुनाया कि मूलतः उन्हें सशर्त जमानत दी गई थी क्योंकि वे हत्या में सीधे तौर पर शामिल नहीं थे। तृणमूल नेता रतन राय सरकार, प्रणब बरकैत, नकुल राय सरकार, प्रीतम राय सरकार और सहनूर हुसैन को अदालत ने 20,000 रुपये के मुचलके पर सशर्त जमानत दे दी है। न्यायाधीश ने स्पष्ट कर दिया कि पांचों आरोपितों में से कोई भी कूचबिहार जिले में प्रवेश नहीं कर सकेगा। इसके अलावा, उन्हें हर सप्ताह एक दिन सीबीआई के सिलीगुड़ी कार्यालय में उपस्थित होना होगा। हालांकि, इन पांच आरोपियों को जमानत दे दी गई, लेकिन न्यायाधीश ने भाजपा नेता की हत्या के मुख्य छह आरोपितों, अर्थात् उत्तम कुमार बर्मन, लिटन शील, लिटन भौमिक, विश्वजीत बर्मन, रबीउल हक और रमजान अली की जमानत याचिका खारिज कर दी। हालांकि, आरोपितों के वकील अर्जुन चौधरी ने जमानत न मिलने वालों की ओर से सुप्रीम कोर्ट जाने का फैसला किया है। गौरतलब है कि 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद दिनहाटा में स्थानीय भाजपा नेता श्रीधर दास की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। श्रीधर के बेटे ने इस घटना में एक स्थानीय तृणमूल नेता सहित कई कार्यकर्ताओं के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

दक्षिण पूर्व रेलवे-निविदा

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से उप मुख्य विद्युत अभियंता/ईआरएस-पीओएच/ खड़गपुर वर्कशॉप, दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए उल्लेखित तारीख को अपराह्न 03.00 बजे से पहले ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं तथा अपराह्न 03.30 बजे के उपरांत खोली जाएगी। **क्रमांक एवं ई-निविदा सूचना सं.; कार्य का नाम; कार्य की अनुमानित लागत; बयाना राशिः** (1) ई-पीयूपेंट-2024-25, दिनांक 24.01.2025; पॉलियूरेथिन (पीयू) पेंट द्वारा लोकोमोटिव की पेंटिंग तथा रेट्रो-रिफ्लेक्टिव टेप का प्रावधान; डीवी=18% जीएसटी सहित रु. 66,94,093.98; रु. 1,33,900; (2) जीईएम/2025/बी-5854220, दिनांक 22.01.2025; मासिक आधार पर कैब एवं टैक्सी की सेवाएं किराए पर लेना; डीवी=18% जीएसटी सहित रु. 11,73,600; रु. 58,680; **समापन अवधिः** दोनों के लिए 24 महीने। **ई-निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः** क्रमांक 1 के लिए 17.02.2025 को अपराह्न 3.00 बजे तथा क्रमांक 2 के लिए 06.02.2025 को अपराह्न 5.00 बजे। **वेबसाइट का विवरणः** www.ireps.gov.in (क्रमांक 1 के लिए) तथा GeM (क्रमांक 2 के लिए) पोर्टल। निविदाओं के परिपूर्ण विवरण/ब्यौरा/विनिर्देशन के लिए इच्छुक निविदातागण वेबसाइट www.ireps.gov.in (क्रमांक 1 के लिए) तथा GeM पोर्टल (क्रमांक 2 के लिए) देख सकते हैं तथा अपनी बोलियां ऑनलाइन जमा करें। इस कार्य के लिए कोई भी मैनुअल निविदाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी। (PR-1064)

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. : एमसी_एससी_ केआरपी क्लीनिंग_आर2024, दिनांक 22.01.2025, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर, पूर्व रेलवे, सियालदह, कक्ष सं. 42, प्रथम तल, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित निविदा प्रारूप में पर्याप्त अनुभवी एवं वित्तीय संपन्न ख्यातिप्राप्त ठेकेदारों से 'दो पैकेट प्रणाली' में मुहरबंद खुली निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम/विवरण:** "कृष्णपुर में तीन वर्ष के लिए राउंड ट्रिप मेन्टेनेंस कोचिंग ट्रेन का सफाई कार्य"। **निविदा मूल्य :** रु.3,26,48,834.48, **बयाना राशि :** रु. 3,13,300/-, **निविदा कागजात का मूल्य :** रु. 5,000/-, **अनुबंध की अवधि :** 03 वर्ष। **बोली प्रारंभ करने की तिथि :** दिनांक 31.01.2025, **निविदा के बंद होने की तिथि और समय :** दिनांक 14.02.2025 को 11.00 बजे। **निविदा के खुलने की तिथि और समय :** दिनांक 14.02.2025 को 11.00 बजे। ई-निविदा सूचना एवं कार्य के पात्रता मानदंड समेत निविदा कागजात www.ireps.gov.in (वेबसाइट यूआरएल) से देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा।

SDAH-336/2024-25
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

एयरपोर्ट के फ्लाईओवर से छलांग लगाने से इंफाल निवासी व्यक्ति की मौत

कोलकाता, समाज्ञा : महानगर के दमदम स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फ्लाईओवर से कूदने से एक व्यक्ति की मौत हो गई।भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (एएआई) के प्रवक्ता ने बताया कि घटना रविवार की दोपहर करीब 3 बजे हुई थी। प्रवक्ता ने कहा कि व्यक्ति फ्लाईओवर से गिरने के बाद हवाई अड्डे के सिटी-साइड आगमन क्षेत्र में गिर गया। उन्होंने कहा कि व्यक्ति की पहचान मणिपुर के इंफाल निवासी ओइनम रंजन सिंह के रूप में की गई है। उन्होंने आगे कहा कि घटना होने के बाद हवाई अड्डे पर ड्यूटी पर मौजूद एक डाक्टर ने तुरंत रंजन सिंह की जांच की और उसे अस्पताल रेफर कर दिया। कोलकाता हवाई अड्डे के कार्यवाहक निदेशक धन्मजय राव ने कहा एयरपोर्ट थाने की पुलिस घायल व्यक्ति को बारासात सरकारी अस्प-ताल में ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि रंजन सिंह ने फ्लाईओवर से क्यों छलांग लगाई थी, इसके कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। उन्होंने कहा कि मामले की तहकीकात की जा रही है और घटना किस वजह से हुई, इसका पता लगाया जा रहा है। हवाई अड्डे के सूत्रों ने बताया कि इंफाल निवासी कुछ दिन पहले ही कोलकाता आया था और रविवार को वह वापस लौटने वाला था।

बंगाल के बिजनेस समिट में आएंगे भूटान के राजा, झारखंड के मुख्यमंत्री

❑ **बीजीबीएस से एक दिन पहले फिर होगी कैबिनेट की बैठक**

कोलकाता, समाज्ञा : ममता सरकार ने बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट (बीजीबीएस) तैयारी पूरी कर ली है। सोमवार को कैबिनेट बैठक के बाद राज्य सचिवालय नवान्न की ओर से आगामी सप्ताह फिर से कैबिनेट बैठक की तारीख की घो-षणा कर दी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आगामी मंगलवार की दोपहर को नवान्न में कैबिनेट बैठक करेंगी। शाम तक यह संदेश राज्य के सभी विभागों के मंत्रियों तक पहुंच गया। सोमवार को ही ममता ने कैबिनेट की बैठक की थी। कोलकाता में 5-6 फरवरी को बिजनेस समिट आयोजित किया जा रहा है। देश के सभी प्रमुख उद्य-ोगपति और व्यापारिक समुदाय के प्रतिनिधि आमंत्रित हैं। नवान्न सूत्रों के अनुसार, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक के बिजनेस समिट में भाग लेने की संभावना है। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राज्य के मुख्यमंत्री के लिए यह उद्योग सम्मेलन महत्वपूर्ण है। इसलिए माना जा रहा है कि ममता इस साल के औद्योगिक सम्मेलन में निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कई घो-षणाएं कर सकती हैं। इसलिए, वह औद्योगिक सम्मेलन से पहले दोपहर को एक और कैबिनेट बैठक बुलाई हैं और कई नीतिगत निर्णयों को सरकारी मंजूरी दे सकती हैं। इसलिए सोमवार की कैबिनेट बैठक के समापन के तुरंत बाद, संबंधित विभागों के नौकरशाहों ने चार फरवरी को होने वाली कैबिनेट बैठक पर काम शुरू कर दिया।सूत्र ने बताया कि औद्योगिक मामलों पर मंजूरी की आवश्यकता के कारण यह बैठक बुलाई गई थी। क्योंकि, वित्त राज्य मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य 12 फरवरी को बंगाल विधानसभा में बजट पेश करेंगी। परंपरा के अनुसार, राज्य मंत्रिमंडल उस दिन बजट पेश करने से पहले उसे मंजूरी देगा। परिणामस्वरूप, यह निर्णय लिया गया कि कैबिनेट की बैठक उसी दोपहर होगी। लेकिन औद्योगिक सम्मेलन के लिए कई घोषणाएं करने में प्रशासनिक प्रक्रियाओं का पालन करना जरूरी हो गया है, इसलिए ममता ने दोबारा कैबिनेट बैठक बुलाई है।

www.samagya.in
विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।
समाज्ञा
NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION
MATRIMONIAL | EDUCATION | OBITUARY
PROPERTY | NAME CHANGE | REMEMBRANCE
RECRUITMENT | PUBLIC NOTICE | DISPLAY
TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT
samagyaadvt@gmail.com | samagya.in
81, Chintamani Dey Road, Howrah 711 101, Mobile: 70444 44522

'बंगाल के स्कूलों में पूरी चयन प्रक्रिया कदाचार से दूषित थी', सुप्रीम कोर्ट में कहा गया

❑ **25,753 शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की रद्दीकरण का मामला**

नयी दिल्ली/कोलकाता : राज्य में सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में 25,753 शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए पूरी चयन प्रक्रिया कदाचार के कारण दूषित थी और राज्य अवैध नियुक्तियों को संरक्षित करना चाहता था। उच्चतम न्यायालय में सोमवार को यह दलील दी गयी। पिछले साल 22 अप्रैल को कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई कर रही प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ के समक्ष यह तर्क दिया गया। सोमवार को शीर्ष अदालत ने उन वकीलों की दलीलें भी सुनीं, जिन्होंने चयन प्रक्रिया के खिलाफ उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। उनमें से एक ने कहा कि पूरी चयन प्रक्रिया कदाचार के कारण दूषित हो गई थी, और राज्य सरकार अवैध नियुक्तियों को बचाना चाहती थी। वकील ने उच्च न्यायालय के समक्ष कहा कि राज्य का एसएससी बेदाग और दागी उम्मीदवारों में अंतर करने में असमर्थ था। एक वकील ने दावा किया कि इस प्रक्रिया में बड़ी संस्थागत आपराधिक साजिश थी, जबकि दूसरे वकील ने कहा कि एसएससी और राज्य को दागी उम्मीदवारों की संख्या के बारे में एक निश्चित रुख पर आना चाहिए। बहस अनिर्णीत रही और 10 फरवरी को जारी रहेगी। उल्लेखनीय है कि यह मामला पश्चिम बंगाल एसएससी द्वारा आयोजित 2016 की भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं से उपजा था। यह विवाद 2016 की राज्य स्तरीय चयन परीक्षा में कथित भ्रष्टाचार से जुड़ा है। कुल 24,640 पदों के लिए 23 लाख उम्मीदवारों ने परीक्षा दी और कुल 25,753 नियुक्ति पत्र जारी किए गए। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने ओएमआर शीट से छेड़छाड़ और 'रैंक-जंपिंग' जैसी अनियमितताओं का हवाला देते हुए अप्रैल 2024 में नियुक्तियों को अमान्य कर दिया। शीर्ष अदालत ने पश्चिम बंगाल में कथित भर्ती घोटाले को व्यवस्थागत धोखाधड़ी करार दिया और कहा कि राज्य के अधिकारी 25,753 शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति से संबंधित डिजिटल रिकॉर्ड बनाए रखने के लिए बाध्य हैं।

नैहाटी में पिकनिक के दौरान हवाई फायरिंग, दो युवक गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : मालदह में वॉलीबॉल प्रतियोगित के दौरान हवाई फायरिंग का मामला अभी शांत भी हुआ था। इस बीच, अब उत्तर 24 परगना के नैहाटी में पिकनिक के दौरान गोलीबारी हुई। यह गोलीबारी किसी समस्या के कारण नहीं, बल्कि पिकनिक का मजा बढ़ाने के लिए चलाई गई। घटना की जानकारी होते ही इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने इस घटना में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। अभियुक्तों के नाम सुरजीत हलदर और प्रदीप बर्मन है। पुलिस व स्थानीय सूत्रों के अनुसार, नैहाटी के शिवदासपुर थाना अंतर्गत भवागाछी इलाके में हलधर बागान नामक एक बगीचे में गत रविवार को गणतंत्र दिवस के मौके पर कई स्थानों पर पिकनिक का आयोजन किया गया। कुछ युवा लोग भी उस बगीचे में पिकनिक मना रहे थे। आरोप है कि दोपहर में एक युवक ने हवाई फायरिंग की। कहा जा रहा है कि यह फायरिंग पूरी तरह मनोरंजन के लिए की गई थी। गोलियों की आवाज सुनकर स्थानीय लोग भयभीत हो गए। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से एक 7 एमएम पिस्तौल बरामद की गई। यह भी पता चला है कि बंदूक का कोई लाइसेंस नहीं है। यह भी बताया गया है कि दोनों युवक कई असामाजिक गतिविधियों में शामिल रहे हैं।

समर्पण ट्रस्ट और अंतरराष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन का गणतंत्र दिवस उल्लासपूर्ण आयोजित

कोलकाता, समाज्ञा : समर्पण ट्रस्ट और अंतरराष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को 76वां गणतंत्र दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। समर्पण ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक दिनेश बजाज ने ट्रस्ट कार्यालय में ध्वजारोहण कर राष्ट्रध्वज को सलामी दी। इस मौके पर ट्रस्ट के महासचिव प्रदीप ढेडिया ने हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और महान नेताओं के संघर्ष और बलिदान को याद किया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान के साथ हुई, जिसमें बड़ी संख्या में ट्रस्ट और सम्मेलन के सदस्य, गणमान्य नागरिक, और युवा सम्मिलित हुए। इस अवसर पर ट्रस्ट के अन्य पदाधिकारियों ने अपने विचार साझा किए और समाजोत्थान के लिए और अधिक सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

सीकर नागरिक परिषद ने मनाया गणतंत्र दिवस

कोलकाता, समाज्ञा : सीकर नागरिक परिषद (कोलकाता) ने सीकर भवन के सामने 76 वें गणतंत्र दिवस समारोह को बड़े ही धूमधाम से मनाया। 26 जनवरी, को सुबह 9 बजे सीकर भवन के सामने 76 वें गणतंत्र दिवस पर उपाध्यक्ष दामोदर प्रसाद बिदावतका द्वारा झण्डोत्तोलन किया गया। उपाध्यक्ष ने झण्डेत्तोलन के पश्चात उपस्थित सभी लोगों को गणतंत्र दिवस पर वीर सेनानियों को नमन करते हुए सभी को गणतंत्र दिवस की महत्ता को बताया। परिषद के अध्यक्ष एमिरेट्स घनश्याम प्रसाद शोभासरिया, अध्यक्ष अरविन्द बियानी और सचिव रवि शंकर सीकरिया ने गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के उपरान्त सभी में मिठाईयां बांटी गई। कार्यक्रम में कमल प्रसाद चौधरी, मनोज मित्तल, सुरेश अग्रवाल, भव्य, त्रिनाभ, शुभम सिन्हा, राजेश शॉह, मनोज यादव ,आलोक दा, दिनेश भाई, असीम दा, उदय शॉ, सौरव कार, मिथुन दा, असित दा, सत्यभान, सौमित्रो, सुदीप्तो, जयतिमय, दीपांजन, संभन गुप्ता, राजेंद्र यादव एवं अन्य स्थानीय लोग मोजूद रहे।

मानवाधिकार संगठन सीपीडीआर पश्चिम बंगाल ने बारासात कार्यालय में 76वें गणतंत्र दिवस का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष मनोज कुमार जायसवाल, कार्यकारी अध्यक्ष सुबीर रॉयचौधरी, उपाध्यक्ष लक्ष्मी कांत, उपाध्यक्ष गणेश रॉय, सचिव सौमित घोष, कैशियर मनिंदर झा, सहायक कैशियर माधबी चक्रवर्ती और अन्य सदस्य भाग लिए।

रूबी पार्क पब्लिक स्कूल में 76वां गणतंत्र दिवस भव्य रूप से मनाया गया

कोलकाता, समाज्ञा : भारत का 76वां गणतंत्र दिवस रूबी पार्क पब्लिक स्कूल में धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में ब्रिगेडियर एन.एस. मुखर्जी, प्रधानाचार्य मौसमी महापात्रा और अभिभावक उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वज फहराने से हुई, जिसके बाद भारत स्काउट्स और गाइड्स द्वारा एक अनुशासनात्मक प्रदर्शनी प्रस्तुत की गई। छात्रों ने देशभक्ति गीतों और नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने उत्साह और राष्ट्रप्रेम का प्रदर्शन किया, जिससे समां देशभक्ति की भावना से भर गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य मौसमी महापात्रा ने अपने संबोधन में इस दिन के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, गणतंत्र दिवस के उत्सव न केवल देश के प्रति सम्मान और प्रेम की भावना को बढ़ाते हैं, बल्कि यह बच्चों को जिम्मेदार नागरिक और भविष्य के नेता बनाने में सहायक होते हैं। इस तरह के आयोजन छात्रों को अपने कर्तव्यों और अधिकारों का अहसास कराते हैं। यह कार्यक्रम विद्यालय में एकता और राष्ट्रप्रेम का संदेश देने में सफल रहा और छात्रों तथा अभिभावकों के लिए एक यादगार अनुभव बना।

दिल्ली पब्लिक स्कूल रूबी पार्क में धूमधाम से मनाया गया 76वां गणतंत्र दिवस

कोलकाता, समाज्ञा : दिल्ली पब्लिक स्कूल रूबी पार्क में 76वां गणतंत्र दिवस धूमधाम और भव्यता के साथ मनाया गया। समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर एन रोमियो सिंह, सेना मेडल द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट कर्नल निशांत कालरा भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत 'ये देश मेरी जान' गीत से हुई, जो स्कूल के गान मंडल द्वारा प्रस्तुत किया गया। इसके बाद प्रधानाचार्य ज्योति चौधरी ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम की मुख्य आकर्षण 'सतत विकास लक्ष्य - अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण' पर आधारित प्रस्तुति रही, जिसका नाम था 'भारत की धरोहर, कल के लिए एक दृष्टि'। इस प्रस्तुति में योग की अहमियत को दर्शाया गया, जो समय के साथ बदला जरूर है, लेकिन अपनी मूल पहचान बनाए रखता है।

इस मौके पर उपस्थित मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर एन रोमियो सिंह ने अपने प्रेरणादायक शब्दों से छात्रों को उत्साहित किया। कार्यक्रम का समापन वाइस हेड गर्ल के आभार प्रस्तावना से हुआ। यह आयोजन बहुत अच्छे तरीके से आयोजित किया गया और शानदार सफलता के साथ संपन्न हुआ।

गणतंत्र दिवस पर रिसड़ा में निकाली गई तिरंगा रैली

हुगली : समस्त देश समेत रिसड़ा में भी गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया । रिसड़ा नगरपालिका के चेयरमैन विजय सागर मिश्रा के नेतृत्व में विभिन्न स्कूल के बच्चों को साथ लेकर एकता अखंडता सद्भाव का सन्देश देती एक विशाल तिरंगा रैली निकाली गई। सबसे पहले कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वज फहराकर हुई। ध्वजारोहण कार्यक्रम में पालिका के वाइस चेयरमैन जाहिद हसन खान समेत तमाम पार्षदगण शिक्षाविद् अधिकवक्ता समेत अन्य लोग उपस्थित रहे। पालिका चेयरमैन विजय सागर मिश्रा ने बच्चों को तिरंगा, चॉकलेट उपहार दिया।

द हेरिटेज स्कूल, कोलकाता का 76वें गणतंत्र दिवस पर विंटर कार्निवल 'कोलाहाल' का आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : द हेरिटेज स्कूल, कोलकाता ने 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर 'कोलाहाल' नामक विंटर कार्निवल आयोजित किया। जिसमें छात्रों की रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रसिद्ध लेखक विलियम डलरिंपल द्वारा किया गया, जो 'द गोल्डन रोड-हाउ एंशियंट इंडिया ट्रांसफॉर्म्ड द वर्ल्ड' पुस्तक के लेखक भी हैं। 'कोलाहाल' में कला और शिल्प, बाहरी खेल, रोबोटिक्स, कचरे का पुनर्चक्रण और अन्य कई रोचक गतिविधियां शामिल थी। स्कूल के अभिभावक भी इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से शामिल हुए। उद्घाटन समारोह के दौरान, विलियम डलरिंपल ने एक व्यापक प्रस्तुति दी। इस मौके पर द हेरिटेज स्कूल की प्रधानाचार्य सीमा सप्रू ने कहा, कोलाहाल एक ऐसा मंच है जो युवा मनों को रचनात्मकता, टीमवर्क और मूल्यों में संलग्न करता है। वहीं, हेरिटेज ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के सीईओ पी.के. अग्रवाल ने कहा, यह अनुभव बहुत ही अद्भुत है, जहां अभिभावक सक्रिय रूप से शामिल होते हैं। हेरिटेज परिवार ही सबसे महत्वपूर्ण है। इस आयोजन में स्कूल प्रबंध समिति के अध्यक्ष विक्रम स्वरूप ने भी अपने विचार साझा किए।

पूर्वांचल सभा का ज्ञान शाला के बच्चों के लिए डियर पार्क में शानदार पिकनिक का आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्वांचल सभा की ओर से ज्ञान शाला के बच्चों के लिए एक शानदार पिकनिक का आयोजन डियर पार्क के रमणीय स्थल पर किया गया। इस पिकनिक में बच्चों और प्रशिक्षिकाओं की बड़ी संख्या ने हिस्सा लिया। पिकनिक में बच्चों का भरपूर मनोरंजन किया गया, जिसमें विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। बच्चों ने कई प्रकार के खेलों में हिस्सा लिया और विजेता बच्चों को सभा अध्यक्ष संजय सिंघी, मंत्री पंकज डोसी, महिला मंडल मंत्री बबीता तातेड एवं उपस्थित प्रशिक्षिकाओं द्वारा पुरस्कृत किया गया। आंचलिक संयोजिका डॉ. प्रेम लता चोरडिया की प्रेरणा एवं सभा अध्यक्ष संजय सिंघी और मंत्री पंकज डोसी के अथक प्रयासों से यह पिकनिक बेहद सफलतापूर्वक संपन्न हुई। ज्ञान शाला संयोजक प्रवीण पगारिया, संगठन मंत्री राजीव बोथरा, कार्यसमिति सदस्य मनोज भादानी और सभी प्रशिक्षिकाओं ने पूरी निष्ठा के साथ अपने जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। इस पिकनिक के आयोजन के लिए आर्थिक सहयोग देने हेतु मुख्य न्यासी बाबू लाल गंघ और प्रकाश सिंघी का भी आभार व्यक्त किया गया।

पूर्व रेलवे, दक्षिण पूर्व रेलवे और मेट्रो रेलवे में 76वें गणतंत्र दिवस की धूम

पूर्व रेलवे

दक्षिण पूर्व रेलवे

मेट्रो रेलवे

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे, दक्षिण पूर्व रेलवे और और मेट्रो रेलवे ने 76वें गणतंत्र दिवस को बड़े धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया। तीनों रेलवे जोन ने अपने-अपने मुख्यालयों और कार्यस्थलों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया और कर्मचारियों एवं अधिकारियों के साथ इस राष्ट्रीय पर्व को उत्साह और गरिमा के साथ मनाया। इन आयोजनों में महाप्रबंधकों और वरिष्ठ अधिकारियों ने गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला।

पूर्व रेलवे 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर अपने खेल परिसर, जेम्स लॉन्ग सरणी, बेहाला, कोलकाता में भव्य समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और आरपीएफ दस्ते से सलामी ली। समारोह में महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर ने यह भी बताया कि इस वित्तीय वर्ष में पूर्व रेलवे ने अपनी कुल उत्पन्न राजस्व में 21% की वृद्धि की है और दिसंबर तक उत्पन्न कुल राजस्व 10,163 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। महाप्रबंधक ने ईआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ की सराहना करते हुए कहा कि उनके द्वारा किए गए कार्य, जैसे स्वच्छता अभियानों, वृक्षारोपण, जरूरतमंदों को भोजन वितरण और अन्य सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी, अत्यंत सराहनीय हैं।

दक्षिण पूर्व रेलवे के गार्डन रीच स्थित मुख्यालय में भी 76वां गणतंत्र दिवस बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और आरपीएफ, सिविल डिफेंस, सेंट जॉन एंबुलेंस और साउथ ईस्टर्न रेलवे भारत स्काउट्स और गाइड्स के दलों द्वारा प्रस्तुत परेड की सलामी ली। महाप्रबंधक ने दपूरे की हालिया उपलब्धियों को उजागर करते हुए कहा कि दक्षिण पूर्व रेलवे, जिसे ब्लू चिप रेलवे के नाम से जाना जाता है, भारतीय रेलवे के शीर्ष तीन सबसे बड़े माल लोडिंग क्षेत्रों में शामिल है।

कोलकाता **मेट्रो रेलवे** ने भी 76वां गणतंत्र दिवस उत्साह और उमंग के साथ मनाया। मेट्रो रेलवे के महाप्रबंधक पी. उदय कुमार रेड्डी ने मेट्रो रेल भवन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और मेट्रो आरपीएफ से गार्ड ऑफ ऑनर लिया। महाप्रबंधक श्री रेड्डी ने अपने संबोधन में मेट्रो रेलवे की हालिया उपलब्धियों और इसके गौरवमयी अतीत को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि मेट्रो रेलवे ने यात्री यातायात में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की है, इसके संचालन में सुधार किया गया है और नए मेट्रो मार्गों का उद्घाटन भी किया गया है। इसके बाद, मेट्रो रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष पी. श्रीलता और संगठन के अन्य सदस्यों द्वारा एक ओपन जिम और बच्चों के पार्क का उद्घाटन किया गया।

नागरिक स्वास्थ्य संघ ने 48 नागरिकों को नेत्र ज्योति प्रदान की

कोलकाता : नागरिक स्वास्थ्य संघ ने संघ नेत्रालय में सेवा शिविर में 48 नागरिकों की आँख में मोतियाबिन्द का निःशुल्क आपरेशन किया। विशिष्ट अतिथि लायन मोहनलाल अग्रवाल एवम अतिथियों का स्वागत नागरिक स्वास्थ्य संघ के पूर्व अध्यक्ष विजय दमानी ने किया। संघ के सचिव विकास चन्द चांडक ने बताया संघ के अध्यक्ष कुंज बिहारी अग्रवाल, उपाध्यक्ष विनोद गुप्ता, इन्द्र कुमार डागा के मार्गदर्शन में संस्था की प्रगति के लिये कार्यकर्ता सक्रिय हैं। कुंज बिहारी अग्रवाल एवम् पदाधिकारियों ने समाजसेवी सज्जन भजनका एवम् पवन गोयनका को पद्मश्री से सम्मानित किये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शुभकामना दी है। सन 1955 से अब तक नागरिक स्वास्थ्य संघ ने 83 हजार से अधिक नागरिकों की आंख में मोतियाबिंद का ऑपरेशन कर नेत्र ज्योति प्रदान की है। गोवर्धन मूंधड़ा, आलोक दमानी, नरेन्द्र अग्रवाल, बसन्त (झबरू) दुजारी, महेश आचार्य, मधुसूदन सफ्फड़ एवम् कार्यकर्ता सक्रिय हैं।

गणतंत्र दिवस पर अग्रसेन बालिका शिक्षा सदन में शहीदों को भाव भीनी श्रद्धांजलि

हावड़ा : अग्रसेन बालिका शिक्षा सदन के प्रांगण में विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी 76वें गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 9:15 बजे विद्यालय के अध्यक्ष सत्यनारायण अग्रवाल (देवरालिया), प्राचार्य सरोज कुमार श्रीवास्तव एवं उप-प्राचार्या काकोली नाग के कर कमलों द्वारा राष्ट्रगान की धुन पर झंडा फहरा कर और परेड की सलामी लेकर हुआ। तत्पश्चात शहीदों की तस्वीरों के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं द्वारा देशभक्ति से ओत-प्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। तत्पश्चात विद्यालय की उप-प्राचार्या काकोली नाग ने अपने धन्यवाद ज्ञापन में गणतंत्र दिवस के महत्व को समझाते हुए छात्राओं को एक देश, एक मतदान, एवं एक संविधान के बारे में बताया।

तेरापंथ युवक परिषद, बेहाला ने शांतिनिवास वृद्धाश्रम में मनाया गणतंत्र दिवस

कोलकाता : तेरापंथ युवक परिषद, बेहाला द्वारा शांतिनिवास वृद्धाश्रम में गणतंत्र दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत वृद्धाश्रम के एक निवासी द्वारा प्रेरणादायक भाषण से हुई। इसके बाद, परिषद के सदस्यों द्वारा नवकार मंत्र जाप किया गया। राष्ट्रीय ध्वज को सम्मानपूर्वक फहराने के बाद सभी ने गर्व के साथ राष्ट्रगान गाया। इस अवसर पर परिषद के कई सदस्यों ने वृद्धाश्रम के निवासियों के लिए तेल, आटा, चीनी, दाल, बिस्किट जैसी आवश्यक खाद्य सामग्री का दान दिया। कार्यक्रम के बाद सभी सदस्यों ने वृद्धाश्रम के निवासियों के साथ बैठकर सामूहिक नाश्ता किया। इस आयोजन ने सभी के चेहरे पर खुशी ला दी। तेरापंथ युवक परिषद के सदस्यों ने कहा, हम उन सभी का धन्यवाद करते हैं जिन्होंने खाद्य सामग्री दान की। इस कार्यक्रम से हमें और वृद्धाश्रम के निवासियों को बहुत आनंद मिला। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु बेहाला तेरापंथ सभा एवं बेहाला तेरापंथ महिला मंडल के सदस्यों को भी धन्यवाद।

गणतंत्र दिवस पर लेकटाउन में निकली प्रभात फेरी

कोलकाता : पूर्व कोलकाता नागरिक परिषद द्वारा गणतंत्र दिवस पर लेकटाउन अंचल में प्रभात फेरी निकाली गयी। स्कूली बच्चे जहां वीर-वीरांगनाओं के चित्र हाथों में लेकर चल रहे थे, वहीं वाद्य यन्त्रों से राष्ट्र भक्ति से ओतप्रोत गीत वातावरण को गुंजायमान कर रहे थे। बैण्ड-बाजे वालों की धुन भी फेरी में नया रंग भर रही थी। लगभग दो किलोमीटर चली इस प्रभात फेरी में अंचल के 300 से अधिक राष्ट्रप्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बंगाल नेशनल चेम्बर के अध्यक्ष अशोक बनिक आयोजन के प्रधान अतिथि और असम राइफल्स के कमाण्डेंट मनोज कुमार विशिष्ट अतिथि। इनके अलावा सामाजिक क्षेत्र के कई विशिष्ट जन, परिषद के पदाधिकारी आदि भी भारी संख्या में उपस्थित थे। सभी की उपस्थिति में राष्ट्रध्वज फहराया गया। प्रभात फेरी में शामिल बच्चों को उपहार देकर प्रोत्साहित किया गया। यह जानकारी परिषद की अध्यक्षा शशि अग्रवाल ने दी।

विकास भवन अभियान के दौरान पुलिस से भिड़े एसएफआई कर्मी-समर्थक

❑ बीच सड़क पर जमकर हंगामा, पुलिस पर लाठीचार्ज का आरोप

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य के शिक्षा क्षेत्र से संबंधित मांगों को लेकर वामपंथी छात्र संगठन एसएफआई के विकास भवन अभियान के दौरान सोमवार की दोपहर जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान, पुलिस और प्रदर्शनकारियों में जमकर तकरार हुआ। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर लाठीचार्ज के आरोप लगाये। इलाके में काफी देर तक तनाव की स्थिति बनी रही। सूत्रों के अनुसार, राज्य के शिक्षा क्षेत्र की विभिन्न मांगों को लेकर दोपहर में

एसएफआई कार्यकर्ताओं ने साल्टलेक सिटी के करुणामयी से विकास भवन तक मार्च किया। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि पढ़ाई छोड़ चुके बच्चों को वापस कक्षा में लाने के लिए विशेष वित्तीय आवंटन किया जाना चाहिए। स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और मदरसों का बुनियादी ढांचा विकसित किया जाना चाहिए। शिक्षक-छात्र अनुपात में संतुलन बनाए रखने के लिए सभी स्तरों पर भ्रष्टाचार मुक्त नियुक्ति प्रक्रिया अपनायी जाए। हर शिक्षा परिसर में मुफ्त इंटरनेट आवंटन किया जाना चाहिए। इस दिन, कार्यक्रम शिक्षा क्षेत्र में भ्रष्टाचार को रोकने सहित कई मांगों पर आधारित थी। आरोप है कि पुलिस ने जुलूस को विकास भवन से पहले ही रोक दिया, जिसकी वजह से तनाव की स्थिति बन गयी। पुलिस ने सड़क को पहले से ही बैरिकेड लगाकर अवरुद्ध कर दिया था। प्रदर्शनकारी बैरिकेड को तोड़कर आगे बढ़ने लगे तो पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। इसके बाद, पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। इसके बाद, कई प्रदर्शनकारी सड़क पर लेट गए। हालात बिगड़ते देख प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया गया। इस अभियान को रोकने के लिए पहले से ही इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया था। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पुरुष पुलिस अधिकारियों ने महिला प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग किया। हालांकि, पुलिस की तरफ से आरोपों का खंडन किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने की कोशिश की, यातायात बाधित किया और पुलिस पर हमला करने की भी कोशिश की, जिससे पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा।

विधवा भत्ता के दस हजार रुपये के लालच में सास की हत्या, दामाद गिरफ्तार

❑ जेठिया में वृद्धा का गला कटा शव बरामदगी मामले की गुत्थी पुलिस ने सुलझायी

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना के जेठिया में एक बुजुर्ग महिला की हत्या का मामला पुलिस ने चार दिनों के भीतर सुलझा लिया है। मामले में दामाद आखेर अली मंडल को गिरफ्तार किया है। बता दें कि गत 23 जनवरी की रात जेठिया थाना अंतर्गत नैहाटी के कांपा-चकला पंचायत के पल्लादाह में फूलजान बीबी (80) नामक एक बुजुर्ग महिला की हत्या कर दी गई थी। जांच की शुरुआत से ही पुलिस ने वृद्ध महिला के दामाद आखेर अली मंडल को संदिग्ध माना। अंततः उसे गिरफ्तार कर मामले की गुत्थी सुलझी। बताया गया है कि फूलजान बीबी पल्लादाह में अपनी बेटी के ससुराल में रहती थी। आरोप है कि वहां उसे खाना नहीं दिया जाता था। पड़ोसी उनकी देखभाल करते थे। बेटी के ससुरालवालों के साथ अक्सर वृद्धा के साथ अशांति लगी रहती थी। विशेष रूप से, उनका अपने दामाद के साथ कई मुद्दों पर लंबे समय से विवाद चल रहा था। फुलजान बीबी यह समझ गई थी कि उसके दामाद को उसकी जमाई हुई छोटी सी दौलत में भी नजर है। इसलिए, उन्होंने सरकारी परियोजना से मिले 10,000 रुपये अपने पड़ोसी के पास छोड़ दिया। इस बीच, आख़ेर अली को खबर मिली कि उसकी सास ने विधवा भत्ते के पैसे निकाले हैं, जो दस हज़ार के करीब है। यह सुनते ही वह पैसे हथियाने के लिए वृद्धा के पास गया और पैसे मांगने पर वृद्धा का अपने दामाद के साथ विवाद शुरू हो गया। बाद में, किसी तरह आखेर को पता चला कि महिला ने पैसे पड़ोसी के पास रखा है। इसी गुस्से में आकर आखेर ने देर रात सो रही अपनी सास की गला काटकर हत्या कर दी। गिरफ्तार व्यक्ति ने भी पुलिस पूछताछ में यह बात कबूल कर ली है।

दक्षिण पूर्व रेलवे के गार्डन रीच स्थित मुख्यालय में '100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान' के दौरान महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा ने टीबी के खिलाफ जीत हासिल करने की शपथ दिलाई।

जयनगर नाबालिका रेप-मर्डर केस में फांसी की सजा को चुनौती, हाई कोर्ट में मामला दाखिल

कोलकाता, समाज्ञा : जयनगर की नाबालिका के साथ रेप और हत्या के मामले में फांसी की सजा को आरोपी मुस्ताकिन सरदार ने कोलकाता हाई कोर्ट में चुनौती दी है। हाई कोर्ट के जस्टिस देवांशु बसाक की डिवीजन बेंच ने इस मामले को स्वीकार कर लिया है। इससे यह स्पष्ट हो गया है कि बारुईपुर जिला और सत्र न्यायालय का फैसला फिलहाल प्रभावी नहीं होगा, और हाई कोर्ट के फैसले के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। यह मामला पिछले साल अक्टूबर में जयनगर के महिशमारी इलाके में हुई एक नाबालिका की हत्या और रेप से जुड़ा है, जिसमें मुस्ताकिन सरदार को गिरफ्तार किया गया था। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस घटना के त्वरित जांच का आश्वासन दिया था। 6 दिसंबर को बारुईपुर अदालत ने मुस्ताकिन सरदार को फांसी की सजा सुनाई। अदालत ने राज्य पुलिस की सक्रियता की सराहना करते हुए इस मामले की तेजी से सुनवाई को एक उदाहरण बताया था। फांसी की सजा के लगभग डेढ़ महीने बाद, आरोपी के वकील ने हाई कोर्ट में इस फैसले को चुनौती दी है। उनका कहना है कि अदालत ने बिना आरोपी का पक्ष सुने जल्दबाजी में यह फैसला सुनाया था।

पूर्व रेलवे की क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न, विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे में अक्टूबर-दिसंबर 2024 तिमाही की क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर की अध्यक्षता में सोमवार को महाप्रबंधक के नए सभाकक्ष में संपन्न हुई। इस बैठक में मुख्यालय के सभी विभागाध्यक्ष, मुराधि और राजभाषा विभाग के अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। मंडलों और कारखानों के अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया। बैठक की शुरुआत में, मुख्य राजभाषा अधिकारी सह प्रधान मुख्य बिजली इंजीनियर देवेंद्र कुमार ने महाप्रबंधक एवं उपस्थित सभी अधिकारियों का स्वागत किया। उन्होंने कोलकाता नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा आयोजित हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता में भंडार विभाग के यश पाल मित्तल, मुख्य सामग्री प्रबंधक/सेल को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर बधाई दी। इसके बाद, समिति के पदेन सदस्य सचिव एवं उप महाप्रबंधक (राजभाषा) पी.सी. डांग ने महाप्रबंधक से इस बैठक की अध्यक्षता करने का अनुरोध किया।

महाप्रबंधक ने सभा को संबोधित करते हुए राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ावा देने और कार्यालयी कार्यों में हिंदी के प्रयोग को सुनिश्चित करने पर चर्चा की।

उन्होंने राजभाषा विभाग को गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के लक्ष्यों को पूरा करने और रेलवे बोर्ड को समय पर जानकारी देने के निर्देश दिए। इसके अलावा, महाप्रबंधक ने सभी विभागाध्यक्षों से अपने अधीन कार्यरत कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित करने की अपील की। बैठक के अंत में, महाप्रबंधक ने प्रतिबिम्ब पत्रिका के अक्टूबर-दिसंबर अंक का विमोचन किया और राजभाषा विभाग के उप महाप्रबंधक पी.सी. डांग और राजभाषा अधिकारी प्रेम कुमार भारती को उनके सेवानिवृत्ति पर हार्दिक बधाई दी। बैठक का समापन उप महाप्रबंधक (राजभाषा) पी.सी. डांग ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया।

माध्यमिक परीक्षा के छात्रों के लिए बड़ी खबर, 'उत्तरपुस्तिका' मूल्यांकन के लिए नए नियम

कोलकाता, समाज्ञा : माध्यमिक परीक्षा में पारदर्शिता लाने और उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन को सही तरीके से सुनिश्चित करने के लिए माध्यमिक शिक्षा परिषद ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब, सिर्फ परीक्षा के कागजों पर ही नहीं, बल्कि परीक्षा के अंक सही तरीके से मिल सकें इसके लिए अलग से 'केजिंग शीट' देने का निर्णय लिया गया है। इस नई व्यवस्था के तहत, जब परीक्षक उत्तरपत्र जांचेंगे, तो उन्हें सारी केजिंग शीट मुख्य परीक्षक को जमा करनी होगी। इसके साथ ही, परीक्षा के उत्तरपत्रों में अब लाल रंग की कलम का प्रयोग होगा, ताकि हर उत्तर का अंक स्पष्ट रूप से दिख सके। पहले कई बार देखा गया था कि परीक्षा के कागज खो जाते थे, अंक धुंधले पड़ जाते थे, या अंक में गड़बड़ी होती थी। परिणाम के बाद रिव्यू के दौरान भी कभी-कभी अंक बढ़ने के उदाहरण सामने आए थे। बोर्ड का मानना है कि इस नए तरीके से रिव्यू और स्क्रूटिनी के दौरान परीक्षार्थियों और परीक्षकों दोनों को लाभ होगा। इस साल से यह नई व्यवस्था लागू की जा रही है।

इकोपार्क में सड़क दुर्घटना में महिला स्कूटी चालक की मौत

कोलकाता, समाज्ञा : इकोपार्क थाना इलाके में सोमवार को सड़क दुर्घटना में एक महिला स्कूटी चालक की मौत हो गई। खबर लिखे जाने तक महिला की पहचान नहीं हो पाई थी। हालांकि, अनुमानित उम्र 35 वर्षीया बताया गया है और वह पाटुली की निवासी है। मिली जानकारी के अनुसार, इस दिन, सुबह करीब 5.45 बजे महिला स्कूटी से अकांक्षा मोड़ से इकोपार्क होते हुए कोलकाता जा रही थी। इस बीच, तेज गति के कारण महिला ने स्कूटी पर से अचानक नियंत्रण खो दिया और सड़क के बीच लगे डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर के कारण वह सड़क गिर गई और बेहोश हो गयी। अस्पताल ले जाने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

श्री जैन विद्यालय हावड़ा में गणतंत्र दिवस का आयोजन

हावड़ा, समाज्ञा : श्री जैन विद्यालय में 76वां गणतंत्र दिवस अत्यंत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय में 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि प्रसिद्ध व्यावसायी एवं समाजसेवी विजयकरण अंचलिया तथा प्रसिद्ध व्यावसायी सुरेन्द्र बांठिया ने झंडोत्तोलन किया। 'जैन-सभा' के अध्यक्ष एवं विद्यालय के संस्थापक सरदारमल कांकरिया ने सम्मानित मंच से आगत अतिथियों का परिचय कराते हुए उनका स्वागत किया तथा छात्र-छात्राओं सहित सभी को देशहित जनित कार्य के लिए संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया। तत्पश्चात, विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने आकर्षक विविध रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। राष्ट्र-गान के उपरांत सभी विद्यार्थियों को मिष्ठान प्रदान किया गया। इस विशेष अवसर पर उपस्थित अन्य अतिथियों में विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव ललित कांकरिया, शशि कांकरिया, प्रदीप पटवा, वीरेंद्र गिलडा, जयदीप पटवा, बालिका विभाग की प्रधानाध्यापिका मौसमी घोषाल, बालक-विभाग की प्रिन्सिपल इन्दु जोसेफ चौधरी आदि प्रमुख थे। विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों को सुनियोजित बनाने हेतु विद्यालय के शिक्षक-प्रतिनिधि संतोष कुमार तिवारी, संजय कुमार सिंह, विनोद सिंह, अनिल तिवारी, गरिमा सिंह, अनामिका तिवारी, सतीश कुमार सिंह, दीपशिखा तिवारी, सपना चक्रवर्ती, सोमनाथ, किरण मंडल, प्रेरणा सिंह, रजनी हिरावत, उमा बनर्जी, कृतिका श्रीवास्तव, सोमेन चक्रवर्ती, चंद्रदेव चौधरी, मौमिता दास आदि का विशेष योगदान रहा है। विद्यालय के सचिव ललित कांकरिया ने सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी एवं सफल आयोजन के लिए सभी के प्रयास एवं योगदान की सराहना की।

कोलकाता के रेड रोड पर रविवार को 76वें गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान भारतीय सेना के बहादुर जवानों के साथ स्कूली छात्रा ज्ञानवी सिंह व श्रीयांशी।

कोलकाता में दुर्लभ एचआईपीईसी सर्जरी से मरीज को मिली नई जिंदगी

कोलकाता : 65 वर्षीय एक बुजुर्ग मरीज, जिन्हें पहले कोरोनरी आर्टरी बाईपास ग्राफ्ट (सीएबीजी) हुआ था, को अपेंडिक्स से संबंधित एक दुर्लभ कैंसर का सफलतापूर्वक इलाज कर नई जिंदगी दी गई। मरीज को शुरुआत में पेट दर्द की शिकायत थी, जिसके बाद सीटी स्कैन से तीव्र अपेंडिसाइटिस का पता चला। लेप्रोस्कोपिक अपेंडिसेक्टॉमी के बाद बायोप्सी रिपोर्ट में स्यूडोमाइक्सोमा पेरिटोनी और दुर्लभ अपेंडिकुलर ट्यूमर की पुष्टि हुई। डॉ. संजय मंडल और उनकी टीम ने मरीज का साइटोरिडक्टिव सर्जरी और एचआईपीईसी (हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी) के माध्यम से इलाज किया। यह प्रक्रिया 7 घंटे तक चली और इसमें एक विशेष एचआईपीईसी मशीन का उपयोग किया गया। सर्जरी के बाद मरीज को एक दिन आईसीयू और एक दिन एचडीयू में रखा गया। यह सर्जरी, जिसमें ऑपरेशन के दौरान नियंत्रित तापमान पर कीमोथेरेपी दी जाती है, एक अत्यंत जटिल और दुर्लभ तकनीक है। सफल सर्जरी के बाद मरीज को 6वें दिन अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। फिलहाल वह स्वस्थ हैं और पूरी तरह से ठीक हो रहे हैं। यह उपलब्धि मेडिकल जगत में दुर्लभ प्रक्रियाओं के सफलतापूर्वक निष्पादन की मिसाल है।

मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने आलिया भट्ट के साथ लॉन्च किया 'सॉलिटेयर वन'

कोलकाता : मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने प्राकृतिक हीरों के उत्कृष्ट संग्रह 'सॉलिटेयर वन' को लॉन्च करने की घोषणा की है। इस संग्रह के हर हीरे को अंतरराष्ट्रीय प्रयोगशालाओं द्वारा प्रमाणित किया गया है। मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने बॉलीवुड आइकॉन और ब्रांड एंबेसडर आलिया भट्ट के साथ एक कैंपेन को भी लॉन्च किया। इस कैंपेन की शुरुआत आलिया भट्ट अभिनीत एक आकर्षक फिल्म से होती है जिसमें खुसबूरती से जुड़ी तीन प्रेम कहानियों को बिल्कुल जीवंत तरीके से दिखाया गया है। इस खूबसूरत नैरेटिव में एक व्यक्ति की उसकी प्रेमिका के साथ के बॉन्ड को दिखाया गया है। इसके साथ ही दिखाया गया है उनकी इस यात्रा के बेहद खूबसूरत पलों में ये गहने किस तरह उनके जीवन का हिस्सा बन जाते हैं। मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एमपी अहमद ने कहा, 'सॉलिटेयर वन' के रूप में हमने एक एक कलेक्शन से कुछ बढ़कर तैयार किया है- यह कालातीत खूबसूरती और प्यार के ताकत का उत्सव है। यह कैंपेन सॉलिटेयर के प्रति महिलाओं के गहरे भावनात्मक जुड़ाव को दिखाता है, जो खूबसूरती (एलिगेंस) और स्थायी क्षणों दोनों का प्रतीक है। इस कैंपेन को मिली प्रतिक्रिया को लेकर हम काफी रोमांचित महसूस कर रहे हैं।

संवाद पत्र विक्रेता असोसिएशन (एसप्लानेड) द्वारा 76वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विधायक अशोक देव ने झंडोतोलन किया तथा अपने विचार रखे। इस मौके पर प्रमुख रूप से श्रीधर पांडेय, निमाई घोष, अनोज सिंह, सकील अंसारी और माजिद अंसारी उपस्थित थे।

10,550 किमी की स्केटिंग यात्रा पर निकली सोनी कोलकाता पहुंची

कोलकाता, समाज्ञा : 20 जनवरी को काशी से निकली सोनी चौरसिया अपनी एक भारत श्रेष्ठ भारत, अतुल भारत के अंतर्गत आरोग्य भारत रोलर स्केटिंग यात्रा रविवार को बर्दवान से चलकर 114 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए कोलकाता पहुंची जहां पर क्रीड़ा भारती व चौरसिया समाज के पदाधिकारी गोपाल चौरसिया लालबाबू एवं धर्मेश चौरसिया सहित उनकी टीम ने यात्रा का स्वागत किया एवं भोजन आवास की व्यवस्था की। आज यह यात्रा खड़गपुर के लिए रवाना होगी। अभी तक कुल 734 किलोमीटर की दूरी तय कर चुकी है। इस यात्रा को क्रीड़ा भारती अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत भारत विकास परिषद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं चौरसिया समाज का सहयोग प्राप्त सोनी जी के साथ

उनकी टीम में सोनी जी के गुरु राजेश डोगराहै मोटरसाइकिल से पायलटिंग कर रहे हैं। डॉ. सचिन रोहिल्ला पूरे कार्यक्रम की देख रेख, व्यवस्था और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड पर कार्य कर रहे हैं एवं गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए साक्षी दाते पूरी रास्ते का वीडियो बना रही है एवं कार्तिक चौरसिया सहयोगी के रूप में शामिल है।

श्री जैन विद्यालय, कोलकाता में गणतंत्र दिवस समारोह धूम-धाम से आयोजित

कोलकाता, समाज्ञा : श्री जैन विद्यालय, कोलकाता के प्रांगण में 26 जनवरी को भव्य गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि पावस शाह, सांवर मल अग्रवाला, विनोद कांकरिया, मनोज बोथरा और सरदारमल कांकरिया द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुई। अतिथि पावस शाह और विशिष्ट संवरमल अग्रवाला ने अपने भाषणों में छात्रों को प्रेरित किया और उन्हें अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करने की सीख दी। समारोह में विभिन्न प्रकार के प्रतियोगिताएं भी करवाई गई। जिसमें मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को 10,000, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को 7,500 और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को 5,000 की छात्रवृत्ति दी गई। साथ ही, पेंटिंग और निबंध लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं को क्रमशः 5,000, 3,000 और 2,000 रुपये के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। यह आयोजन छात्रों और उपस्थित जनसमूह के लिए देशभक्ति और प्रेरणा का अद्वितीय उदाहरण साबित हुआ।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ओबीसी विभाग के महासचिव इंतेखाब अख्तर के नेतृत्व में वार्ड 39 के मार्कस स्क्वायर मैदान, मुक्ताराम बाबू स्ट्रीट में 76वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में दीपक सिंह, सिराज राईन, बिकास यादव, मो. लुकमान, खालिद रजा, विक्रम सिंह, मो आलमगीर, मो हुसैन, गोविंदो चक्रवर्ती, मो. अनवर, राघवेंद्र चतुर्वेदी, मो. सईद, मो. पप्पू, मुकेश दास, बाबूनंद पांडे अन्य गणमान्य शामिल हुए।

सियालदह-डानकुनी सेक्शन में रिकॉर्ड समय में पूरा हुआ गर्डर रिप्लेसमेंट, ट्रेन संचालन फिर से हुआ शुरू

कोलकाता, समाज्ञा : सियालदह - डानकुनी सेक्शन में दमदम और डानकुनी के बीच रेल ओवर ब्रिज की स्टील गर्डर रिप्लेसमेंट का विशाल कार्य सफलता पूर्वक पूरा कर लिया गया। सोमवार की सुबह 04:00 बजे से ट्रेन संचालन फिर से बहाल हो गया। ब्रिज नंबर 10, 11, 15 और 19 पर रिगर्डरिंग का कार्य पूरी तरह से समाप्त हो चुका है और इस महत्वपूर्ण सेक्शन में बेलास्टेड ट्रैक भी बिछा दिया गया है। यह बड़ा कार्य 23 जनवरी को शुरू हुआ था और समय से पहले, यानी 27 जनवरी की सुबह 04:00 बजे, पूरा किया गया।

यह प्रोजेक्ट भारतीय रेलवे के नेटवर्क के विस्तार और उन्नति के लिए महत्वपूर्ण है, जो राष्ट्र की जीवन रेखा के रूप में कार्य करता है। इस परियोजना से सियालदह-डानकुनी सेक्शन की सुरक्षा, गति और संचालन क्षमता में सुधार होगा, जिससे रोजाना 40 मेल एवं एक्सप्रेस ट्रेनें और 22 जोड़ी ईएमयू लोकल ट्रेनें इस रूट से गुजरती हैं। इस परियोजना को पूरा करने में 1 हजार से अधिक श्रमिकों ने दिन-रात मेहनत की और पूर्व रेलवे के इंजीनियरों एवं अधिकारियों ने भी इस कार्य में योगदान दिया।

महाप्रबंधक मिलिंद के. देउस्कर के नेतृत्व में टीम सियालदह के प्रयासों ने इस परियोजना को सफल बनाया। सीसीआर लिंक में गर्डर रिप्लेसमेंट और ट्रैक बिछाने में कई तकनीकी चुनौतियां आईं, जिनमें जटिल भूगर्भीय स्थितियां, ट्रैक की ऊंचाई और सुरक्षा से संबंधित मुद्दे शामिल थे। यह सियालदह डिवीजन की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उल्लेखनीय है कि पिछले जून में सियालदह डिवीजन ने सियालदह स्टेशन के सभी प्लेटफार्मों को 12 कोच वाली ट्रेनों के लिए उपयुक्त बना दिया था।

हुगली प्रेस क्लब की 13वीं वर्षगांठ पर सम्मानित किये गए पत्रकार

हुगली, समाज्ञा : श्रीरामपुर स्थित हुगली प्रेस क्लब की 13वीं वर्षगांठ पर श्रीरामपुर के आरएमएस मैदान में जिले के हिंदी उर्दू बांग्ला समेत सेवानिवृत वरिष्ठ पत्रकारों को सम्मानित किया गया। इस दिन तरह-तरह के सांस्कृतिक, संगीतमय, रंगारंग कार्यक्रम आयोजित हुए। श्रीरामपुर के सांसद कल्याण बनर्जी ने अपने हाथों से दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम की शुरुआत की । कार्यक्रम में विशेष अतिथि के तौर पर हुगली जिला कलेक्टर मुक्ता आर्य, चंदननगर पुलिस कमिश्नर के कमिश्नर अमित पी जवालगी, डीसीपी अर्णव विश्वास, श्रीरामपुर महकमा शासक शंभू दीप सरकार, एसीपी, शुभंकर विश्वास,चापदानी विधायक अरिंदम गुइन, श्रीरामपुर नगर पालिका के चेयरमैन गिरधारी साहा रिसड़ा नगरपालिका के चेयरमैन विजय सागर मिश्रा, कोन्नगर नगरपालिका चेयरमैन स्वपन कुमार दास, वैद्यवाटी चेयरमैन पिंटू महतो वाइस चेयरमैन जाहिद हसन खान समेत हुगली प्रेस क्लब के तमाम सदस्य प्रतिष्ठित मीडिया हाउस के पत्रकार उपस्थित रहे।इस दिन हुगली जिले के हिंदी पत्रकारों में से भोलानाथ साहा, मुरली चौधरी, जय चौधरी, धनंजय पांडेय, सतीश गुप्ता, देव प्रकाश सिंह समेत हिंदी इंग्लिश बांग्ला उर्दू पत्रकारों को सम्मानित किया गया।

अखिल भारतीय क्षत्रिय समाज का वार्षिकोत्सव संपन्न

कोलकाता : अखिल भारतीय क्षत्रिय समाज के कोन्नगर- मखला अंचल का वार्षिकोत्सव व बिरादरी भोजन आयोजित हुआ। हुगली जिले के हिंदमोटर कॉलोनी क्लब मैदान में आयोजित इस समारोह में समाज के केंद्रीय कमेटी के पदाधिकारियों के साथ ही विभिन्न अंचलों के पदाधिकारी एवं सदस्यगण शामिल हुए। इस अवसर पर समाज के मुख्य सरक्षक जयप्रकाश सिंह ने समाज के सदस्यों को जरूरतमंदों की सेवा में और अधिक तत्पर होने के लिए प्रेरित किया। अध्यक्ष शेखर सिंह, महासचिव शंकर बक्श सिंह, ट्रस्ट सचिव कृष्णा सिंह, संरक्षक चंद्रिका बक्श सिंह, राकेश सिंह ने समाज द्वारा जनहित में किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। कोषाध्यक्ष श्रीप्रकाश सिंह ने सफल मंच संचालन किया। इस दौरान कोन्नगर-मखला अंचल के अध्यक्ष बीपी सिंह की सक्रीय भूमिका रही।

मौके पर उत्तरपाड़ा नगर पालिका के चेयरमैन दिलीप यादव, वाइस चेयरमैन खोखन मंडल, पार्षद डोली घोष यादव, मानसी सिंह, प्रदीप ओझा, सुरेंद्र सिंह आदि वशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

इस अवसर पर समाज के उपाध्याक्ष प्रभुनाथ सिंह, दामोदर सिंह, शिव शंकर सिंह, आरपी सिंह, सुधीर सिंह, गुड्डन सिंह, सारनाथ सिंह, शंकर सिंह, जंगबहादुर सिंह, अक्ष्यवर सिंह, शांतनु सिंह राय, शिवकुमार सिंह, शत्रुघ्न सिंह, कमलेश सिंह, रंगबहादुर सिंह, अनिल सिंह, राकेश सिंह, संजय सिंह, उदयभान सिंह, शैलेंद्र सिंह, प्रदीप सिंह, उमेश सिंह, अरुण सिंह, अजय सिंह, विनय सिंह, अशोक सिंह, राजू सिंह, जितेंद्र सिंह, राधे श्याम सिंह, आनंद मोहन सिंह सहित विभिन्न अंचलों के सदस्यों की महत्वपूर्ण भागीदारी रही।

न्यूज इन ब्रीफ

योगी आदित्यनाथ ने मेघालय के मुख्यमंत्री संगमा को जन्मदिन की बधाई दी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा के जन्मदिन पर उन्हें बधाई दी और उनके अच्छे स्वास्थ्य व दीर्घायु जीवन की कामना की। योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर अपने बधाई संदेश में कहा मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। प्रभु श्री राम आपको अच्छे स्वास्थ्य, दीर्घायु और अटूट ऊर्जा का आशीर्वाद दें ताकि आप मेघालय राज्य को विकास और समृद्धि की नई ऊंचाइयों पर ले जा सकें। नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के अध्यक्ष संगमा मेघालय के 12वें मुख्यमंत्री हैं। वह मेघालय के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व लोकसभा अध्यक्ष पी ए संगमा के बेटे हैं।

मुरादाबाद में बीएससी-नर्सिंग की छात्रा का शव फंदे से लटका पाया गया

मुरादाबाद (उप्र) : उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले की 21 वर्षीय बीएससी-नर्सिंग की छात्रा का शव सोमवार को मुरादाबाद जिले के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के केसरी कुंज कॉलोनी स्थित एक घर में फंदे से लटका पाया गया। पुलिस ने बताया कि मौके पर कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मौके से मिले मोबाइल फोन को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान देवरिया जिले के बभनी गांव निवासी ज्योति सिंह (21) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस अधीक्षक (नगर) कुमार रणविजय सिंह ने सोमवार को बताया कि सिविल लाइंस थाना पुलिस को सुबह सूचना मिली कि मुरादाबाद में पढ़ने वाली बीएससी नर्सिंग की छात्रा का शव किराये के कमरे में लटका पाया गया। पुलिस फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने तत्काल देवरिया जिले की रहने वाली छात्रा के परिजनों को सूचना दी। फोरेंसिक टीम की जांच के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

उप्र: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संतों के मंत्रोच्चार के बीच संगम में डुबकी लगाई

महाकुंभ नगर (उप्र) : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को प्रयागराज महाकुंभ में पहुंचकर त्रिवेणी संगम में संतों के मंत्रोच्चार के बीच डुबकी लगाई और कहा कि महाकुंभ सनातन संस्कृति की अविरल धारा का अद्वितीय प्रतीक है। उनके साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी थे। शाह ने कहा कि महाकुंभ समरसता पर आधारित हमारे सनातन जीवन-दर्शन को दर्शाता है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह सोमवार को महाकुंभ के पवित्र स्नान के लिए त्रिवेणी संगम पहुंचे। शाह की पत्नी सोनल शाह, बेटे जय शाह और उनकी पत्नी ऋषिता तथा उनके बच्चों ने महाकुंभ में अनुष्ठान किए। शाह ने दोपहर करीब एक बजे

डुबकी लगाई, 'जल आचमन' किया, सूर्य को जल अर्पित किया और कुछ शीर्ष संतों के मार्गदर्शन में अन्य अनुष्ठान किए। संत समाज ने उन्हें वैदिक विधि से स्नान करवाया और मां गंगा का पावन जल गृह मंत्री पर छिड़ककर पूजा-अर्चना कराई। संगम स्नान के बाद में शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''पवित्र त्रिवेणी संगम पर सामाजिक समरसता और सद्भाव के प्रतीक 'महाकुंभ' में पूज्य संतजनों के सान्निध्य में स्नान कर अभिभूत और भावविभोर हूं।'' उन्होंने कहा, मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती से सभी के कल्याण की कामना करता हूं।'' शाह ने एक अलग पोस्ट में कहा, ''महाकुंभ देशवासियों में एकता और सनातन परंपराओं के प्रति गौरव के भाव को भी बढ़ा रहा है। संगम तट पर परिवार के साथ पूजा-अर्चना कर देशवासियों की समृद्धि और उन्नति की प्रार्थना की।'' एक बयान के अनुसार, संगम स्नान के दौरान बाबा रामदेव और सतुआ बाबा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अलग से डुबकी लगवाई। संगम स्नान के बाद स्वामी रामदेव ने मुख्यमंत्री योगी का हाथ पकड़कर विशेष योग आसन ताड़ासन भी कराया।

नीतीश के बेटे के राजनीति में आने की अटकलें तेज

पटना : बिहार के राजनीतिक हलकों में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत के राजनीति में आने की अटकलें सोमवार को छाई रहीं। कुछ मीडिया संस्थानों में आयी खबरों में दावा किया गया कि निशांत अगले माह किसी समय अपने पिता की पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) में शामिल हो सकते हैं। जब मुख्यमंत्री के सबसे करीबी वरिष्ठ मंत्री श्रवण कुमार से इन अटकलों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं पता कि इन खबरों में कितनी सच्चाई है, लेकिन अगर निशांत राजनीति में आते हैं तो यह स्वागत योग्य कदम होगा।'' मंत्री ने यह भी बताया कि जद(यू) अध्यक्ष के बेटे ने हाल ही में पटना के बाहरी इलाके बख्तियारपुर में एक प्रभावशाली भाषण दिया था। जद(यू) के वरिष्ठ नेता ने कहा, ''अपने संबोधन के दौरान निशांत ने न केवल अपनी झिझक पर काबू पाने की क्षमता प्रदर्शित की, बल्कि उन्होंने प्रदेश को लेकर अपनी असाधारण समझ का भी प्रदर्शन किया जो उनकी पीढ़ी के लोगों में बहुत कम देखने को मिलती है।

न्यूज अपडेट

राजस्थान: हरियाणा पुलिस पर बदमाशों ने हमला कर आरोपी को छुड़ा लिया

जयपुर : राजस्थान के डीडवाना-कुचामन जिले में साइबर अपराध के एक आरोपी को गिरफ्तार करने गई हरियाणा पुलिस की टीम पर करीब एक दर्जन बदमाशों ने हमला कर पुलिस हिरासत से आरोपी को छुड़ा लिया। इस मामले में राजस्थान पुलिस ने चितावा थाना क्षेत्र से एक आरोपी को हिरासत में लिया और उससे पूछताछ की जाएगी। कुचामन सिटी के पुलिस उपाधीक्षक अरविंद बिश्नोई ने बताया कि घटना रविवार रात कुचामन शहर के काला भाटी की ढाणी में उस समय हुई जब हरियाणा पुलिस की एक टीम राणासर से ऑनलाइन धोखाधड़ी के एक आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद अपने वाहन से वापस जा रही थी। बिश्नोई ने बताया कि उस दौरान आरोपी के लगभग 8-10 साथियों ने हरियाणा पुलिस वाहन का पीछा करना शुरू कर दिया और उसे पीछे से टक्कर मार दी, जिससे वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। उन्होंने बताया कि हमलावरों ने न केवल पुलिस टीम के साथ मारपीट की बल्कि अपने साथी को भी छुड़ा लिया। बिश्नोई ने कहा कि हमलावरों ने पुलिस वाहन के चालक का भी अपहरण कर लिया लेकिन बाद में उसे एक टोल बूथ पर छोड़ दिया। हरियाणा पुलिस अधिकारियों को पास के एक होटल में शरण लेनी पड़ी।

मुजफ्फरपुर: पेड़ की डाल टूटकर गिरने से शिक्षिका की मौत, प्रधानाध्यापक घायल

मुजफ्फरपुर : बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के मीनापुर थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह एक सड़क हादसे में एक शिक्षिका की मौत हो गई जबकि स्कूल प्रधानाध्यापक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। मीनापुर थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि शिक्षिका विशाखा (25) और प्रधानाध्यापक बाबू राय तालीमपुर स्थित विद्यालय में कार्यरत थे। उन्होंने बताया कि एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर स्कूल जाने के दौरान प्रधानाध्यापक और शिक्षिका के ऊपर सड़क किनारे के एक पेड़ की डाल टूटकर अचानक गिर गयी जिससे शिक्षिका की मौत हो गई और प्रधानाध्यापक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। थानाध्यक्ष ने बताया कि उक्त मार्ग से गुजर रहे एक ट्रक के ऊपरी हिस्से से टकराकर सड़क किनारे के एक पेड़ की डाल टूटकर गिर पड़ी जिसकी चपेट में वहां से गुजर रही उक्त शिक्षिका और प्रधानाध्यापक आ गए। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है और घायल प्रधानाध्यापक को इलाज के लिए श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एसकेएमसीएच) में भर्ती कराया गया है।

सहारनपुर में 1.23 करोड़ रुपये की स्मैक के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

सहारनपुर (उप्र) : सहारनपुर जिले की नानौता पुलिस और 'एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स' (एएनटीएफ) की साझा टीम ने मादक पदार्थ के दो कथित तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 615 ग्राम स्मैक बरामद की है जिसकी अनुमानित कीमत एक करोड़ 23 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सागर जैन ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि नानौता पुलिस और एएनटीएफ की साझा टीम ने एक मुखबिर की सूचना पर मादक पदार्थ की तस्करी में लिप्त अम्बेहटा पीर के मोहल्ला किला निवासी नवाब उर्फ जुनैद और यमुना नगर निवासी मो.उस्मान को भोजपुरा तिलफरा चेकपोस्ट के पास से गिरफ्तार किया। जैन ने बताया कि अभियुक्तों के कब्जे से 615 ग्राम स्मैक, दो मोबाइल फोन एक हुंडई कार और 1730 रुपये की नकदी बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध थाना नानौता में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में बुजुर्ग पर मामला दर्ज, आरोपी की तलाश जारी

जयपुर : राजस्थान के झुंझुनूं जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में सोमवार को एक 14 वर्षीय नाबालिग से 60 वर्षीय बुजुर्ग द्वारा कथित तौर दुष्कर्म किये जाने का मामला सामने आया है। थानाधिकारी नारायण सिंह ने बताया कि पीड़ित नाबालिग युवती के परिजनों की ओर से आरोपी राजकुमार सोनी (60) के खिलाफ कथित दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी फरार है और उसकी तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, नाबालिग युवती आरोपी राजकुमार सोनी (60) के घर पर अस्थाई तौर पर साफ-सफाई का काम करती थी। उन्होंने कहा कि वह सोमवार को सुबह साफ-सफाई के लिए गई थी जहां आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया।

भाजपा सरकार 2014 से लगातार हरियाणा को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रही है : मुख्यमंत्री सैनी

चंडीगढ़ : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार के 2014 में सत्ता में आने के बाद से सरकार ने राज्य को आगे ले जाने की दिशा में अथक काम किया है। सैनी ने दावा किया कि सरकार ने क्षेत्रवाद और भाई-भतीजावाद को समाप्त किया है तथा ''सबका साथ, सबका विकास'' के मंत्र का पालन किया है। सैनी ने पिछली सरकारों पर क्षेत्रवाद, भाई-भतीजावाद और भ्रष्ट आचरण में लिप्त रहने का आरोप लगाया। सैनी अपनी सरकार के 100 दिन पूरे होने पर मीडिया से बात कर रहे थे। सैनी को 17 अक्टूबर 2024 को शपथ दिलाई गई थी। सैनी ने कहा कि 100 दिन में उनकी सरकार ने विधानसभा चुनाव से पहले अपने संकल्प पत्र में किए गए 240 वादों में से 18 को पूरा कर दिया है। सैनी ने कहा, ''हम लोगों से किए गए सभी वादों को पूरा करेंगे।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनकी सरकार हरियाणा के लोगों के कल्याण के लिए काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।''

धर्म का धंधा कर रही भाजपा : सपा नेता

बलरामपुर (उप्र) : उत्तर प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर ''धर्म का धंधा'' करने का आरोप लगाते हुए कहा कि ''धर्म की आड़ में लोगों के अधिकार छीनकर उन्हें प्रताड़ित करने'' की तैयारी जारी है। समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता पांडेय ने दावा किया कि 51 शक्ति पीठों में शामिल देवी पाटन धाम में दर्शन करने के लिए शुल्क लेने का कानून बनाकर पारित कर दिया गया जिसे जल्द ही लागू कर दिया जाएगा । पांडेय रविवार की देर शाम पूर्व मंत्री शिव प्रताप यादव की पुण्यतिथि

पर आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने बलरामपुर पहुंचे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि ''धर्म की आड़ में लोगों के अधिकार छीन कर उन्हें प्रताड़ित करने'' की तैयारी जारी है। उन्होंने कहा कि अब देवी पाटन मंदिर में दर्शन करने के लिए टिकट लेना पड़ेगा, जिसके लिए कानून पारित कर दिया गया है और इसे जल्द ही लागू कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, ''आज अयोध्या को बेचा जा रहा है। वहां के गरीबों से जमीन छीनकर बड़े-बड़े उद्योगपतियों को दे दी गई और वहां बड़े-बड़े होटल बनाकर वसूली की जा रही है।'' पांडेय ने कहा, ''आज दक्षिण भारत में भाजपा नहीं है, इसलिए वहां से लोगों को लाकर दर्शन कराए जा रहे हैं ताकि राजनीतिक और आर्थिक लाभ लिया जा सके।''

प्रधानमंत्री से पूजा स्थल अधिनियम को निरस्त करने की मांग

महाकुंभ नगर : जगद्गुरु विद्या भास्कर जी महाराज ने सोमवार को यहां आयोजित सनातन धर्म संसद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से पूजा स्थल अधिनियम को निरस्त करने की मांग करते हुए कहा कि 1991 में तत्कालीन सरकार ने बिना किसी से परामर्श किए यह कानून थोप दिया था ताकि हिंदुओं के मंदिरों को तोड़कर बनाई गई मस्जिदों पर कोई आंच ना आए। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से निवेदन है कि वह बहुमत के बल पर पूजा स्थल अधिनियम को निरस्त कर दें। तत्कालीन सरकार ने यह कानून बनाते समय कोई चर्चा तक नहीं की और देश पर इसे थोप दिया। उन्होंने कहा कि जब तक सनातन धर्म बचा है तभी तक संसार के सभी प्राणी बचे हैं, इसलिए सनातनियों की रक्षा के लिए सनातन बोर्ड आज के समय की मांग है। सनातन धर्म संसद की अध्यक्षता कर रहे निंबार्क पीठाधीश्वर श्याम शरण देवाचार्य ने कहा कि सनातन बोर्ड केवल सनातन धर्म को सुरक्षित नहीं करेगा, बल्कि यह भी सुनिश्चित करेगा कि हमारा आने वाला भविष्य कैसे सुरक्षित रहेगा। उन्होंने कहा कि आज सनातन बोर्ड इसलिए भी जरूरी है कि तिरुपति बालाजी जैसे मंदिर में कोई विधर्मी मिलावट ना कर सके। उन्होंने कहा कि पहले भारत के दायरे में ईरान, अफगानिस्तान, नेपाल, भूटान जैसे देश आते थे। लेकिन इन देशों की तरह भारत भी हिंदुओं के हाथ से ना चला जाए, इसके लिए सनातन बोर्ड जरूरी है। इस्कॉन से गौरांग दास जी महाराज ने कहा, जब उद्योगों के लिए सीआईआई, फिक्की जैसे संगठन हैं, मेडिकल के लिए आईएमए है तो सनातनियो को संगठित और सुरक्षित रखने के लिए सनातन बोर्ड जैसा संगठन क्यों नहीं है।

अयोध्या में दर्शन के लिए पहुंची महिला समेत दो श्रद्धालुओं की मौत

अयोध्या (उप्र) : भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या में सोमवार को पूजा-अर्चना करने आई एक महिला समेत दो बुजुर्ग श्रद्धालुओं की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने सोशल मीडिया पर चल रही उन खबरों का खंडन किया है, जिनमें कहा जा रहा है कि भगदड़ के कारण मौत हुई है। सूत्रों ने बताया कि हरियाणा निवासी एक महिला और एक पुरुष बेहोश हो गए और उन्हें श्री राम अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गयी। उन्होंने कहा कि 60 वर्ष से अधिक उम्र के दोनों मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। मौत का सही कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन अधिकारियों को संदेह है कि मौतों का कारण हृदयाघात है। इस बीच अयोध्या पुलिस ने एक बयान जारी करके कहा कि सोशल मीडिया मंच व्हाट्सएप के एक ग्रुप के माध्यम से यह असत्य खबर सार्वजनिक रुप से प्रसारित की जा रही है कि 'भीड़ के दबाव से एक महिला की मौत' हो गयी। अयोध्या पुलिस ने कहा कि वह इस भ्रामक खबर का खंडन करती है। महाकुंभ में स्नान के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्री रामलला के दर्शन के लिए भी पहुंच रहे हैं।

व्रत - त्यौहार

28.01.2025 : रटंती कालिकापूजा
29.01.2025 : मौनी अमावस्या
30.01.2025 : बल्लभ जयंती
01.02.2025 : वैनायकी श्री गणेश चतुर्थी व्रत
03.02.2025 : जगद्धात्री पूजा, अक्षय नवमी

जीवन में महादेव की इन 4 बातों को अपनाएं, खुशियों से भरा रहेगा जीवन

हिंदू धर्म में महादेव को देवों के देवता माना जाता है। यह विश्वास है कि सभी देवी-देवताओं में सबसे सरल भक्तों की भक्ति महादेव के प्रति होती है। महादेव उन देवताओं में सबसे पहले हैं जो वरदान देने में अग्रणी हैं, क्योंकि भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए केवल सच्चे मन की आवश्यकता होती है। वे एक लोटे जल से भी संतुष्ट हो जाते हैं।

सोमवार के दिन भगवान शिव और मां पार्वती की विधिपूर्वक पूजा करके उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया जा सकता है। लेकिन यदि आप अपने जीवन में अपार खुशियों की कामना करते हैं, तो भगवान शिव की कुछ महत्वपूर्ण बातों को अवश्य अपनाएं।

महिलाओं का सम्मान

शास्त्रों में यह उल्लेखित है कि भगवान शिव ने कभी भी नर और नारी में भेदभाव नहीं किया। शंकर भगवान के अर्धनारीश्वर अवतार में हम देखते हैं कि महादेव का आधा शरीर स्त्री का और आधा शरीर पुरुष का है। यह अवतार महिला और पुरुष दोनों की समानता का संदेश देता है। समाज, परिवार तथा मानस जीवन में जितना महत्व पुरुष का है उतना ही महत्व स्त्री का भी है। एक-दूसरे के बिना इनका जीवन अधूरा है, यह दोनों एक दूसरे के पूरक हैं।

मदद का भाव

शास्त्रों के अनुसार, जब भी हम भगवान शिव के बारे में पढ़ते हैं, तो यह स्पष्ट होता है कि भोलेनाथ हमेशा सेवा भाव और जन कल्याण के लिए तत्पर रहते हैं। इसका एक प्रसिद्ध उदाहरण है जब भगवान शिव ने समुद्र मंथन के दौरान सभी देवी-देवताओं को बचाने के लिए स्वयं विष का पान किया। उन्होंने यह सिद्ध किया कि जितना हम दूसरों की मदद करेंगे, उतना ही हमें सम्मान और प्रेम प्राप्त होगा।

समानता की भावना

महादेव के स्वभाव से हम सभी परिचित हैं। उन्होंने कभी भी अपने भक्तों और अन्य देवी-देवताओं के बीच भेदभाव नहीं किया। वे भक्ति करने वालों के प्रति समान भाव रखते हैं, चाहे वे असुर हों या देवी-देवता। भोलेनाथ अपने हर भक्त के लिए एक समानता की भावना रखते हैं। भगवान के इस दृष्टिकोण से हमें भी सभी लोगों के प्रति समान भाव रखने की प्रेरणा लेनी चाहिए और सभी को एक समान दृष्टि से देखना चाहिए।

शांति से कार्य करें

भगवान शिव की छवि में चंद्रमा उनके मस्तक पर विराजमान है, जो शांति और शीतलता का प्रतीक है। इस दृष्टिकोण से, हमें यह सीख मिलती है कि जीवन की किसी भी परिस्थिति में हमें शांति बनाए रखनी चाहिए।

वसंत पंचमी की तारीख को लेकर न हों कंफ्यूज, जानें पूजा मुहूर्त और विधि से लेकर सबकुछ

हिंदू धर्म में माघ माह को त्योहारों का महीना कहा जाता है, क्योंकि इस महीने में सकट चौथ, षटतिला एकादशी, मौनी अमावस्या और गुप्त नवरात्रि जैसे बड़े पर्व मनाए जाते हैं। इस दौरान वसंत पंचमी का पर्व भी इस माह में ही पड़ता है, जो संगीत की देवी मां सरस्वती की पूजा को समर्पित है। मान्यता है कि इस दिन उनकी उपासना करने से साधक की खुशियों में वृद्धि होती हैं। पंचांग की मानें तो हर साल माघ माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को वसंत पंचमी मनाई जाती है, इस दिन मां सरस्वती का जन्म हुआ था। इसी उपलक्ष्य में घर, मंदिरों व शिक्षा से जुड़े सभी संस्थानों में मां सरस्वती पूजा का भव्य आयोजन किया जाता है। यह दिन विद्यार्थियों के लिए और भी खास माना गया है। बता दें मां सरस्वती को विद्या, बुद्धि, संगीत, और रचनात्मकता की देवी कहा जाता है, देवी की उपासना से विद्यार्थियों के कला कौशल में निखार और ज्ञान में वृद्धि होती हैं। वहीं इस साल वसंत पंचमी कब है, यह असमंजस बना हुआ है। ऐसे में आइए इस लेख के माध्यम से सही डेट, योग और पूजा मुहूर्त के बारे में विस्तार से जानते हैं।

कब है वसंत पंचमी ?

पंचांग के अनुसार इस साल माघ माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 2 फरवरी 2025 को सुबह 9 बजकर 14 मिनट से शुरू होगी। इस तिथि का समापन 3 फरवरी को सुबह 6 बजकर 52 मिनट पर होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, 2 फरवरी 2025 को वसंत पंचमी का पर्व मनाया जाएगा।

सरस्वती पूजा मुहूर्त

इस साल 2 फरवरी 2025 को वसंत पंचमी के दिन पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 7 बजकर 9 मिनट से शुरू होगा, जो दोपहर 12 बजकर 35 मिनट तक रहेगा। ऐसे में आप इस अवधि के समय देवी सरस्वती की पूजा कर सकते हैं।

शुभ योग

पंचांग के मुताबिक 2 फरवरी को उत्तराभाद्रपद नक्षत्र का निर्माण होगा, जिस पर शिव और सिद्ध योग का संयोग रहेगा। इस तिथि पर सूर्य मकर राशि में रहेगें। इस दौरान अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12:13 से 12:56 मिनट तक रहेगा। अमृतकाल रात 20:24 से 21:53 मिनट तक है।

सरस्वती पूजा की सामग्री

वसंत पंचमी के दिन सरस्वती पूजा के लिए सामग्री में आप मां शारदा की तस्वीर, गणेश जी की मूर्ति और चौकी व पीला वस्त्र शामिल करें। इसके अलावा पीले रंग की साड़ी, माला, पीले रंग का गुलाल, रोली, एक कलश, सुपारी, पान का पत्ता, अगरबत्ती, आम के पत्ते और धूप व गाय का घी भी शामिल करें। वहीं कपूर, दीपक, हल्दी, तुलसी पत्ता, रक्षा सूत्र, भोग के लिए मालपुआ, खीर, बेसन के लड्डू और चंदन, अक्षत, दूर्वा, गंगाजल रखना न भूलें।

वसंत पंचमी पूजा विधि

- वसंत पंचमी के दिन पूजा के लिए पूजा स्थान पर एक चौकी लगाएं।
- अब उसपर पीला साफ वस्त्र बिछाएं।
- माता सरस्वती की मूर्ति स्थापित करें।
- देवी को पीले रंग के वस्त्र, फूल, रोली, केसर और हल्दी व चंदन अर्पित करें।
- मिठाई का भोग लगाएं और दीया जलाएं।
- मां सरस्वती के मंत्रों का जाप करें।
- अब आरती करके प्रसाद वितरित कर दें।

महाकुंभ स्नान के साथ पंचकोसी परिक्रमा जरूर करें, बनेंगे दोगुने पुण्य के भागी

प्रयागराज में महाकुंभ का शुभारंभ 13 जनवरी से हो चुका है, जिसमें देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालु पवित्र संगम में स्नान के लिए पहुंच रहे हैं। महाकुंभ में संगम में स्नान का विशेष महत्व है। माना जाता है कि इस पवित्र जल में डुबकी लगाने से व्यक्ति के समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं। साथ ही पंचकोसी परिक्रमा करने से आत्मा की शुद्धि होती है और मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। ऐसे में आइए जानते हैं पंचकोसी यात्रा और इसके लाभों के बारे में।

पंचकोसी परिक्रमा क्या है?

पंचकोसी परिक्रमा प्रयागराज तीर्थ के चारों ओर की यात्रा है, जो लगभग 60 किलोमीटर (20 कोस) में फैली हुई है। इस यात्रा में तीन मुख्य वेदियां अंतर्वेदी, मध्यवेदी और बहिर्वेदी शामिल होती हैं। यह क्षेत्र संगम, गंगा-यमुना के घाटों, तीर्थ स्थलों, कुंभ क्षेत्र और विभिन्न आश्रमों से होकर गुजरता है।

पंचकोसी परिक्रमा के लाभ

पंचकोसी परिक्रमा करने से व्यक्ति को आध्यात्मिक शांति और पवित्रता का अनुभव होता है। यह पांच विकारों काम, क्रोध, मोह, मद और लोभ से मुक्ति दिलाने में सहायक होता है। इसे करने से सभी तीर्थों के दर्शन का पुण्य प्राप्त होता है और जीवन में सुख-समृद्धि का संचार होता है।

महाकुंभ में पंचकोसी परिक्रमा का महत्व

2025 का महाकुंभ विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि ऐसा दुर्लभ योग 144 वर्षों के बाद आया है। महाकुंभ में संगम में स्नान और पंचकोसी परिक्रमा करने से न केवल व्यक्ति को आध्यात्मिक लाभ मिलता है, बल्कि उनके परिवार और पितरों को भी पुण्य की प्राप्ति होती है। माना जाता है कि यह परिक्रमा करने से व्यक्ति को जीवन के अंतिम समय में सद्गति प्राप्त होती है।

साधु-संतों की भागीदारी

पंचकोसी परिक्रमा साधु-संतों के लिए भी अत्यधिक महत्व रखती है। नागा साधु और अखाड़ों के संत भी इस परिक्रमा में भाग लेते हैं। इस दौरान तीर्थ स्थलों के दर्शन और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव होता है, जो ज्ञान, विवेक और आत्मबल को बढ़ाने में सहायक होता है।

आध्यात्मिक लाभ के लिए करें परिक्रमा

महाकुंभ में संगम में डुबकी लगाने के साथ पंचकोसी परिक्रमा अवश्य करें। यह यात्रा न केवल आत्मिक शांति प्रदान करती है, बल्कि जीवन में सकारात्मकता और मोक्ष का मार्ग भी प्रशस्त करती है।

वसंत पंचमी पर चाहिए मां सरस्वती का आशीर्वाद? तो इन चीजों का करें दान

जल्द ही वसंत पंचमी आने वाला है, ये त्योहार मां सरस्वती की पूजा के लिए जाना जाता है। यह त्योहार अपने पीले कपड़ों, खान-पान के लिए भी जाना जाता है। लोग अपने-अपने घरों में सरस्वती मां की पूजा करते हैं। सनातन धर्म में वसंच पंचमी का विशेष महत्व होता है। माना जाता है कि वसंत पंचमी के दिन सरस्वती मां की पूजा करने से ज्ञान और विद्या का आशीर्वाद मिलता है और व्यक्ति अपने-अपने क्षेत्र में कामयाबी हासिल करता है। वहीं, कम ही लोगों को पता है कि इस दिन दान देने से भी मां सरस्वती का खूब आशीर्वाद मिलता है। ऐसे में आज की इस खबर में हम आपको बताने जा रहे हैं कि वसंत पंचमी के दिन कौन सी चीजों का दान करना चाहिए और क्यों?

पढ़ाई में आ रही परेशानियों से मिलेगा छुटकारा

विद्यार्थियों के लिए वसंत पंचमी का विशेष महत्व है। इस दिन विद्यार्थी और बच्चे पूरे मन और श्रद्धा से सरस्वती मां की पूजा करते हैं और करियर में सफलता पाने की इच्छा जाहिर करते हैं। इस वसंत पंचमी के दिन बच्चों को अलग तरीके से सरस्वती मां की पूजा करनी चाहिए। उन्हें मोदक, फूल, मीठे चावल और पीले रंग के फूल अर्पित करने चाहिए। इस तरह से पूजा कर के पढ़ाई में आ रही परेशानियों से जल्द ही छुटकारा मिल जाता है।

पूजा करने के साथ इन मंत्रों का करें जाप

सरस्वती पूजा के दिन आपको पूरे विधि-विधान से पूजा को करनी ही है। इसके साथ ही कुछ महत्पवूर्ण मंत्रों का भी जाप करना है। इससे आपको शिक्षा के क्षेत्र में जल्द ही सफलता मिलेगी।

पूजा के दौरान इन मंत्रों का करें जाप...

ॐ सरस्वत्यै नमः
ॐ ह्रीं ऐं ह्रीं सरस्वत्यै नमः
ॐ ऐं ह्रीं क्लीं महासरस्वती देव्यै नमः
ॐ भूर्भुवः स्वः सरस्वती देव्यै इहागच्छ इह तिष्ठ

वसंत पंचमी पर इन चीजों का करें दान

ज्ञान की देवी को खुश करने के लिए इस खास दिन पर कुछ चीजों का दान भी करना चाहिए। वसंत पंचमी पर पढ़ाई-लिखाई से जुड़ीं चीजें जान करनी चाहिए। इससे किसी भी व्यक्ति के करियर में काफी उन्नति प्राप्त होती है। जरूरतमंद बच्चों को पेंसिल, किताबें और पेन दान में देना शुभ माना जाता है।

न्यूज इन ब्रीफ

असम के डीजीपी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह को राज्य से कार्यमुक्त किया गया, सीआरपीएफ के महानिदेशक बनेंगे

गुवाहाटी : असम के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के पद पर दो साल रहने के बाद, वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिदेशक के तौर पर सेवा देने के लिए सोमवार को राज्य से कार्य मुक्त कर दिया गया। एक सरकारी आदेश में यह जानकारी दी गई। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 1991 बैच के असम-मेघालय कैडर के अधिकारी एक फरवरी 2023 से असम के पुलिस महानिदेशक थे। गृह एवं राजनीतिक मामलों के आयुक्त और सचिव विश्वजीत पेगु ने एक अधिसूचना में कहा, ''प्रभार सौंपने की तारीख से अधिकारी को कार्यमुक्त किया जाता है।'' उन्होंने कहा कि निवर्तमान डीजीपी नवंबर 2027 में सेवानिवृत्त होने या अगले आदेश तक, सीआरपीएफ के महानिदेशक रहेंगे। हालांकि, आदेश में यह उल्लेख नहीं किया गया है कि ज्ञानेंद्र सिंह कब विशेष पुलिस महानिदेशक हरदीप सिंह को प्रभार सौंपेंगे, जिन्हें डीजीपी का कामकाज देखने के लिए अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

ओडिशा: विषैला फल खाने के बाद 10 आदिवासी बच्चे बीमार

जाजपुर : ओडिशा के जाजपुर जिले में रविवार को कथित तौर पर विषैला फल खाने से कम से कम 10 आदिवासी बच्चे बीमार पड़ गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पांच से ग्यारह वर्ष आयुवर्ग के ये बच्चे धर्मशाला पुलिस सीमा के अंतर्गत स्थित अरुहा हतासाही में खेल रहे थे तभी उनकी नजर एक पेड़ पर पड़ी जिसमें फल लगे हुए थे। बच्चों ने फल खा लिए और कुछ देर में घर लौट आए। घर लौटने के बाद सभी बच्चों को उल्टियां होने लगी और पेट में दर्द भी होने लगा। स्थानीय लोगों ने बताया कि बच्चों को पहले धर्मशाला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया, उनकी हालत बिगड़ने पर उन्हें कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिस फल को खा कर बच्चे बीमार हुए हैं उसकी अभी पहचान नहीं हो पाई है। बच्चे अब भी बीमार हैं और वे चिकित्सकों को फल के बारे में ठीक से जानकारी नहीं दे पाए हैं। घटना के बाद एक सार्वजनिक स्वास्थ्य सलाह जारी की गई है, जिसमें लोगों से अपरिचित फलों का सेवन करने से बचने और विषाक्तता का कोई भी लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सा सहायता लेने का आग्रह किया गया है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने पहले 'मोबाइल फॉरेंसिक' वाहन का लोकार्पण किया

मुंबई : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को अपराध स्थल से साक्ष्य जुटाने में मदद के लिए 'मोबाइल फॉरेंसिक' वाहन का लोकार्पण किया और दावा किया कि इस तरह की पहल करने वाला महाराष्ट्र पहला राज्य बन गया है। फडणवीस ने मुंबई के सह्याद्रि अतिथि गृह में 'मोबाइल फॉरेंसिक' वाहन का लोकार्पण किया। राज्य के गृह मंत्रालय का भी प्रभार संभाल रहे फडणवीस ने कहा कि सात साल या उससे अधिक की सजा के प्रावधान वाले अपराधों को साबित करने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 के तहत फॉरेंसिक साक्ष्य जुटाना अनिवार्य कर दिया गया है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''इन सुधारों के हिस्से के तौर पर, महाराष्ट्र 'मोबाइल फॉरेंसिक' वाहन की शुरुआत करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है।''

बाघ का शिकार करने वाले गिरोह के साथ जुड़े 'हिस्ट्रीशीटर' को पकड़ा गया

चंद्रपुर : महाराष्ट्र में चंद्रपुर जिले के राजुरा वनक्षेत्र में बाघ के शिकार से संबंधित कई मामलों से कथित तौर पर जुड़े एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राजूरा तहसील में संरक्षित वनक्षेत्र में अजित राजगोंड की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद उसे गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि अजित का बहेलिया गिरोह के कुछ शिकारियों के साथ कथित तौर पर संबंध है। अधिकारी ने कहा, ''उसे संदेह के आधार पर गिरफ्तार किया गया और एक स्थानीय अदालत ने उसे आगे की जांच के लिए 31 जनवरी तक वन विभाग की हिरासत में भेज दिया है।

'एक देश, एक चुनाव' पर बहस लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए महत्वपूर्ण : मोदी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को 'एक देश, एक चुनाव' को लेकर देश में जारी बहस को भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए 'महत्वपूर्ण' और युवाओं के भविष्य से जुड़ा विषय करार दिया तथा उनसे इसमें सक्रिय रूप से भाग लेने तथा इसे बढ़ावा देने का आह्वान किया। राजधानी दिल्ली स्थित के करिअप्पा परेड मैदान में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की वार्षिक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने यह यह बात कही। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद काफी समय तक लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ होते थे, लेकिन फिर ये क्रम टूट गया, जिससे देश को बहुत नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने कहा, ''हर चुनाव में मतदाता सूची अपडेट होती है, बहुत सारे काम होते हैं और इसमें अक्सर हमारे शिक्षकों की ड्यूटी लगती है। जिस कारण से पढ़ाई प्रभावित होती हैं। बार बार होने वाले चुनावों की वजह से शासन में भी मुश्किलें आती हैं। '' उन्होंने कहा कि इसलिए देश में 'एक देश, एक चुनाव' पर बहस चल रही है और लोग अपने-अपने विचार रख रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकसभा और विधानसभों के चुनाव एक साथ कराने से व्यवधान दूर हो सकते हैं और अधिक केंद्रित शासन दृष्टिकोण को अमल में लाया जा सकता है। उन्होंने कहा, ''भारत के युवाओं से मैं आग्रह करता हूं कि आप जहां भी हों, इस बहस को आगे बढ़ाएं और बड़ी संख्या में इसमें हिस्सा लें क्योंकि ये आपके भविष्य से जुड़ा विषय है।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चर्चा में भाग लेना भारत के भविष्य के राजनीतिक परिदृश्य को आकार देने के लिए आवश्यक है। अन्य देशों की तुलना में भारत में बार-बार होने वाले चुनावों का जिक्र करते हुए, मोदी ने कहा कि अमेरिका में भी चुनावी चक्र व्यवस्थित है। उन्होंने रेखांकित किया कि अमेरिका जैसे देशों में हर चार साल में चुनाव होते हैं और नई सरकार के गठन की तारीखें तय होती हैं।

दिल्ली चुनाव: महिलाओं को मासिक 2,100 रुपये से लेकर स्वच्छ पेयजल तक, केजरीवाल ने 15 'गारंटी' की घोषणा की

नयी दिल्ली : आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले सोमवार को पार्टी का घोषणापत्र जारी किया जिसमें महिलाओं को मासिक 2,100 रुपये, 24 घंटे स्वच्छ पेयजल, बुजुर्गों को मुफ्त स्वास्थ्य सुविधाएं और छात्रों के लिए मेट्रो के किराए में 50 प्रतिशत तक छूट जैसे कई वादे किए गए हैं। केजरीवाल ने कहा कि अगर पार्टी पांच फरवरी के चुनाव में सत्ता में वापसी करती है तो मुफ्त शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, महिलाओं के लिए बस यात्रा, पानी, बिजली समेत आप सरकार की मौजूदा छह 'रेवड़ियां' जारी रहेंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आप की सभी मुफ्त योजनाओं को बंद कर देगी। उन्होंने दावा किया कि इसके परिणामस्वरूप दिल्ली के लोगों पर हर महीने 25,000 रुपये का मासिक बोझ बढ़ जाएगा। ''केजरीवाल की गारंटी'' शीर्षक से पार्टी का घोषणापत्र जारी करते हुए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने एक 'गारंटी कार्ड' पर हस्ताक्षर किया और संकल्प जताया कि राष्ट्रीय राजधानी में सरकार बनते ही आप महिलाओं को हर महीने 2,100 रुपये देगी।

मैं बनिया हूं, सभी योजनाओं के लिए पैसे का इंतजाम कर लूंगा: केजरीवाल

दिल्ली में विधानसभा चुनाव के महज 10 दिन शेष रह जाने के बीच आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने सामवार को जनसभाओं में अपनी जाति का जिक्र करते हुए मतदाताओं से कहा कि वह 'बनिया' हैं और जानते हैं कि उन्होंने जिन कल्याणकारी योजनाओं का वादा किया हैं, उनके लिए धन का प्रबंध कैसे करना है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने पालम, मटियाला और बिजवासन में जनसभाओं को संबोधित किया। अपनी सभाओं के दौरान उन्होंने अपनी पार्टी के शासन मॉडल के बारे में बात की तथा मुफ्त बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा समेत कल्याणकारी योजनाओं के बारे में सवालों और आलोचनाओं का जवाब दिया।

सेवा में कमी के लिए एयरलाइन संचालक 50 हजार रुपये का मुआवजा दे: उपभोक्ता मंच

चेन्नई : तमिलनाडु के एक उपभोक्ता मंच ने एक एयरलाइन संचालक को निर्देश दिया है कि वह एक बुजुर्ग दम्पति को फ्रैंकफर्ट की उनकी यात्रा के दौरान सेवा में कमी के लिए 50,000 रुपये का मुआवजा दे। चेन्नई दक्षिण के जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग की अध्यक्ष बी जिजा ने हाल में यह आदेश दिया। उन्होंने कहा कि चूंकि शिकायतकर्ताओं ने एयरलाइन के माध्यम से अपनी यात्रा पूरी की थी, इसलिए वे टिकट के पैसे वापस पाने के हकदार नहीं हैं। उन्होंने लुफ्थांसा जर्मन एयरलाइंस को सेवा में कमी का दोषी ठहराते हुए मुआवजा के रूप में 50,000 रुपये तथा कानूनी लागत के लिए 5,000 रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया। अड्यार निवासी 68 वर्षीय जोजू डोमिनिक और उनकी पत्नी 64 वर्षीय जैस्मीन जोजू ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 35 के तहत मंच के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी। अपनी इस शिकायत में दम्पति ने मंच से मांग की थी कि एयरलाइन संचालक को चेन्नई-फ्रैंकफर्ट-वैंकूवर-फ्रैंकफर्ट-चेन्नई यात्रा के लिए टिकटों के 3,57,509 रुपये वापस करने और यात्रा के दौरान उन्हें हुई मानसिक पीड़ा के लिए मुआवजे के रूप में पांच लाख रुपये देने का निर्देश दिया जाए। उन्होंने दावा किया कि उनकी उड़ान में डेढ़ घंटे की देरी हुई और इसलिए वे फ्रैंकफर्ट में कनेक्टिंग फ्लाइट से चूक गए। देरी का कारण विमान की सफाई था।

विवेकानंद के बाद मोदी भारत की संस्कृति को विश्व मंच पर नयी पहचान दिलाने वाले पहले नेता: वैष्णव

नयी दिल्ली : केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वामी विवेकानंद के बाद भारत की संस्कृति और विरासत को विश्व मंच पर नयी पहचान दिलाने वाले पहले नेता हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्री वैष्णव ने यह टिप्पणी तब की जब उन्होंने और संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने मीडिया और मनोरंजन उद्योग के लिए ई-मार्केटप्लेस 'वेव्स बाजार' की शुरुआत की। यह कंटेंट निर्माताओं को बाजार से जोड़ने, सहयोग करने और विकास करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। ई-मार्केटप्लेस की शुरुआत ऐसे समय में की गई है जब भारत इस साल पहली बार 'वर्ल्ड ऑडियो वीडियो एंड इंटरटेनमेंट समिट' (वेव्स) की मेजबानी करने जा रहा है। वैष्णव ने कहा कि आर्थिक मामलों के लिए दावोस जिस तरह का मंच है, प्रधानमंत्री मोदी ने रचनात्मक अर्थव्यवस्था के लिए उसी तरह 'वेव्स' की शुरुआत की है। वैष्णव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के बाद मोदी पहले ऐसे नेता हैं जिन्होंने भारत की संस्कृति और विरासत को विश्व मंच पर नयी पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा, ''विवेकानंद के बाद पहली बार भारत से ऐसा नेतृत्व उभरा जो अपनी संस्कृति पर गर्व करता है और इसे विश्व मंच पर पेश कर रहा है।'' इससे पहले, वैष्णव और शेखावत ने 'वेव्स बाजार' की शुरुआत की।

दिल्ली में ऐतिहासिक हार का सामना कर रही भाजपा अनुचित तरीकों का सहारा ले रही: मुख्यमंत्री आतिशी

नयी दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हताशा में अनुचित तरीके अपनाने का आरोप लगाया और दावा किया कि राष्ट्रीय राजधानी में आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा की ''ऐतिहासिक हार'' होगी। यहां संवाददाता सम्मेलन में, आतिशी ने आरोप लगाया कि भाजपा जनादेश अपने पक्ष में करने के लिए जानबूझकर कर दिल्ली की जलापूर्ति बाधित कर रही है। उन्होंने कहा, ''भाजपा राष्ट्रीय राजधानी में ऐतिहासिक हार की ओर बढ़ रही है। अपनी घबराहट में वह पानी की आपूर्ति रोकने जैसे हथकंडे अपना रही है। हरियाणा औद्योगिक कचरे को इरादतन यमुना नदी में बहा रहा है, ताकि दिल्ली के लोगों को नुकसान पहुंचाया जा सके और चुनाव परिणाम को गलत तरीके से प्रभावित किया जा सके।'' मुख्यमंत्री ने रेखांकित किया कि यमुना के पानी में अमोनिया की मौजूदगी 7.2 पीपीएम तक बढ़ गई है, जो अभूतपूर्व स्तर है। उन्होंने दावा किया कि इस प्रदूषण के कारण दिल्ली में जल शोधन संयंत्रों के संचालन में बाधा उत्पन्न हुई है, जिससे संकट और बढ़ गया है। इस बीच, आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''लोगों को प्यासा मारने से बड़ा कोई पाप नहीं है। अपनी गंदी राजनीति के लिए, भाजपा दिल्ली के लोगों को प्यासा मारना चाहती है। हरियाणा से भाजपा कार्यकर्ता पानी में जहर मिलाकर दिल्ली भेज रहे हैं। अगर यह पानी दिल्ली वासियों ने पी लिया तो कई लोगों की जान चली जाएगी। क्या इस से घिनौना काम कोई हो सकता है? जो जहर पानी में मिलाकर भेजा जा रहा है, वह जल शोधन संयंत्र में भी साफ नहीं हो सकता। दिल्ली के लोगों की सुरक्षा के लिए कई इलाकों में पानी बंद करना पड़ रहा है।'' केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) चाहती है कि नागरिकों को यथासंभव कम परेशानी हो, जबकि भाजपा से जुड़े लोग दिल्ली के लोगों की ''सामूहिक हत्या'' करना चाहते हैं, ''लेकिन हम ऐसा कतई नहीं होने देंगे।''

दिल्ली चुनाव में भाजपा के करनैल सिंह 259 करोड़ रु. की संपत्ति के साथ सबसे अमीर प्रत्याशी: एडीआर

नयी दिल्ली : चुनाव विश्लेषण करने वाली संस्था 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर) के अनुसार दिल्ली विधानसभा चुनाव में किस्मत आजमा रहे 699 उम्मीदवारों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के करनैल सिंह सबसे अमीर प्रत्याशी हैं जिनकी संपत्ति 259 करोड़ रुपये है। तीन उम्मीदवारों ने अपने हलफनामे में किसी भी तरह की संपत्ति का खुलासा नहीं किया है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में 2020 के 672 उम्मीदवारों की तुलना में इस बार 699 प्रत्याशी मैदान में हैं। एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार पांच उम्मीदवार अरबपति हैं, जिन्होंने 100 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति घोषित की है। इसमें बताया गया कि तीन प्रतिशत यानी 23 उम्मीदवारों ने 50 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति घोषित की है। ऐसे उम्मीदवार 31.76 प्रतिशत या 222 हैं जिन्होंने अपने हलफनामे में 10 लाख रुपये से कम की संपत्ति की सूचना दी। एडीआर ने कहा, ''पांच सबसे अमीर उम्मीदवार में 259.67 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ करनैल सिंह (भाजपा, शकूर बस्ती), 248.85 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ मनजिंदर सिंह सिरसा (भाजपा, राजौरी गार्डन), 130.90 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ गुरचरण सिंह (कांग्रेस, कृष्णा नगर), 115.63 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ प्रवेश वर्मा (भाजपा, नयी दिल्ली) और 109.90 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ ए धनवती चंदीला (आप, राजौरी गार्डन) हैं।''

हम इन दो हफ्तों को कभी नहीं भूलेंगे : कोल्डप्ले

नयी दिल्ली : ब्रिटिश रॉक बैंड 'कोल्डप्ले' ने भारत के अपने दौरे में पिछले दो सप्ताह के दौरान उन्हें मिले प्यार के लिए प्रशंसकों को धन्यवाद दिया। बैंड ने अपने 'म्यूजिक ऑफ द स्फियर्स वर्ल्ड टूर' के तहत अहमदाबाद में भारत दौरे की अपनी अंतिम संगीत प्रस्तुति दी। क्रिस मार्टिन, गाइ बेरीमैन, जॉनी बकलैंड और विल चैंपियन के इस बैंड ने 18 जनवरी को मुंबई से अपना भारत दौरा शुरू किया था और वहां तीन प्रस्तुतियां दीं। इसके बाद उसने अहमदाबाद में 25 और 26 जनवरी को दो और संगीत कार्यक्रम किए। कोल्डप्ले ने रविवार को अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में प्रस्तुति के कुछ घंटों बाद 'एक्स' पर लिखा, ''धन्यवाद अहमदाबाद, धन्यवाद भारत। हम इन दो सप्ताह को कभी नहीं भूलेंगे। आपका प्यार हमेशा हमारे साथ रहेगा।'' 'हिम फॉर द वीकेंड', 'द साइंटिस्ट', 'क्लॉक्स', 'येलो' और 'स्पीड ऑफ साउंड' जैसे गानों के लिए मशहूर कोल्डप्ले ने भारत में पहली बार 2016 में मुंबई के ग्लोबल सिटिजन फेस्टिवल में प्रस्तुति दी थी। प्रस्तुतियों के दौरान मार्टिन ने हिंदी, मराठी और गुजराती में बातचीत करके दर्शकों का दिल जीता।

क्या गंगा में स्नान करने से गरीबी खत्म होगी? भाजपा वाले कैमरे के समक्ष डुबकी लगा रहे हैं: खरगे

महू (मप्र) : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा प्रयागराज में त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाने के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को पूछा कि क्या गंगा में डुबकी लगाने से गरीबी समाप्त हो जाएगी? उन्होंने कटाक्ष किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं में कैमरे के समक्ष डुबकी लगाने की होड़ मची है। मध्य प्रदेश के इस शहर में 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि भाजपा नेता तब तक डुबकी लगाते रहते हैं जब तक कि यह कैमरे पर अच्छा न लगे (अच्छी तरह से फिल्माया न जा सके)। हालांकि उन्होंने जोर दिया कि वह यह कहकर किसी की आस्था पर सवाल नहीं उठा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी को उनकी टिप्पणी से ठेस पहुंची हो तो वह इसके लिए माफी मांगते हैं। खरगे ने कहा, (नरेन्द्र) मोदी के झूठे वादों के जाल में मत फंसिए। क्या गंगा में डुबकी लगाने से गरीबी खत्म हो जाती है? क्या इससे आपका पेट भर जाता है? मैं किसी की आस्था पर सवाल नहीं उठाना चाहता। अगर किसी को बुरा लगा हो तो मैं माफी मांगता हूं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''लेकिन मुझे बताइए, जब एक बच्चा भूख से मर रहा है, स्कूल नहीं जा रहा है, मजदूरों को उनका हक नहीं मिल रहा है, ऐसे समय में ये लोग हजारों रुपये खर्च कर रहे हैं और (गंगा में) डुबकी लगाने की होड़ में लगे हैं।'' उन्होंने कहा कि वे तब तक डुबकी लगाते रहते हैं जब तक कि यह कैमरे पर अच्छा न दिखने लगे। खरगे ने कहा, ऐसे लोग देश का भला नहीं कर सकते।

दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों को फिर से गुलाम बनाया जा रहा: राहुल गांधी ने भाजपा पर हमला बोला

महू (मप्र) : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को दावा किया कि देश में दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों और सामान्य जाति के गरीब लोगों को फिर से ''गुलाम'' बनाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि 21वीं सदी के लिए सत्तारूढ़ भाजपा का दृष्टिकोण यह है कि ऐसे लोगों से या तो मजदूरी कराई जाए या आवाज उठाने पर जेल भेज दिया जाए। गांधी पिछले कुछ दिन से अस्वस्थ थे जिसकी वजह से वह पिछले सप्ताह कर्नाटक के बेलगावी में 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' रैली में भाग नहीं ले सके और साथ ही दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भी प्रचार नहीं कर पाए। उन्होंने यहां एक रैली में कांग्रेस के सामाजिक न्याय के नारे पर जोर दिया और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर बी आर आंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाया। गांधी ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पर उनकी इस टिप्पणी को लेकर हमला बोला कि अयोध्या में राम मंदिर की स्थापना के दिन से ही भारत में ''सच्ची आजादी'' आई। पूर्व कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि भागवत के बयान से पता चलता है कि वह संविधान में विश्वास नहीं करते। उन्होंने कहा कि यह टिप्पणी आंबेडकर के उस जीवन का अपमान है जो संविधान निर्माण के लिए समर्पित था। आंबेडकर का जन्म मध्य प्रदेश के महू में हुआ था। गांधी ने यहां 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''कुछ दिन पहले आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि भारत को आजादी 15 अगस्त 1947 को नहीं मिली थी और असली आजादी तो मोदी जी के आने के बाद मिली है। यह संविधान पर सीधा हमला है।''

संसदीय समितियों पर चीजें थोपी जा रही हैं : कांग्रेस नेता गौरव गोगोई

नयी दिल्ली : कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने सोमवार को कहा कि वक्फ विधेयक पर विचार कर रही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ''सरकार के लिए रबर स्टैम्प'' बन गई है क्योंकि उसने सत्तारूढ़ सदस्यों द्वारा प्रस्तावित सभी संशोधनों को स्वीकार कर लिया जबकि विपक्षी सांसदों के संशोधनों को नकार दिया है। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गो-गोई ने आरोप लगाया कि विपक्षी सदस्यों के प्रस्तावों को खारिज करना यह दर्शाता है कि संसदीय समितियों पर चीजें थोपी जा रही हैं। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''एक संयुक्त संसदीय समिति में सत्तारूढ़ पार्टी के सांसदों द्वारा सुझाए गए सभी संशोधनों को स्वीकार कर लिया जाना, जबकि विपक्ष द्वारा प्रस्तावित सभी संशोधनों को खारिज कर दिया जाना, यह दर्शाता है कि संसदीय समितियों पर चीजें थोपी जा रही हैं।

न्यूज अपडेट

नगालैंड: 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' अभियान के तहत कांग्रेस ने निकाली रैली

कोहिमा : नगालैंड में कांग्रेस ने सोमवार को डॉ. बी आर आंबेडकर के सम्मान के लिए और भारतीय संविधान के मूल्यों को बनाए रखने के उद्देश्य से जारी 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' अभियान के तहत एक विरोध रैली आयोजित की। विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए, लोकसभा सदस्य और नगालैंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एनपीसीसी) के अध्यक्ष एस. सुपोंगमेरेन जमीर ने कहा कि यह प्रदर्शन संविधान के निर्माता डॉ. बीआर आंबेडकर के खिलाफ भाजपा नेताओं की टिप्पणी और संविधान को कमजोर करने के उनके कथित प्रयासों का विरोध करने के लिए है। उन्होंने संवैधानिक मूल्यों की रक्षा और सभी के लिए न्याय व समानता सुनिश्चित करने के लिए कांग्रेस पार्टी की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

आगरा मंडल का सुरक्षा विभाग गति संकेत देने में रहा 'विफल', ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त होने से बची

नयी दिल्ली : रेलवे के आगरा मंडल के सुरक्षा विभाग की कथित लापरवाही के बीच 22 जनवरी को एक एक्सप्रेस ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त होने से बाल-बाल बच गई। ऐसा तब हुआ जब लालगढ़ सुपरफास्ट एक्सप्रेस के लोको पायलट को कीथम और फराह स्टेशनों के बीच गति संबंधी सतर्कता संकेत नहीं दिखा। आगरा मंडल के एक प्रवक्ता ने कहा, ''लापरवाही के लिए जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की गई है।'' हालांकि, उन्होंने कार्रवाई का ब्यौरा नहीं दिया। सूत्रों ने बताया कि कीथम और फराह स्टेशनों के बीच मरम्मत कार्य के कारण 20 किलोमीटर प्रति घंटे की गति सीमा तय की गई थी और वहां से गुजरने वाली सभी ट्रेनों को इस गति सीमा को बनाए रखना था। सूत्रों ने कहा, ''ट्रेन चालक दल की कोई गलती नहीं है क्योंकि संबंधित विभागों, ट्रेन नियंत्रक और स्टेशन मास्टर ने उन्हें निर्धारित गति के बारे में सचेत नहीं किया।'' उन्होंने कहा, ''बाद में, संबंधित स्थान के पास सावधानी का संकेत देखने के बाद लोको पायलट ने ट्रेन की गति धीमी कर दी थी। हालांकि, जब तक उसने ब्रेक लगाया, तब तक ट्रेन संबंधित हिस्से को 20 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की गति से पार कर चुकी थी।''

ईडी ने राजस्थान के पूर्व विधायक से जुड़े परिसरों पर छापेमारी की

नयी दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने स्कूलों के लिए खेल उपकरण की खरीद में विधायक-क्षेत्र विकास निधि के कथित घोटाले से संबंधित धन शोधन जांच में राजस्थान के बहरोड़ के पूर्व विधायक बलजीत यादव और उनसे जुड़े व्यक्तियों एवं कंपनियों के राजस्थान और हरियाणा स्थित नौ परिसरों पर छापेमारी की है। ईडी ने एक बयान में कहा कि तलाशी अभियान के दौरान 31 लाख रुपये की नकदी, विभिन्न दस्तावेज और कई डिजिटल उपकरण जब्त किए गए। ईडी ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, भारतीय दंड संहिता और राजस्थान सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी), जयपुर द्वारा दर्ज एक प्राथमिकी के आधार पर जांच शुरू की। ईडी को साझा की गई जानकारी के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई। ईडी के मुताबिक जांच में पता चला है कि बलजीत यादव ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के तहत 32 स्कूलों के लिए खेल उपकरण खरीदने की कथित तौर पर सिफारिश की थी। पूर्व विधायक के सहयोगियों के नाम पर शुरू तरजीही कंपनियों बालाजी कम्प्लीट सोल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड, सूर्या एंटरप्राइजेज, राजपूत स्पोर्ट्स एंटरप्राइजेज और शर्मा स्पोर्ट्स एंटरप्राइजेज को विभिन्न मानदंडों का उल्लंघन करते हुए निविदाएं प्रदान की गईं।

एनसीबी की अहमदाबाद इकाई ने 870 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ नष्ट किए

अहमदाबाद : स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) की अहमदाबाद इकाई ने राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत जब्त किए गए 4,543.4 किलोग्राम मादक पदार्थों को नष्ट कर दिया। इनका मूल्य 870 करोड़ रुपये आंका गया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। एनसीबी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि जब्त किए गए प्रतिबंधित पदार्थों को ''मादक पदार्थ निस्तारण पखवाड़ा'' (10 से 25 जनवरी) के हिस्से के रूप में 25 जनवरी को भरूच जिले के दाहेज में जलाकर नष्ट कर दिया गया। एनसीबी की अहमदाबाद क्षेत्रीय इकाई द्वारा नष्ट किए गए पदार्थों में चरस (3,185.685 किलोग्राम), हेरोइन (88.727 किलोग्राम), मेथामफेटामाइन (748.334 किलोग्राम), मेफेड्रोन (0.332 किलोग्राम), अल्प्राजोलम (0.077 किलोग्राम), लिडोकेन (1.078 किलोग्राम), ट्रामाडोल (500.310 किलोग्राम) और एमफ़ैटेमिन (18.404 किलोग्राम) शामिल हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इन्हें एक उच्च स्तरीय समिति और एनसीबी, अहमदाबाद क्षेत्रीय इकाई की नियमित मादक पदार्थ निस्तारण समिति के तत्वावधान में नष्ट किया गया।

'देश भर में सर्प दंश की घटनाएं बढ़ रही हैं, कुछ करें': न्यायालय

नयी दिल्ली : सर्पदंश की समस्या के पूरे देश में व्याप्त होने का उल्लेख करते हुए उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को केंद्र से कहा कि वह सभी राज्यों को साथ लेकर चिकित्सा सुविधाओं में सर्पदंश का उपचार उपलब्ध कराने के लिए कुछ करे। न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति एस.वी.एन. भट्टी की पीठ एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें कहा गया था कि सांप के काटने के इलाज में महत्वपूर्ण 'विष रोधी' (एंटी-वेनम) की कमी के कारण देश एक बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का सामना कर रहा है। पीठ ने केंद्र के वकील से कहा, आप राज्यों को भी इसमें शामिल कर सकते हैं। समस्या पूरे देश में है। इसमें आगे कहा गया, आप सभी राज्यों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर कुछ करने का प्रयास कर सकते हैं। यह कोई विरोधात्मक मुकदमा नहीं है। केन्द्र के वकील ने कहा कि सरकार इस मुद्दे पर उठाए गए कदमों की जानकारी रिकार्ड में रखेगी। कुछ राज्यों के वकीलों ने कहा कि वे इस मामले में अपना जवाबी हलफनामा दाखिल करेंगे, जिसके बाद पीठ ने उन्हें छह सप्ताह का समय दिया और मामले की सुनवाई उसके बाद के लिए स्थगित कर दी। पिछले साल 13 दिसंबर को सर्वोच्च न्यायालय ने वकील शैलेन्द्र मणि त्रिपाठी द्वारा दायर याचिका पर केंद्र और अन्य से जवाब मांगा था। याचिका में पीड़ितों की जान बचाने के लिए स्वास्थ्य केंद्रों, सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में 'विष रोधी' और सर्पदंश उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

अफगानिस्तान महिला क्रिकेट टीम 2021 के बाद मैदान पर उतरेगी

मेलबर्न : आस्ट्रेलिया में रहने वाले शरणार्थियों को लेकर बनी अफगानिस्तान महिला क्रिकेट टीम 2021 के बाद मैदान पर वापसी करेगी और यहां बृहस्पतिवार को 'क्रिकेट विदाउट बॉर्डर्स' एकादश के खिलाफ टी20 मैच खेलेगी। तालिबान के सत्तारूढ़ होने के बाद यहां भागकर आये अफगानिस्तान के लोगों में से चुनकर यह टीम बनी है। आस्ट्रेलिया आने के बाद ये लोग कैनबरा और मेलबर्न में रह रहे हैं। मैच आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच महिला एशेज टेस्ट के पहले दिन से पूर्व खेला जायेगा। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी निक हॉकली ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'यह पहला कदम है। यह काफी रोमांचक दिन होगा और मुझे उम्मीद है कि यह मैच हर साल हो सकेगा और इस टीम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने का मौका भी मिलेगा।'

'वन वर्ल्ड वन फैमिली' कप के दूसरे सत्र में भारत, श्रीलंका के दिग्गज होंगे

बेंगलुरु : चमिंडा वास, वेंकटेश प्रसाद जैसे भारत और श्रीलंका के कई दिग्गज आठ फरवरी को यहां खेले जाने वाले 2025 'वन वर्ल्ड वन फैमिली कप' में भाग लेकर अपने गौरवशाली दिनों की झलक दिखाने की कोशिश करेंगे। उनके अलावा इरफान पठान, यूसुफ पठान और अजंता मेंडिस जैसे कुछ जाने-पहचाने नाम भी इस कार्यक्रम में नजर आएंगे। भारत के पूर्व महान बल्लेबाज जीआर विश्वनाथ ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य मानवता और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा, 'क्रिकेट ने मुझे सिखाया कि सच्ची महानता उन रनों में नहीं है जो हम बनाते हैं, बल्कि उन जिंदगियों में है जिन्हें हम प्रभावित हैं। मेरे खेल के दिनों में हम अपने राष्ट्र के गौरव के लिए खेलते थे। इस मैच में हम मानवता के गौरव के लिए खेलेंगे।' पिछले साल (2024) जब 'वन वर्ल्ड वन फैमिली कप' के पहले सत्र को खेला गया था तब दोनों टीमों की कप्तान महान सचिन तेंदुलकर और युवराज सिंह ने टीम की कप्तानी की थी।

आईसीसी पुरस्कार: बुमराह सर्वश्रेष्ठ पुरुष टेस्ट क्रिकेटर, मंधाना सर्वश्रेष्ठ महिला एकदिवसीय खिलाड़ी

दुबई : तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का साल का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर चुना गया जबकि आक्रामक सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को सर्वश्रेष्ठ महिला एकदिवसीय खिलाड़ी चुना गया जिससे सोमवार को आईसीसी व्यक्तिगत पुरस्कारों में भारतीय क्रिकेटरों का दबदबा रहा। आईसीसी ने शुक्रवार को शुरू हुई प्रक्रिया को जारी रखते हुए सोमवार को तीन और पुरस्कार विजेताओं की घोषणा की। अंतिम दो पुरस्कार- साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला क्रिकेटर- मंगलवार को घोषित किए जाएंगे। बुमराह वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम में नामित होने के बाद दोहरे व्यक्तिगत पुरस्कार जीतने की दौड़ में हैं। बुमराह ने पिछले 12 महीनों में शानदार प्रदर्शन किया है जिसमें उन्होंने लगभग सभी विपक्षी टीमों पर दबदबा बनाया और मात्र 13 मैच में 14.92 के शानदार औसत से 71 विकेट चटकाए। बुमराह ने 2024 में टेस्ट क्रिकेट में 357 ओवर फेंके और इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट सिर्फ 30.1 रहा। इंग्लैंड और बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू श्रृंखलाओं में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले बुमराह रविचंद्रन अश्विन, अनिल कुंबले और कपिल देव के नक्शेकदम पर चलते हुए एक कैलेंडर वर्ष में 70 से अधिक टेस्ट विकेट लेने वाले भारत के चौथे गेंदबाज बन गए। बुमराह ने मीडिया विज्ञप्ति में कहा, 'साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष टेस्ट क्रिकेटर का पुरस्कार हासिल करके मैं बहुत खुश हूं। यह प्रारूप हमेशा मेरे दिल के करीब रहा है। पिछला साल काफी खास रहा, बहुत कुछ सीखने और जीतने का मौका मिला।' उन्होंने कहा, 'मैं इस साल बहुत क्रिकेट खेलकर खुश हूं और बहुत सारे विकेट विशेष रहे हैं। लेकिन विशाखापत्तनम में ओली पोप (इंग्लैंड) का विकेट बेहद विशेष था क्योंकि इससे लय हमारे पक्ष में हो गई।' इस 31 वर्षीय तेज गेंदबाज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 32 विकेट चटकाए लेकिन उनके शानदार प्रदर्शन के बावजूद भारत को 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया में श्रृंखला के दौरान बुमराह ने 200 टेस्ट विकेट का आंकड़ा पार किया और यह उपलब्धि हासिल करने वाले 12वें भारतीय गेंदबाज बन गए। बुमराह ने इस दौरान एक अनोखा रिकॉर्ड भी बनाया और टेस्ट इतिहास में 20 से कम के औसत (19.4) के साथ कम से कम 200 विकेट चटकाने वाले एकमात्र गेंदबाज बन गए। इस तेज गेंदबाज ने पर्थ टेस्ट में टीम की अगुआई भी की जिसे भारत 295 रन से जीता। रोहित शर्मा पितृत्व अवकाश पर होने के कारण इस मैच में नहीं खेले थे। वह 2018 में विराट कोहली के बाद आईसीसी का व्यक्तिगत पुरस्कार हासिल करने वाले पहले भारतीय पुरुष क्रिकेटर हैं। कोहली को तब साल का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट खिलाड़ी और सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुना गया था।

रणजी में कोहली की वापसी : बढेगी सुरक्षा, दर्शकों के लिए तीन स्टैंड, सीधा प्रसारण नहीं

नयी दिल्ली : तेरह साल बाद रणजी ट्रॉफी मैच खेलने जा रहे विराट कोहली के मंगलवार से दिल्ली रणजी ट्रॉफी टीम के साथ अभ्यास करने की उम्मीद है और दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) इस सुपरस्टार की घर वापसी के लिये सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की तैयारी कर रहा है। कोहली को सोमवार को आधिकारिक तौर पर 30 जनवरी से अरुण जेटली स्टेडियम में रेलवे के खिलाफ होने वाले अंतिम ग्रुप मैच के लिए आयुष बडोनी के नेतृत्व वाली दिल्ली टीम में नामित किया गया था। गाजियाबाद के मोहन नगर में उत्तर प्रदेश के खिलाफ 2012 में खेलने के बाद से यह कोहली का पहला रणजी मैच होगा। उस समय कोहली भारत क्रिकेट के उभरते हुए सितारे थे लेकिन अब वह इस खेल के सबसे बड़े मौजूदा दिग्गजों में शामिल है। इस पूर्व कप्तान के नाम अब 80 अंतरराष्ट्रीय शतक है। डीडीसीए के सचिव अशोक शर्मा ने कहा, 'हमारे जूनियर खिलाड़ियों के लिए जाहिर तौर पर यह बहुत अच्छा अनुभव होगा क्योंकि उन्हें विराट के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने का मौका मिलेगा। आप हमारी टीम पर नजर डालें तो केवल नवदीप सैनी ही भारत के लिए और आईपीएल में विराट के साथ खेले हैं। इस टीम के किसी भी अन्य खिलाड़ी को रणजी ट्रॉफी में विराट के साथ खेलने का अनुभव नहीं है। युवा खिलाड़ी उन्हें देखकर वे बहुत कुछ सीख सकते हैं।' मैच की व्यवस्था के बारे में पूछे जाने पर शर्मा ने कहा, 'हम जानते हैं कि विराट की उपस्थिति से मैच का महत्व काफी बढ़ जायेगा। किसी नियमित रणजी मैच के लिए हमारे पास 10 से 12 निजी सुरक्षाकर्मी होते हैं, लेकिन हम निश्चित रूप से सुरक्षा बढ़ाएंगे ताकि विराट के लिए अभ्यास करने में किसी तरह का व्यवधान ना आये।'

नागल शीर्ष 100 से बाहर, बोपन्ना को अक्टूबर 2022 के बाद पहली बार शीर्ष 20 में जगह नहीं

नयी दिल्ली : भारत के सुमित नागल एटीपी टेनिस एकल रैंकिंग में लगातार 10 महीने शीर्ष 100 में रहने के बाद लचर प्रदर्शन के कारण सोमवार को जारी नवीनतम रैंकिंग में इससे बाहर हो गए जबकि ऑस्ट्रेलियाई ओपन में जल्दी हारने के कारण अनुभवी रोहन बोपन्ना भी अब युगल रैंकिंग में शीर्ष 20 खिलाड़ियों का हिस्सा नहीं हैं। नागल मार्च 2024 से शीर्ष 100 खिलाड़ियों में शामिल थे। उन्होंने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया ओपन में अच्छे प्रदर्शन की बदौलत फरवरी 2024 में पहली बार शीर्ष 100 एकल खिलाड़ियों की सूची में जगह बनाई थी। नवीनतम रैंकिंग में वह हालांकि 16 स्थान के नुकसान से 106वें नंबर पर खिसक गए हैं। उनके 565 अंक हैं। नागल पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। उन्होंने जुलाई में विंबलडन 2024 के बाद से 18 टूर्नामेंट में हिस्सा लिया और इस दौरान एटीपी टूर और चैलेंजर सर्किट पर मुख्य ड्रॉ के केवल तीन मैच जीत पाए। शीर्ष 100 में शामिल खिलाड़ियों को ग्रैंडस्लैम सहित बड़ी प्रतियोगिताओं में सीधे प्रवेश मिलता है जहां पहले दौर में हार के बावजूद खिलाड़ियों ठीक-ठाक इनामी राशि मिल जाती है। नागल के बाद शशिकुमार मुकुंद 365वें स्थान पर हैं। उन्हें दो स्थान का फायदा हुआ है। रामकुमार रामनाथन एक स्थान के नुकसान से 406वें जबकि उनके बाद करण सिंह (20 स्थान के नुकसान से 496वें स्थान पर) और आर्यन शाह (नौ स्थान के नुकसान से 593वें स्थान पर) का नंबर आता है। बोपन्ना युगल रैंकिंग में पांच स्थान के नुकसान से 21वें स्थान पर खिसक गए हैं।

विश्व रैंकिंग में शीर्ष 30 में पहुंचने का लक्ष्य: रूत्विका-रोहिन की मिश्रित बैडमिंटन जोड़ी

नयी दिल्ली : रूत्विका शिवानी गाडे चोट से लगातार संघर्ष करने के कारण बैडमिंटन में उम्मीदों के मुताबिक सफलता नहीं हासिल कर सकी जबकि रोहन कपूर लंबे समय तक युगल मुकाबलों के लिए सही खिलाड़ी के साथ जोड़ी नहीं बना सके लेकिन दोनों को मिश्रित युगल में जोड़ी बनाने के बाद करियर में तेजी से आगे बढ़ने की उम्मीद है। रूत्विका और रोहन की जोड़ी पिछले सत्र से मिश्रित युगल देश की दूसरी सर्वश्रेष्ठ जोड़ी है। यह जोड़ी विश्व रैंकिंग में 37 वें स्थान पर काबिज है। रोहन की कोशिश इस साझेदारी को बरकरार रखते हुए बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर के आयोजनों में सफलता हासिल करने की है। रोहन ने कहा, 'इससे पहले मैं जब भी शीर्ष 32 या 35 में पहुंचता था मेरा युगल साथी मुझे छोड़ देता था या चोटिल हो जाता था। मेरे लिए यह काफी मुश्किल रहा है लेकिन मुझे में अच्छा करने का जज्बा बरकरार है।' उन्होंने कहा, 'अब रूत्विका के साथ मेरी जोड़ी बनी है, मुझे उम्मीद है कि हम शीर्ष 30 में पहुंच कर अपने सफर को जारी रखेंगे।' भारतीय जोड़ी के सामने मंगलवार को 240,000 डॉलर इनामी थाईलैंड मास्टर्स सुपर 300 टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में चीनी ताइपे के पो यू लाई और जिओ मिन लिन की चुनौती होगी। रूत्विका ने इंडिया ओपन के दौरान बातचीत में कहा था, 'मैंने एक साल पहले मैंने युगल में खेलने का मन बनाया। मैं और रोहन हालांकि अप्रैल से एक साथ खेल रहे हैं। ऐसे में हमारी जोड़ी बने छह - आठ महीने हुए है और हमारा लक्ष्य कुछ बड़ा हासिल करने का है।'

न्यूज अपडेट

टाटा स्टील मास्टर्स: प्रज्ञानानंदा ने गुकेश से ड्रॉ खेला

विज्क आन ज़ी (नीदरलैंड): भारतीय ग्रैंड मास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के आठवें दौर में विश्व चैंपियन डी गुकेश के साथ बाजी ड्रॉ खेली। प्रज्ञानानंदा एक समय अच्छी स्थिति में दिख रहे थे लेकिन गुकेश सतर्क होकर खेलते रहे। जब बाजी में कोई स्पष्ट परिणाम नजर नहीं आ रहा था तो दोनों खिलाड़ी 33 चाल के बाद ड्रॉ पर सहमत हो गए। इस ड्रा के बाद प्रज्ञानानंदा और गुकेश दोनों उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के साथ 5.5 अंक लेकर बढ़त बनाए हुए हैं। उज्बेकिस्तान के खिलाड़ी ने स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसीव के साथ अंक बांटे। प्रतियोगिता में भाग ले रहे अन्य भारतीय खिलाड़ियों में ग्रैंडमास्टर पी हरिकृष्णा ने नीदरलैंड के अनीश गिरी के साथ ड्रॉ खेला। हरिकृष्णा के संभावित आठ में से चार अंक हो गए हैं। अर्जुन एरिगैसी ने सर्बिया के एलेक्सी सराना के साथ जबकि लियोन ल्यूक मेंडोंका ने नीदरलैंड के जॉर्डन वान फॉरेस्ट के साथ अपनी अपनी बाजी ड्रॉ खेली। एरीगैसी दो अंकों के साथ मेंडोंका से आधा अंक पीछे है। चैलेंजर्स वर्ग में चेक गणराज्य के गुयेन थाई वान डैम ने चीन की 14 वर्षीय खिलाड़ी मियाओई लू को हराकर छह अंकों के साथ एकल बढ़त हासिल की। भारत की आर वैशाली को नीदरलैंड के आर्थर पिजपर्स ने ड्रॉ पर रोका, जबकि दिव्या देशमुख कजाकिस्तान की काजीबेक नोगेरबेक से हार गईं।

महाराष्ट्र ने राष्ट्रीय खेलों के ट्रायथलॉन मिश्रित रिले में स्वर्ण पदक जीता

हलद्वानी (उत्तराखंड): महाराष्ट्र ने 38वें राष्ट्रीय खेलों में सोमवार को ट्रायथलॉन मिश्रित रिले में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। पार्थ सचिन मिराजे, डॉली देवीदास पाटिल, कौशिक विनय मालंदकर और मानसी विनोद मोहिते की महाराष्ट्र की चौकड़ी ने 2:12:06 घंटे के समय के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। इस स्पर्धा का रजत पदक मध्य प्रदेश के नाम रहा। मध्यप्रदेश की टीम में अंकुर चाहर, दुर्विशा पवार, रोशन गोंड और आध्या सिंह शामिल थे। आकाश पेरुमलसामी, कीर्ति एस, साई लोहिताक्ष केडी, और आरती एस की मौजूदगी वाली तमिलनाडु की टीम ने कांस्य पदक हासिल किया। इससे पहले रविवार को व्यक्तिगत ट्रायथलॉन स्पर्धा में महाराष्ट्र के मिराजे और डॉली अपनी-अपनी स्पर्धाओं में स्वर्ण जबकि मानसी मोहिते ने रजत पदक जीते थे। मध्य प्रदेश की आध्या सिंह ने कांस्य पदक जीता। राष्ट्रीय खेलों का आधिकारिक उद्घाटन मंगलवार को होगा लेकिन ट्रायथलॉन स्पर्धाएं रविवार से शुरू हो गयी जबकि बीच हैंडबॉल सोमवार को शुरू हुआ। उत्तराखंड, महाराष्ट्र और केरल की टीमों ने बीच हैंडबॉल में जीत दर्ज की मेजबान उत्तराखंड ने तेलंगाना को पुरुष वर्ग के पूल ए मैच में 2-0 से हराया। पूल के एक अन्य मैच में एसएससीबी ने झारखंड को 2-0 से मात दी। उत्तर प्रदेश ने पूल बी में आंध्र प्रदेश जबकि राजस्थान ने गोवा को एक समान 2-0 के अंतर से हराया। महिलाओं के वर्ग में महाराष्ट्र ने उत्तराखंड से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 2-0 से जीत हासिल की, जबकि हरियाणा ने असम को इसी अंतर से हराया।

रूस के अलेक्जेंद्रोविच भारत के भालाफेंक कोच बने

नयी दिल्ली : ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा और राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी अन्नु रानी समेत भारत के शीर्ष भालाफेंक खिलाड़ी रूस के महान एथलीट रहे सर्जेइ माकारोव अलेक्जेंद्रोविच के मार्गदर्शन में अभ्यास करेंगे जिन्हें भारत का नया भालाफेंक कोच बनाया गया है। सिडनी ओलंपिक 2000 और एथेंस ओलंपिक 2004 में कांस्य पदक जीत चुके 51 वर्ष के माकारोव को अगले ओलंपिक चक्र के लिये कोच बनाया गया है। मुख्य राष्ट्रीय कोच राधाकृष्णन नायर ने इसकी पुष्टि की। नायर ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'रूस के भालाफेंक विशेषज्ञ इस सप्ताह आ गए हैं और पटियाला में राष्ट्रीय खेल संस्थान में रहेंगे। अलेक्जेंद्रोविच का अपार अनुभव भारत में भालाफेंक कार्यक्रम के विकास में काफी महत्वपूर्ण साबित होगा।' भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने उनके नाम की सिफारिश खेल मंत्रालय से की थी। तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण के बाद पेरिस ओलंपिक में नीरज के रजत पदक से भारत में भालाफेंक का ग्राफ ऊपर गया है।

डिजिटल धोखाधड़ी रोकने के लिए बैंक मजबूत प्रणाली बनाने पर ध्यान दें: आरबीआई गवर्नर

मुंबई : डिजिटल धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सोमवार को बैंकों से इनपर लगाम लगाने के लिए मजबूत एवं सक्रिय प्रणाली बनाने के साथ जोखिमों को कम करने के लिए तीसरे पक्ष के सेवा-प्रदाताओं की निगरानी बढ़ाने का आग्रह किया। मल्होत्रा ने यहां सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों के प्रबंध निदेशकों एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) से मुलाकात में यह बात कही। इस दौरान आरबीआई के डिप्टी गवर्नर- एम राजेश्वर राव, टी रबी शंकर और स्वामीनाथन जे भी मौजूद थे। बैठक में भारतीय रिजर्व बैंक के विनियमन और पर्यवेक्षण के प्रभारी कार्यकारी निदेशक भी शामिल हुए। आरबीआई गवर्नर ने डिजिटल धोखाधड़ी में वृद्धि पर चिंता व्यक्त की और बैंकों को ऐसे प्रयासों को विफल करने के लिए मजबूत एवं सक्रिय प्रणाली स्थापित करने की सलाह दी। आरबीआई की एक विज्ञप्ति के मुताबिक, सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़े जोखिम के प्रबंधन और साइबर सुरक्षा पर चर्चा करते हुए मल्होत्रा ने बैंकों से तीसरे पक्ष के सेवा प्रदाताओं पर निगरानी बढ़ाने का आग्रह किया, ताकि उनसे उत्पन्न होने वाले जोखिमों को कम किया जा सके। बैठक में आरबीआई और बैंकों से साथ मिलकर काम करने की जरूरत पर बल दिया गया और बैंकों से कारोबारी सुगमता बढ़ाने के लिए सुझाव मांगे गए। इसके साथ ही मल्होत्रा ने बैंकों से निरंतर वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने, वित्तीय समावेश का विस्तार करने, डिजिटल साक्षरता में सुधार करने, ऋण की उपलब्धता और सामर्थ्य बढ़ाने, ग्राहक सेवा और शिकायत निवारण तंत्र को मजबूत करने और प्रौद्योगिकी में निवेश जारी रखने को कहा। इसके अलावा, आरबीआई प्रमुख ने घरेलू वित्तीय प्रणाली को जुझारू बनाने में बैंकों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया और वैश्विक स्तर पर मौजूद कुछ मुख्य कमजोरियों को उजागर किया जो नकारात्मक जोखिम पैदा कर सकती हैं।

टिकाऊ सभ्यता का एक खाका पेश करता है महाकुंभ मेला: अदाणी

नयी दिल्ली : प्रयागराज में जारी महाकुंभ मेले से लौटे उद्योगपति गौतम अदाणी ने सोमवार को कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा इंसानी समागम सिर्फ धार्मिक आयोजन न होकर टिकाऊ सभ्यता का एक खाका भी है। अदाणी समूह के चेयरमैन अदाणी ने पेशेवर नेटवर्किंग मंच 'लिंक्डइन' पर एक ब्लॉग में महाकुंभ से जुड़े अपने अनुभवों को साझा किया। वह अपने परिवार के साथ 21 जनवरी को प्रयागराज में संगम तट पर चल रहे महाकुंभ में शामिल हुए। उन्होंने कहा, 'जहां भारत एक वैश्विक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है, वहीं हमें याद रखना चाहिए कि हमारी ताकत सिर्फ उसमें नहीं है जो हम बनाते हैं, बल्कि उसमें है जो हम संरक्षित करते हैं। कुंभ सिर्फ एक धार्मिक समागम नहीं है, यह टिकाऊ सभ्यता का एक खाका है।' उन्होंने कहा कि कुंभ मेला इस बात की याद दिलाता है कि असली मानदंड बही-खाते नहीं बल्कि मानवीय चेतना पर सकारात्मक प्रभाव के रूप में मापा जाता है। अदाणी ने कहा, 'कुंभ में हमें भारत की 'सॉफ्ट पावर' का सार देखने को मिलता है। यह एक ऐसी शक्ति है जो विजय में नहीं बल्कि चेतना में निहित है, प्रभुत्व में नहीं बल्कि सेवा में निहित है। भारत की असली ताकत इसकी आत्मा में निहित है, जहां वृद्धि सिर्फ आर्थिक शक्ति न होकर मानवीय चेतना और सेवा का संगम है।'

सेंसेक्स 824 अंक टूटकर सात माह के निचले स्तर पर, निफ्टी 23,000 अंक से नीचे फिसला

मुंबई : कमजोर वैश्विक रुझानों के बीच सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और तेल एवं गैस शेयरों में भारी बिकवाली के बीच प्रमुख शेयर सूचकांक बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 824 अंक से अधिक टूटकर सात माह के निचले स्तर पर आ गया। कमजोरी के रुख के बीच 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 824.29 अंक या 1.08 प्रतिशत गिरकर 75,366.17 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 23 शेयर गिरावट के साथ और सात शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। दिन के कारोबार में सेंसेक्स 75,925.72 के ऊपरी और 75,267.59 के निचले स्तर के बीच घूमता रहा। दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 263.05 अंक या 1.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,829.15 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी छह जून, 2024 के बाद पहली बार 23,000 अंक के स्तर से नीचे आया है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'दुनियाभर में कमजोर कारोबारी धारणा और कंपनियों के तिमाही नतीजे उम्मीद के अनुरूप नहीं रहने के बीच विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक बिकवाली ने भारतीय बाजार को गिरा दिया।' नायर ने कहा, 'अमेरिका में व्यापार टकराव जारी रहने से कारोबारी भावनाएं और कमजोर हुईं। ऐसे में इस सप्ताह भी अस्थिरता बनी रहेगी, क्योंकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज निर्धारण समिति की बैठक, मासिक सौदों के निपटान और आम बजट को लेकर जोखिम बने हुए हैं।' आईटी, दूरसंचार, उपयोगिता, बिजली, टिकाऊ उपभोक्ता सामान, तेल और गैस तथा स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट हुई। अमेरिकी व्यापार नीति को लेकर अनिश्चितता के कारण निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रवासियों के मुद्दे पर कोलंबिया पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की है। हालांकि, कोलंबिया के निर्वासित प्रवासियों को वापस लेने पर सहमत होने के बाद इस निर्णय को उलट दिया गया। गौरतलब है कि कोलंबिया अमेरिका का एक करीबी सहयोगी है। सेंसेक्स के शेयरों में एचसीएल टेक में सबसे अधिक 4.49 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा जोमैटो, टेक महिंद्रा, पावरग्रिड, टाटा मोटर्स, इन्फोसिस, टाटा स्टील, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारती एयरटेल के शेयर भी नीचे आए। दूसरी ओर आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एमएंडएम, एसबीआई और एलएंडटी के शेयर लाभ में रहे। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा कि अमेरिकी और यूरोपीय बाजारों से कमजोर संकेत, इस सप्ताह के अंत में मासिक वायदा एवं विकल्प सौदों का निपटान, एफआईआई की लगातार निकासी और तीसरी तिमाही की सुस्त कॉरपोरेट नतीजों जैसे कारकों के चलते निवेशक अपने इक्विटी निवेश को कम कर रहे हैं।

भविष्य के लिए कार्यबल तैयार करने को बजट में कौशल विकास के लिए आवंटन बढ़ाने की जरूरत: टाटा टेक

नयी दिल्ली : टाटा टेक्नोलॉजीज ने आम बजट से पहले सोमवार को कौशल विकास उपायों के लिए आवंटन बढ़ाने की अपील की, ताकि भविष्य की जरूरतों के अनुसार कार्यबल तैयार किया जा सके। टाटा टेक्नोलॉजीज के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक वारेन हैरिस ने बयान में कहा कि 5,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था के मसौदे में दर्ज भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को हासिल करने के लिए बजट में नवाचार आधारित नीतियों, उभरती प्रौद्योगिकियों में निवेश और देश में उत्पादों के विकास को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्मार्ट विनिर्माण, कृत्रिम मेधा (एआई), डिजिटल बदलाव और सॉफ्टवेयर-परिभाषित वाहनों (एसडीवी) जैसे प्रमुख वृद्धि के कारकों के लिए सरकारी समर्थन की आवश्यकता है। यह समर्थन अनुसंधान एवं विकास, कौशल विकास और बुनियादी ढांचे में निवेश के रूप में हो सकता है। हैरिस ने बजट से कंपनी की उम्मीदों के बारे में कहा, 'हम उद्योग 4.0 के साथ जुड़ी कौशल विकास पहल के लिए आवंटन बढ़ाने की सिफारिश करते हैं, जिससे भविष्य के लिए तैयार कार्यबल का निर्माण हो सके जो एआई, आईओटी और साइबर सुरक्षा जैसी उन्नत प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता पाने में सक्षम हो।' उन्होंने कहा कि स्थिरता और हरित परिवहन पर भारत के ध्यान को इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) और स्वच्छ ऊर्जा समाधानों को अपनाने और विनिर्माण को प्रोत्साहित करने वाली नीतियों से फायदा मिल सकता है। हैरिस ने यह भी कहा कि सुव्यवस्थित जीएसटी मानदंड और ईवी कलपुर्जों, उच्च तकनीक विनिर्माण और सॉफ्टवेयर सेवाओं के लिए उन्नत पीएलआई योजनाएं वृद्धि को गति देंगी।

प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के जरिये कृषि सब्सिडी देने पर विचार कर सकती है सरकार : चौहान

नयी दिल्ली : केंद्रीय कृषी मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कहा कि सरकार खेती को सरल बनाने के लिए नीतिगत स्तर पर बदलाव लाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने संकेत दिया कि भविष्य में उर्वरक, बीज और कृषि उपकरणों के लिए सब्सिडी वितरण प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के जरिये करने पर विचार किया जा सकता है। सोमवार को अपने आवास पर गणतंत्र दिवस परेड देखने के लिए विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किसानों के साथ बातचीत में कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री ने कहा कि सरकार उर्वरक सब्सिडी पर 2,00,000 करोड़ रुपये तक खर्च करती है। चौहान ने कहा, 'सरकार जो उर्वरक सब्सिडी देती है, उसकी लागत 2,00,000 करोड़ रुपये है। यूरिया की एक बोरी किसानों को 265 रुपये की पड़ती है, लेकिन इसकी कीमत 2,400 रुपये है। सब्सिडी कंपनी को जाती है। उर्वरक का इस्तेमाल अन्य उद्देश्यों के लिए भी किया जाता है... अगर कोई विश्वसनीय प्रणाली हो, तो किसानों को सीधे उनके खातों में सब्सिडी दी जा सकती है। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की लागत लगभग 60,000 करोड़ रुपये आती है, अगर उर्वरक सब्सिडी डीबीटी के माध्यम से दी जाती है, तो बैंक बही-खाता और बढ़ जाएगा।

न्यूज अपडेट

आरबीआई ने बैंकिंग प्रणाली में नकदी डालने के उपायों की घोषणा की

मुंबई : भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकिंग प्रणाली में तरलता (नकदी) बढ़ाने के लिए सोमवार को तीन किस्तों में 60,000 करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियां खरीदने और कई अन्य कदमों की घोषणा की। आरबीआई ने बैंकिंग तरलता की स्थिति के प्रबंधन उपायों के तहत 31 जनवरी, 2025 को छह महीने की अवधि के लिए पांच अरब डॉलर के अमेरिकी डॉलर/रुपये की खरीद/बिक्री अदला-बदली नीलामी की भी घोषणा की। केंद्रीय बैंक ने तरलता बढ़ाने के लिए कहा कि 30 जनवरी, 13 फरवरी और 20 फरवरी को 20,000 करोड़ रुपये की तीन किस्तों में कुल 60,000 करोड़ रुपये की राशि के लिए भारत सरकार की प्रतिभूतियों की मुक्त बाजार परिचालन (ओएमओ) खरीद नीलामी आयोजित की जाएगी। इसके अलावा, 50,000 करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि के लिए 56-दिवसीय परिवर्तनीय दर रेपो (वीआरआर) नीलामी भी सात फरवरी को आयोजित की जाएगी। आरबीआई ने कहा, 'केंद्रीय बैंक उभरती हुई तरलता और बाजार स्थितियों की निगरानी करना जारी रखेगा और व्यवस्थित नकदी की स्थिति सुनिश्चित करने के लिए उचित उपाय करेगा।' केंद्रीय बैंक ने कहा कि प्रत्येक परिचालन के लिए विस्तृत निर्देश अलग से जारी किए जाएंगे।

सोने में आठ दिन से जारी तेजी का सिलसिला थमा, चांदी भी 2,000 रुपये टूटी

नयी दिल्ली : कमजोर वैश्विक रुख के बीच सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 100 रुपये गिरकर 83,000 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। इससे सोने में पिछले आठ सत्रों से जारी तेजी का सिलसिला थम गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। इसके अलावा, अमेरिकी फेडरल रिजर्व और यूरोपीय केंद्रीय बैंक (ईसीबी) बुधवार और बृहस्पतिवार को ब्याज दरों के बारे में फैसला करेंगे, जिसका असर सर्राफा कीमतों पर पड़ सकता है। शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 200 रुपये चढ़कर 83,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया था। सोमवार को 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना शुक्रवार के बंद भाव 82,700 रुपये प्रति 10 ग्राम से 100 रुपये गिरकर 82,600 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। इस बीच, औद्योगिक इकाइयों और सिक्का निर्माताओं की ओर से कमजोर उठाव के कारण चांदी 2,000 रुपये गिरकर 92,000 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। शुक्रवार को यह 94,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। वैश्विक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कॉमेक्स सोना वायदा 4.40 डॉलर प्रति औंस घटकर 2,802.20 डॉलर प्रति औंस रह गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ जिंस विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, 'सोमवार को सोने की कीमतों में गिरावट आई क्योंकि सट्टेबाजों ने अपने लंबी अवधि के सौदों का निपटान किया और हाल ही में आई तेजी के बाद मुनाफावसूली की। इस महीने अबतक सोने में पांच प्रतिशत से अधिक की तेजी आई है।'

पांच साल में क्रेडिट कार्ड दोगुने से अधिक हुए, डेबिट कार्ड की रफ्तार स्थिर: रिपोर्ट

मुंबई : भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि दिसंबर, 2019 से पिछले पांच साल में क्रेडिट कार्ड की संख्या दोगुनी से अधिक होकर लगभग 10.80 करोड़ हो गई है। इस दौरान डेबिट कार्ड की संख्या अपेक्षाकृत स्थिर रही है। सोमवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया कि दिसंबर, 2024 के अंत में क्रेडिट कार्ड की संख्या दिसंबर, 2019 की तुलना में दोगुना से अधिक होकर लगभग 10.80 करोड़ हो गई। दिसंबर, 2019 में 5.53 करोड़ क्रेडिट कार्ड प्रचलन में थे। इसके उलट डेबिट कार्ड की संख्या अपेक्षाकृत स्थिर रही है, जो दिसंबर, 2019 के 80.53 करोड़ से मामूली बढ़कर दिसंबर, 2024 में 99.09 करोड़ से थोड़ी अधिक हो गई है। पिछले दशक में भारत में डिजिटल भुगतान तेजी से बढ़ा है।

वर्ष 9, पूर्णांक 4132 अंक 282, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in